सोमवार
10 जून 2024

केशव टाइम्स

डिजिटल संस्करण

आपकी आवाज

चार माह में पूर्णिया में नहीं बदली व्यवस्था, तो दूंगा इस्तीफा : पप्पू यादव

2

प्रमुख खबरें : दिल्ली ■ पटना ■ बक्सर ■ शाहाबाद ■ मगध ■ सारण ■ मिथिलांचल ■ चंपारण ■ पूर्वांचल ■ लखनऊ

एनडीए ने लगातार तीसरी बार देश में सरकार बनाने में सफलता पायी, नरेंद्र मोदी समेत 30 ने ली कैबिनेट मंत्री की शपथ

मैं नरेंद्र दामोदर दास मोदी पीएम पद की शपथ लेता हूं...

केटी न्यूज/नई दिल्ली

मैं नरेंद्र दामोदर दास मोदी... नरेन्द्र मोदी ने रविवार को लगातार तीसरी बार भारत के प्रधानमंत्री पद की शपथ लेकर इतिहास रच दिया। इसके साथ ही वह इस उपलब्धि को हासिल करने वाले पहले गैर-कांग्रेसी नेता और जवाहरलाल नेहरू के बाद दूसरे ऐसे नेता बन गए हैं। बहुत कम ही लोगों ने सोचा होगा कि भाजपा का कोई नेता यह उपलब्धि हासिल कर सकेगा। मोदी को तीसरे कार्यकाल में जनादेश पूर्व के दो कार्यकालों की तरह नहीं मिला है। इस बार के लोकसभा चुनाव में भाजपा अपने दम पर बहुमत हासिल करने में विफल रही। चुनाव से पूर्व भाजपा ने चार सौ पार का नारा दिया था लेकिन वह अपने गठबंधन के सहयोगियों के साथ तीन सौ के आंकड़े को भी पार नहीं कर सकी। लोकसभा चुनाव में कांग्रेस और इंडिया गठबंधन ने अपेक्षाकृत बेहतर प्रदर्शन किया और उत्तर प्रदेश, हरियाणा और राजस्थान सहित कई हिन्दी पट्टी के क्षेत्रों में भाजपा के रथ को रोकने में सफलता हासिल की। यही कारण रहा कि नतीजों के बाद विपक्षी दलों ने चुनाव परिणामों को मोदी की नैतिक हार करार दिया। कांग्रेस को इस चुनाव में 99 सीटों पर सफलता मिली। बहरहाल, यह भाजपा की विशाल राजनीतिक उपस्थिति का ही परिणाम है कि लगातार तीसरे लोकसभा चुनाव में उसने 240 सीटें हासिल कर सबसे बड़े दल का तमगा हासिल किया। भाजपा के नेतृत्व वाले राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) ने 293 सीटें जीती हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने इसे किसी भी चुनाव-पूर्व गठबंधन की सबसे बड़ी सफलता करार दिया है। चुनावों से मिली चुनौतियों के बावजूद, आने वाले वर्षों में भारतीय राजनीति 73 वर्षीय मोदी के इर्द-गिर्द ही घूमने वाली है। हालांकि, इस दौरान उन्हें गठबंधन की राजनीति के विभिन्न पहलुओं का सामना करना पड़ेगा। गोधरा ट्रेन अग्निकांड के बाद राज्य में हुए दंगों के साये में 2002 में गुजरात विधानसभा चुनावों में पहली बार भाजपा का नेतृत्व करने के बाद से मोदी ने कभी पीछे मुड़कर नहीं देखा। हालांकि उनके विरोधियों ने 2002 में उन्हें राजनीतिक रूप से खारिज कर दिया था, लेकिन वह अपनी पार्टी के लिए हिंदुत्व और विकास का विजयी मिश्रण बनकर ताकत के साथ उभरते चले गए। मोदी ने 2002, 2007 और 2012 में गुजरात में पार्टी का नेतृत्व किया और सत्ता में पहुंचाया और इसके बाद 2014 और 2019 में केंद्र में अपनी पार्टी को जीत दिलाने और सत्ता तक पहुंचाने में सबसे अहम भूमिका निभाई। हालांकि इस बार भाजपा की जीत सबसे अलग है क्योंकि वह अपने दम पर बहुमत लाने में विफल रही। साल 2014 में पहली बार पदभार संभालने के बाद मोदी को पहली बार इस दफे एक मजबूत विपक्ष का सामना करना पड़ा है।

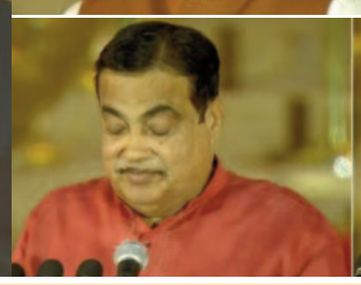

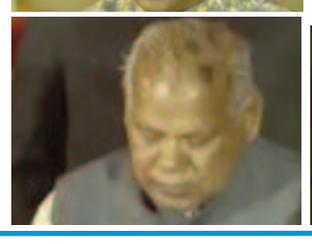

मोदी 3.0 के कैबिनेट मंत्री

- राजनाथ सिंह ने कैबिनेट मंत्री पद की शपथ ली
- अमित शाह ने कैबिनेट मंत्री पद की शपथ ली
- नितिन गडकरी ने कैबिनेट मंत्री पद की शपथ ली
- जेपी नड्डा ने कैबिनेट मंत्री पद की शपथ ली
- शिवराज सिंह ने कैबिनेट मंत्री पद की शपथ ली
- निर्मला सीतारमण ने कैबिनेट मंत्री पद की शपथ ली
- एस जयशंकर ने कैबिनेट मंत्री पद की शपथ ली
- मनोहरलाल खट्टर ने कैबिनेट मंत्री पद की शपथ ली
- जेडीएस के एचडी कुमारस्वामी ने कैबिनेट मंत्री पद की शपथ ली
- पीयूष गोयल ने कैबिनेट मंत्री पद की शपथ ली
- धर्मेंद्र प्रधान ने कैबिनेट मंत्री पद की शपथ ली
- हम पार्टी के जीतनराम माझी ने कैबिनेट मंत्री पद की शपथ ली
- जेडीयू के राजीव रंजन ने कैबिनेट मंत्री पद की शपथ ली
- सवार्नंद सोनोवाल ने कैबिनेट मंत्री पद की शपथ ली
- वीरेंद्र कुमार ने कैबिनेट मंत्री पद की शपथ ली
- टीडीपी के राममोहन नायडू ने कैबिनेट मंत्री पद की शपथ ली
- प्रह्लाद जोशी ने कैबिनेट मंत्री पद की शपथ ली
- जुएल ओरांव ने कैबिनेट मंत्री पद की शपथ ली
- गिरिराज सिंह ने कैबिनेट मंत्री पद की शपथ ली
- अश्विनी वैष्णव ने कैबिनेट मंत्री पद की शपथ ली
- ज्योतिरादित्य सिंधिया ने कैबिनेट मंत्री पद की शपथ ली
- भूपेंद्र यादव ने कैबिनेट मंत्री पद की शपथ ली
- गजेंद्र सिंह शेखावत ने कैबिनेट मंत्री पद की शपथ ली
- अन्नपूर्णा देवी कैबिनेट मंत्री पद की शपथ ली
- किरन रिरिजू ने कैबिनेट मंत्री पद की शपथ ली
- हरदीप सिंह पुरी ने कैबिनेट मंत्री पद की शपथ ली
- मनसुख मांडविया ने कैबिनेट मंत्री पद की शपथ ली
- जी किशन रेड्डी ने कैबिनेट मंत्री पद की शपथ ली
- चिराग पासवान ने कैबिनेट मंत्री पद की शपथ ली
- सीआर पाटिल ने कैबिनेट मंत्री पद की शपथ ली

मोदी मंत्रिमंडल में 20+ राज्यों के मंत्री, 71 सदस्यीय टीम में युवाओं और अनुभवी नेताओं का संतुलन

नई दिल्ली। नरेंद्र मोदी ने लगातार तीसरी बार प्रधानमंत्री पद की शपथ ले ली है। मोदी के साथ-साथ 71 सांसदों ने भी मंत्री पद की शपथ ली. इन 71 मंत्रियों में से 30 से कैबिनेट मंत्री, 5 स्वतंत्र प्रभार वाले और 36 ने राज्य मंत्री के रूप में शपथ ली है। इनमें 27 ओबीसी से हैं जबकि 10 एससी वर्ग से आते हैं। इसके साथ-साथ मोदी कैबिनेट में 18 सीनियर नेताओं को भी जगह दी गई है। दो पूर्व सीएम को भी मोदी सरकार में शामिल किया गया है। इसके साथ-साथ एनडीए सहयोगी दलों के कई सीनियर नेताओं को भी मंत्री बनाया गया है। इस बार के चुनाव में बीजेपी को पूर्ण बहुमत नहीं मिला है। हालांकि गठबंधन की सरकार मजबूती के विकास करने के लिए बचनबध है।

एनडीए सरकार में राज्य मंत्री

पंकज चौधरी ने राज्य मंत्री की शपथ ली
कृष्णपाल गुर्जर ने राज्य मंत्री की शपथ ली
रामदास अठावले ने राज्य मंत्री की शपथ ली
रामनाथ ठाकुर ने राज्य मंत्री की शपथ ली
नित्यानंद राय ने राज्य मंत्री की शपथ ली
अनुप्रिया पटेल ने राज्य मंत्री की शपथ ली
वी सोमन्ना ने राज्य मंत्री की शपथ ली
टीडीपी के डॉ. पी चंद्रशेखर राज्य मंत्री की शपथ
एसपी बघेल ने राज्य मंत्री की शपथ ली
शोभा करंदलाजे ने राज्य मंत्री की शपथ ली
कीर्तिवर्धन सिंह ने राज्य मंत्री की शपथ ली
शांतनू ठाकुर ने राज्य मंत्री की शपथ ली
सुरेश गोपी ने राज्य मंत्री की शपथ ली
डॉ. एल मुरुगन ने राज्य मंत्री की शपथ ली
अजय टम्टा ने राज्य मंत्री की शपथ ली
बंडी संजय कुमार ने राज्य मंत्री की शपथ ली
भागीरथ चौधरी ने राज्य मंत्री की शपथ ली
सतीशचंद्र दुबे ने राज्य मंत्री की शपथ ली
कमलेश पासवान ने राज्य मंत्री की शपथ ली
संजय सेठ ने राज्य मंत्री की शपथ ली
रवनीत सिंह बिट्टू ने राज्य मंत्री की शपथ ली
दुगार्दास उइके ने राज्य मंत्री की शपथ ली
रक्षा निखिल खड़से ने राज्य मंत्री की शपथ ली
सुकांत मजूमदार ने राज्य मंत्री की शपथ ली
सावित्री ठाकुर ने राज्य मंत्री की शपथ ली
तोखन साहू ने राज्य मंत्री की शपथ ली
डॉ. राजभूषण चौधरी ने राज्य मंत्री की शपथ ली
भूपति राजू श्रीनिवास वर्मा ने राज्य मंत्री की शपथ

कटरा जा रही बस पर आंतकी हमला, नौ श्रद्धालुओं की मौत

एजेंसी/नई दिल्ली

जम्मू-कश्मीर में तीर्थयात्रियों को ले जा रही बस पर आतंकवादियों ने रविवार को हमला कर दिया। घटना को लेकर मिली जानकारी के अनुसार इस मामले में 9 लोगों की मौत हो गयी है वहीं 33 अन्य घायल हैं। एक बस शिवखोड़ी मंदिर से कटरा लौट रही थी तभी आतंकवादियों ने उस पर गोलीबारी शुरू कर दी। हमले के बाद बस खाई में गिर गई। बस जैसे ही जंगल के इलाके में पहुंची, घात लगाए आतंकियों ने बस पर ताबड़तोड़ फायरिंग शुरू कर दी। आतंकियों की गोलीबारी से घबराए ड्राइवर ने बस पर अपना नियंत्रण खो दिया और बस खाई में जा गिरी। यह घटना पोनी इलाके के तेरयाथ गांव के पास शाम करीब छह बजकर 15 मिनट पर हुई। आतंकी हमले को लेकर एसएसपी रियासी मोहिता शर्मा ने कहा है कि शिव खोरी से कटरा जा रही यात्री बस पर आतंकवादियों ने गोलीबारी की। जिसमें नौ लोगों की मौत व 33 लोग घायल हुए हैं।

छत्रपति शिवाजी एयरपोर्ट पर बड़ा हादसा होने से टला, एक रनवे पर दो विमान रहे

एजेंसी/मुंबई

मुंबई के छत्रपति शिवाजी महाराज इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर एक बड़ा हादसा टल गया। दरअसल, यहां एक ही रनवे पर दो एयरक्राफ्ट एक साथ दिखाई दिए। रनवे पर इंडिगो का एयरक्राफ्ट लैंड कर रहा था, जबकि इसके ठीक आगे एअर इंडिया का विमान उड़ान भरने की तैयारी में था। हालांकि दोनों एयरक्राफ्ट एक-दूसरे से टकराने से बच गए। इस मामले में नागरिक उड्डयन निदेशालय ने एयर ट्रैफिक कंट्रोल के एक अधिकारी को सस्पेंड भी कर दिया गया है। इंडिगो की फ्लाइट दिल्ली और एअर इंडिया का विमान तिरुवनंतपुरम जा रहा था मुंबई से तिरुवनंतपुरम जाने वाला एअर इंडिया का विमान उड़ान भरने के लिए तैयार था। इसी दौरान इंडिगो की फ्लाइट भी उसी रनवे पर लैंडिंग की। इंडिगो की ये फ्लाइट इंदौर से दिल्ली जा रही थी। जनरल सेक्रेटरी आलोक यादव ने कहा कि मुंबई और दिल्ली के बिजी एयरपोर्ट्स हैं। यहां हर घंटे करीब 46 फ्लाइट्स टेकऑफ-लैंड करती हैं। विमानों के सही टेकऑफ-लैंडिंग और पैसेंजर्स की सुरक्षित यात्रा के लिए जिम्मेदार है। टेकऑफ करने वाला विमान स्पीड पकड़ चुका था, जबकि दूसरा (लैंडिंग करने वाला) प्लेन रनवे को टच कर चुका था। दोनों विमानों को एक-दूसरे के रनवे पर होने की जानकारी नहीं थी। दोनों की स्पीड स्लो होती तो शायद हादसा हो सकता था। फिलहाल मामले की जांच चल रही है।

केंद्र की योजनाओं को प्रदेश में लागू करने के मामले में उत्तर प्रदेश सबसे आगे

जनधन अकाउंट खुलवाने में यूपी अव्वल, महिलाओं की संख्या सर्वाधिक

- उत्तर प्रदेश में लगभग 5 करोड़ महिलाएं हैं जनधन खाताधारक
- देश में जनधन खाताधारकों की सर्वाधिक 18 फीसदी संख्या यूपी में

केटी न्यूज/लखनऊ

केंद्र सरकार की ओर से संचालित तमाम गरीब कल्याणकारी योजनाओं को मिशन मोड में धरातल पर उतारने के मामले में उत्तर प्रदेश शीर्ष पर है। सीएम योगी आदित्यनाथ की सतत मॉनीटरिंग के कारण योजनाओं को न केवल गुणवत्तापूर्ण और समयबद्ध ढंग से धरातल पर उतारा जा रहा है, बल्कि इस आधार पर तेज गति से विकास का यूपी मॉडल स्थापित हो रहा है। वित्त मंत्रालय की ताजा रिपोर्ट के अनुसार प्रधानमंत्री जनधन योजना में भी यूपी शीर्ष पर है। देश में जनधन खाताधारकों की संख्या जहां 52 करोड़ से ऊपर है, वहीं यूपी में ये संख्या 09.33 करोड़ हो चुकी है। यह राज्यों के स्तर पर सर्वाधिक संख्या है। वहीं सबसे सुखद बात यह है कि इसमें भी लगभग 05 करोड़ जनधन खाताधारक महिलाएं हैं।

रूपे कार्ड धारकों की संख्या भी यूपी में सर्वाधिक: केंद्रीय वित्त मंत्रालय के डिपार्टमेंट ऑफ फाइनेंशियल सर्विसेज की ओर से जारी ताजा आंकड़ों के अनुसार यूपी में प्रधानमंत्री जनधन योजना के अंतर्गत कुल 09 करोड़ 33 लाख 66 हजार 265 खाताधारक हैं। 29 मई 2024 तक के इन आंकड़ों पर नजर डालें तो इनमें 06 करोड़ 71 लाख 78 हजार 705 खाताधारक ग्रामीण और अर्धशहरी इलाकों के निवासी हैं, जबकि 02 करोड़ 61 लाख 87 हजार 560 खाताधारक शहरी और मेट्रो सिटी में रहने वाले गरीब हैं। इन 09.33 करोड़

खाताधारकों के खातों में कुल 47,427.21 करोड़ रुपए जमा हुए हैं। वहीं प्रदेश में रूपे कार्डधारकों की संख्या 06 करोड़ 14 लाख 39 हजार 064 है, जो देश में सर्वाधिक है। इसके अलावा देश में महिला जनधन खाताधारकों की संख्या जहाँ 29.11 करोड़ है, वहीं यूपी में यह संख्या लगभग 05 करोड़ है जोकि प्रदेश में कुल खाताधारकों की संख्या के आधे से अधिक है।

एक साल में खुले 65 लाख नये अकाउंट

बीते वित्तीय वर्ष 2023-24 में प्रदेश में 65 लाख के करीब नए प्रधानमंत्री जनधन अकाउंट खोले गये हैं। इनमें से अब तक 91 प्रतिशत से अधिक जनधन खातों के आधार सीडिंग का भी कार्य पूरा हो चुका है। बता दें कि मार्च 2023 तक प्रदेश में जनधन खातों की संख्या 08.68 करोड़ थी जोकि मार्च 2024 में बढ़कर 09.28 करोड़ पहुंच गयी। ताजा आंकड़ों के अनुसार 29 मई 2024 तक यह संख्या 09.33 करोड़ हो चुकी है। प्रधानमंत्री जनधन योजना एक राष्ट्रीय मिशन है। इसमें प्रत्येक परिवार के लिए कम से कम एक मूल बैंकिंग खाता, वित्तीय साक्षारता, ऋण की उपलब्धता, बीमा तथा पेंशन सुविधा सहित सभी बैंकिंग सुविधाएं उपलब्ध कराया जाना है। इसके अलावा, लाभार्थियों को रूपे डेबिट कार्ड दिया जाता है, जिसमें एक लाख रुपए का दुर्घटना बीमा कवर भी शामिल है।

मांझी : मीडिया पर भड़कते हुए बोले... ये लोग अब मारपीट के बाद ही हटेंगे

केटी न्यूज/पटना

बिहार की गया (सु) लोकसभा सीट से चुनाव जीतने के बाद अब जीतनराम मांझी मोदी कैबिनेट में मंत्री बनने जा रहे हैं। नरेंद्र मोदी के प्रधानमंत्री पद की शपथ लेने के पूर्व ही जीतनराम मांझी के बोल बिगडने लगे है। मांझी मीडिया पर बौखला गए और पत्रकारों के साथ मारपीट करने की बात करने लगे। दरअसल, नरेंद्र मोदी सरकार में जीतनराम मांझी को कपड़ा मंत्रालय की अहम जिम्मेवारी दिए जाने की बात सामने आ रही है। हालांकि यह भी कहा जा रहा है कि जीतनराम मांझी यह मंत्रालय मिलने से खुश नहीं हैं और किसी

बड़े मंत्रालय चाह रखते हैं। जीतनराम मांझी की नाराजगी उस वक्त सामने आ गई जब दिल्ली में मीडिया ने उनसे मोदी कैबिनेट में मंत्री पद मिलने से जुड़ा सवाल पूछ लिया। नरेंद्र मोदी की सरकार में मंत्री बनने वाले सांसदों को अमित शाह के आवास पर चाय के लिए बुलाया गया है। मनचाहा मंत्रालय नहीं मिलने से नाराज मांझी जब अमित शाह के आवास पर जा रहे थे, तभी वहां मौजूद कुछ मीडिया कर्मियों ने उन्हें घेर लिया और पूछने लगे कि उन्हें कौन सा मंत्रालय मिल रहा है। मीडिया के सवाल सुनकर मांझी भड़क गए और उन्हें वहां से हटने को कहा। लेकिन जब मीडियाकर्मी नहीं हटे तो मांझी ने कहा कि अब इन लोगों को मारा-पीटा जाएगा तभी अच्छा रहेगा। मांझी की यह बात सुनकर वहां मौजूद सभी लोग हैरान रह गए। उनका कहना था कि मंत्री की कुर्सी मिलने से पहले ही मांझी बौखलाहट में आ गए हैं। बता दें कि एनडीए में शामिल जीतनराम मांझी की पार्टी हम को गया की सिर्फ एक सीट मिली है। गया सीट से जीतकर जीतनराम मांझी पहली बार सांसद बने हैं और महज एक सांसद के बल पर उन्हें केंद्रीय कैबिनेट में मंत्री पद मिलने जा रहा है। लेकिन मंत्री बनने से पहले ही मांझी के तेवर बदल गए हैं।

वहीं दूसरी ओर इस बात के कयास लगाये जा रहे है कि पूर्व मुख्यमंत्री केंद्र में सत्ता में आने के बाद जनता से रू-ब-रू होंगे या पांच सालों तक जनता के बीच से गायब हो जायेंगे। हालांकि जीतन राम मांझी को जनता से जुड़ा हुआ नेता माना जाता है। इसलिए वह गया से लगातार विधायक जीतते रहे है। जनता से उन्हें सांसद भी बना दिया है। हालांकि यह तो भविष्य के गर्भ में छुपा हुआ कि जीतन राम मांझी अपने क्षेत्र का विकास करते है। यह जनता से दूरी बना लेते है।

अपनी पार्टी के इकलौते सांसद, बने केंद्र में मंत्री

पहली बार सांसद और केंद्र में मंत्री भी। साथ ही अपनी पार्टी के इकलौते सांसद भी है। बिहार के दलित समाज से आने वाले हिंदुस्तानी आवाम मोर्चा के संरक्षक और गया लोकसभा सीट से नवनिर्वाचित सांसद जीतन राम मांझी का भी नाम है। 79 साल की उम्र में मांझी भी मोदी कैबिनेट मंत्री बने हैं। जीतन राम मांझी भले पहली बार केंद्र में मंत्री बने हैं लेकिन उनका राजनीतिक करियर काफी पुराना है। देश की आजादी के पहले 6 अक्टूबर 1944 में जन्म हुआ। जीतन राम मांझी दलित समुदाय से आते हैं। बिहार के गया जिले के मखदुमपुर प्रखंड के रहने वाले हैं। जीतन राम मांझी ने पढ़ाई-लिखाई पर विशेष ध्यान दी। 1967 में मगध यूनिवर्सिटी के गया कॉलेज से उन्होंने स्नातक तक पढ़ाई की। उनका एक सपना था दिल्ली के लोकसभा जाने का जो अब पूरा हो गया है। 2015 में मुख्यमंत्री के पद से हटने के बाद उन्हें जेडीयू से निष्कासित किया गया और उन्होंने अपनी पार्टी हिंदुस्तानी आवाम मोर्चा बना ली। 2019 में वह लालू प्रसाद यादव के साथ महागठबंधन में शामिल हुए और गया लोकसभा क्षेत्र से चुनाव लड़े। हालांकि लगभग डेढ़ लाख वोटों से हार गए थे। इस बार वह जीत गये।

खबरें फटाफट

दरभंगा घराने के राम कुमार का निधन

पटना। दरभंगा घराने के पद्मश्री पंडित रामकुमार मल्लिक (73) का निधन पैतृक ग्राम आमता में हृदय गति रुक जाने से हो गया। वे पंडित विदुर मल्लिक के पुत्र व शिष्य थे। पंडित जी देश-विदेश के प्रतिष्ठित मंचों पर अपनी गायकी का लोहा मनवाया था। कई सम्मानों से अलंकृत थे। वर्ष 2024 में इनको पद्मश्री अलंकरण से नवाजा गया। उनकी दो पुत्री रुबी, रिंकी, चार पुत्र संतोष, समित, साहित्य एवं संगीत मल्लिक है। पंडितजी ने अपने सभी पुत्रों और शिष्य को ध्रुपद गायकी के लिए तैयार किया। वे करीब पांच सौ वर्ष से निरंतर चली आ रही ध्रुपद परंपरा की 12 वीं पीढ़ी का प्रतिनिधित्व करते थे। ध्रुपद ने इनका प्रशिक्षण बचपन से ही अपने गुरु और पिता ध्रुपद सम्राट पं. विदुर मल्लिक के मार्गदर्शन में शुरू हुआ। दादा पंडित सुखदेव मल्लिक से भी संगीत सीखने का अवसर मिला। इनकी गायकी में गौहार वाणी, खंडार वाणी कस सुमधुर प्रयोग स्पष्ट से रूप से दिखाई देता था। इनके जाने से दरभंगा घराना ही नहीं बल्कि संगीत जगत को अपूरणीय क्षति हुई है।

कैदी की संदिग्ध मौत, परिजनों ने किया हंगामा

पटना। बड़ी पहाड़ी शराब कांड के एक आरोपी की बिहारशरीफ मंडल कारा में संदिग्ध परिस्थिति में रविवार को मौत हो गई। मृतक की पहचान बड़ी पहाड़ी मोहल्ला निवासी स्व. देव पासवान के 35 वर्षीय पुत्र जितेंद्र कुमार उर्फ बोकरा के रूप में हुई है जो पिछले 30 महीनों से जेल में बंद था।
जेल सूत्रों की माने तो मंडल कारा के बाथरूम में बंदी ने फांसी लगा लिया था। हालांकि जेल प्रशासन ने इस बात की पुष्टि नहीं की है। मंडल कारा में तैनात जवानों ने बताया कि जितेंद्र कुमार उर्फ बोकरा अचानक मंडल कारा में बेहोश होकर गिर गया था। जिसके बाद एम्बुलेंस से उसे सदर अस्पताल ले जाया गया। जहां जांच के बाद चिकित्सक ने मृत घोषित कर दिया। बंदी की मौत किस कारण से हुई यह अब तक स्पष्ट नहीं हो पाया है। फिलहाल पोस्टमार्टम रिपोर्ट के आने का इंतजार किया जा रहा जिससे घटना के सही कारणों का पता चल पाएगा। शव को को पोस्टमार्टम के लिए पीएमसीएच भेजा गया है।

मृतक की पहचान आरा जिला के सरैया थाना क्षेत्र निवासी दीपक कुमार के रूप में हुई

दुस्साहस : औरंगाबाद में बालू लदे ट्रैक्टर ने सिपाही को कुचला, मौके पर हुई मौत

- दाउदनगर पटना एनएच 139 स्थित शमशेर नगर से खैरा रोड में ट्रैक्टर पकड़ने के दौरान हुई घटना

केटी न्यूज/पटना

बिहार में बालू माफिया का हौसला काफी बुलंद है। आलम यह है कि बालू माफिया पुलिस टीम पर हमला बोला जा रहा है। दाउदनगर पटना एनएच 139 स्थित शमशेर नगर से खैरा रोड में ट्रैक्टर को पकड़ने का प्रयास कर रहे सिपाही को चालक ने कुचलकर मार डाला। मृतक की पहचान आरा जिला के सरैया थाना के कुदरिया निवासी दीपक कुमार के रूप में की गई है। मृतक की उम्र लगभग 26 वर्ष बताई जाती है। घटना रविवार की सुबह 4 बजे की है। जानकारी के अनुसार, औरंगाबाद में दिल दहलाने वाली घटना सामने आई है। दाउदनगर पटना एनएच 139 स्थित शमशेर नगर से खैरा रोड में ट्रैक्टर को पकड़ने का प्रयास कर रहे बिहार पुलिस के सिपाही को ट्रैक्टर चालक ने कुचलकर मार डाला। मृतक की पहचान आरा जिला के सरैया थाना के कुदरिया निवासी दीपक कुमार के रूप में की गई

है। बताया जा रहा है कि मृत सिपाही दीपक कुमार सिंह भोजपुर जिले के सिन्हा (बड़हरा) थाना के कुदरियां गांव निवासी विनय सिंह के पुत्र थे। अभी शादी नहीं हुई थी। हालांकि,रिश्ते को लेकर बात चल रही थी। पिता पेशे से किसान हैं। घर के इकलौते चिराग थे। सुबह पहर वारदात की सूचना मिलने के बाद स्वजन समेत सगे- संबंधी औरंगाबाद के लिए रवाना हो गए हैं। घर पर शोक संतप्त परिवार को ढांढस बंधाने के लिए सगे संबंधियों का तांता लग गया है। वहीं एसपी ने घटना स्थल पर पहुंचकर मामले की जांच शुरू कर दी है। पुलिस का दावा है कि जल्द ही हत्यारे को गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

बुजुर्ग दंपति की कुल्हाड़ी से काटकर बेरहमी से हत्या

पटना। बेखौफ अपराधियों ने कुल्हाड़ी से वार कर पति-पत्नी को मौत के घाट उतार दिया। पति-पत्नी कमरे में सो रहे थे। घटना बेलहर थाना क्षेत्र के सूर्यकना बेलडीहा गांव की है। मृतक पति-पत्नी की पहचान सूर्यकना बेलडीहा गांव निवासी ब्रह्मदेव सिंह और उनकी पत्नी सुबहला देवी के तौर पर हुई है। दोनों पति-पत्नी घर में अकेले रहते थे। शनिवार की रात खाना खाने के बाद दोनों आंगन में चौकी पर सो रहे थे। इसी दौरान बदमाश घर में घुसे और कुल्हाड़ी से काटकर दोनों को हमेशा हमेशा के लिए मौत की नींद सुला दी। रविवार की सुबह जब काफी देर तक घर का दरवाजा नहीं खुला तो परिजनों को अनहोनी की आशंका सताने लगी। जब पड़ोसी ब्रह्मदेव सिंह के घर पहुंचे तो घर का दरवाजा बंद पाया। इसके बाद ग्रामीणों ने पुलिस को घटना की जानकारी दी। पुलिस मौके पर पहुंचकर मामले की छानबीन में जुट गई है।

दानापुर इंटरसिटी के इंजन में लटका हुआ मिला शव

पटना। बिहार के भागलपुर से एक सनसनीखेज खबर सामने आ रही है। जहांसाहिबगंज-दानापुर इंटरसिटी के इंजन में लटकता हुआ मिला। जीआरपी और आरपीएफ ने शव को इंजन के हुक से निकालकर उसे पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। मृतक की उम्र 60 से 65 वर्ष के बीच बताई जा रही है। मिली जानकारी के अनुसार, मृतक के बाएं हाथ में क्रैप बैंडेज लगा हुआ है। पहनावे से वह किसी संभ्रांत परिवार के लग रहे थे। वह कहां से आ रहे थे और कहां जा रहे थे, इसके बारे में किसी को कोई जानकारी नहीं है। रेलवे सूत्रों की मानें तो भीखनपुर गुमटी नंबर 12 के पास ट्रैक पार करने के दौरान वृद्ध के ट्रेन की चपेट में आने की संभावना जताई जा रही है। हादसे में उनका एक पैर भी कट गया है। यही नहीं, ट्रेन के इंजन के हुक में उनके कुर्ते का कालर भी फंसा हुआ था। जिसके कारण शव लटकता हुआ स्टेशन तक पहुंच गया। प्लेटफार्म संख्या छह पर ट्रेन के रुकते ही वहां अफरातफरी मच गई। जीआरपी ने मृतक की जेब की तलाशी ली लेकिन उससे कुछ बरामद नहीं हुआ।

पूर्णिया में आम आदमी का आयेगा रामराज

चार माह में पूर्णिया में नहीं बदली व्यवस्था, तो दूंगा इस्तीफा : पप्पू यादव

केटी न्यूज/ पटना

पूर्णिया के निर्दलीय सांसद पप्पू यादव ने बड़ा एलान कर दिया है। उन्होंने कहा है कि अगर तीन महीने में पूर्णिया में आम आदमी का रामराज नहीं आया, तो चौथे महीने पद से इस्तीफा दे दूंगा। इस दौरान उन्होंने एनडीए की सरकार के भविष्य को लेकर बड़ी भविष्यवाणी भी की है। पप्पू यादव ने नरेंद्र मोदी के तीसरी बार प्रधानमंत्री बनने पर उन्हें बधाई दी है। उन्होंने कहा कि आप सभी के पीएम हैं, मेरे भी प्रधानमंत्री हैं, ऐसे में विपक्ष को मत भूनिएगा। उन्होंने पीएम मोदी से अपील की कि पूर्णिया क्षेत्र का काम करा दीजिएगा। उन्होंने कहा कि कोसी सीमांचल को बदलना उनकी प्राथमिकता है। पप्पू यादव ने दावा किया कि दो साल के भीतर पूर्णिया को नंबर वन बनाएंगे और पूर्णिया भ्रष्टाचार मुक्त करेंगे। उन्होंने कहा है कि देश की जनता ने नरेंद्र मोदी को अपना मेनडेट नहीं दिया है। नई सरकार साल भर से अधिक नहीं चलेगी क्योंकि नीतीश कुमार और नायडू बापू की विचारधारा के हैं। पप्पू यादव ने नरेंद्र मोदी से हाथ जोड़कर अपील की कि वह हिंदू-मुस्लिम की बात नहीं करें। अपेक्षा करता हूं कि एनडीए की सरकार में हिंदू मुसलमान पर राजनीति नहीं होगी। बल्कि भ्रष्टाचार मुक्त भारत व आम आदमी की तरक्की का प्रयास करेंगी। तरक्की से ही देश का भला हो सकता है। धर्म की राजनीति से देश पीछे होगा।

दारोगा के बेटे के मर्डर केस में पटना पुलिस का बड़ा एक्शन : लालू यादव के दो करीबी को दबोचा

केटी न्यूज/पटना

पटना के एजी कॉलोनी में बेखौफ अपराधियों ने एक दारोगा के बेटे की हत्या कर शव को फंदे से लटका दिया था। इस मामले में पुलिस ने बड़ा एक्शन लिया है। पुलिस ने दारोगा के बेटे की हत्या के मामले में आरजेडी सुप्रीमो लालू प्रसाद के करीबी रिश्तेदारों को गिरफ्तार कर लिया है। जिस फ्लैट में दारोगा के बेटे की हत्या हुई थी, वह फ्लैट लालू के करीबी रिश्तेदार का है। दरअसल, पटना में बिहार पुलिस के स्पेशल ब्रांच में तैनात भोजपुर निवासी श्याम रंजन सिंह के बेटे आर्यन राज का शव शनिवार को संदिग्ध अवस्था में बरामद हुआ था। एजी कॉलोनी स्थित एक फ्लैट से इस युवक का शव फंदे से लटका हुआ मिलने के बाद पूरे इलाके में सनसनी फैल गई थी। घटनास्थल से पुलिस ने शराब की बोतल और कंडोम बरामद किया था। ऐसी

आशंका जताई जा रही थी कि फ्लैट में युवक के साथ-साथ कुछ महिलाएं और अन्य लोग भी मौजूद थे। ऐसी आशंका है कि शराब पार्टी के दौरान हुए विवाद के बाद दारोगा के बेटे आर्यन राज की गला दबाकर हत्या कर दी गई और इस हत्या को आत्महत्या का रूप देने के लिए उसके शव को कमरे में फंदे से लटका दिया गया। चूंकि यह मामला एक पुलिसकर्मी के बेटे की हत्या का था, ऐसे में पुलिस ने इसे गंभीरता से लिया और त्वरित कार्रवाई करते हुए गोपालगंज के फुलवरिया में छापेमारी कर दो लड़कों को धर-दबोचा। पुलिस की गिरफ्त में आए दोनों आरोपी आरजेडी सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव के करीबी रिश्तेदार बताए जा रहे हैं। पटना की शास्त्री नगर थाना की पुलिस ने फुलवरिया से सुदीश यादव के बेटे आकाश और विकास को गिरफ्तार किया है। पटना एजी कॉलोनी स्थित दारोगा के बेटे की हत्याकांड मामले में दोनों की गिरफ्तारी हुई है। गिरफ्तार आरोपियों के फ्लैट में ही दारोगा के बेटे की हत्या हुई थी। गोपालगंज एसपी ने दोनों की गिरफ्तारी की पुष्टि कर दी है।

पिछले 24 घंटे में 18 जिलों का तापमान 41 डिग्री के पार, आम-जनजीवन बदहाल

44 डिग्री के पार तापमान, ऑरेंज अलर्ट जारी

केटी न्यूज/पटना

पटना समेत कई जिलों में गर्मी झुलसाने लगी है। राजस्थान से आने वाली गर्म पछुआ हवा के कारण तापमान काफी बढ़ गया है। बिहार के 21 जिलों में 40 डिग्री से अधिक तापमान दर्ज किया गया है। पटना में इस सीजन की सबसे अधिक गर्मी पड़ी। दिन का पारा 43 डिग्री पार चला गया। आज मौसम विभाग ने कई इलाकों के तापमान 44 डिग्री तक जाने के आसार जताए हैं। मौसम विभाग का मानना है कि भीषण उष्ण भरी गर्मी से और लू से फिलहाल लोगों को राहत मिलने की कोई संभावना नहीं है। मौसम विभाग ने इसके लिए लोगों से सतर्क रहने के लिए अलर्ट जारी किया है। बिहार के बांका, भागलपुर, जमुई, पूर्वी चंपारण एवं दक्षिणी भागों के एक दो स्थानों पर मौसम विभाग ने लू का ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। जबकि राज्य के उत्तरी भागों के एक दो स्थानों पर गर्म और आद्र दिन रहने की संभावना के साथ ही इसके लिए एलो अलर्ट जारी किया है। पिछले 24 घंटे के दौरान 18 जिलों के तापमान को 41 डिग्री से अधिक दर्ज किए गए। जिन जिलों में 41 डिग्री से अधिक तापमान दर्ज किए गए हैं। उन जिलों में पटना 43.0 ,गया 44. 02, छपरा 42.3, डेहरी

44.4, शेखपुरा 44.2, गोपालगंज 42.3, जमुई 42.4, बक्सर 45.3 मुंगेर 41.4, भोजपुर 44.3, वैशाली 44.5, औरंगाबाद 44.6, बांका 43.7, नवादा 43.2, राजगीर 43.5, जीरादेई 43.4, अरवल 44.5 और बिक्रमगंज 44.02 डिग्री सेल्सियस दर्ज किए गए।

44 डिग्री तक जा सकता है इन भागों का तापमान: पटना के मौसम विभाग के अनुसार जारी किए गए रिपोर्ट के अनुसार राज्य के सर्वाधिक अधिकतम तापमान बक्सर में 45.3 डिग्री सेल्सियस दर्ज किए गए। जबकि सबसे कम न्यूनतम तापमान मोतिहारी में 24.02 डिग्री दर्ज किए गए। इसके अलावा मौसम विभाग का यह मानना है कि आगामी 24 घंटे के दौरान राज्य के दक्षिण पश्चिम एवं दक्षिण मध्य भाग में अधिकतम तापमान 42 से 44 डिग्री के बीच रहने की संभावना है, जबकि न्यूनतम तापमान 28 से 30 डिग्री रहने की संभावना है। इसके साथ ही उत्तर पश्चिम, उत्तर मध्य एवं दक्षिण पूर्व में अधिकतम तापमान 40 से 42 डिग्री की रहने की संभावना है ,जबकि उत्तर पूर्वी भाग का तापमान 36 से 38 डिग्री के बीच रहने की संभावना व्यक्त की गई है। 24 घंटे के दौरान प्रदेश का मौसम शुष्क बना रहा। राज्य के कई जगह खास कर दक्षिण पश्चिम एवं दक्षिण मध्य भाग का अधिकतम तापमान 40 डिग्री सेल्सियस से ज्यादा रहा। राज्य के उत्तर पूर्वी भाग का अधिकतम तापमान का विस्तार 36 से 38 डिग्री सेल्सियस रहा। उत्तर पूर्वी भाग में अधिकतम आर्द्रता 70 से 80 प्रतिशत रहा। जिसके कारण इस क्षेत्र का मौसम उमस वाली बनी रही। मौसम विज्ञान केंद्र के अनुसार, राज्य के कई जगह का अधिकतम तापमान 72 घंटे में दो से चार डिग्री सेल्सियस बढ़ सकता है। उसके बाद तापमान सामान रहेगा। अगले 24 घंटे के दौरान राज्य के उत्तर पूर्वी भाग में मध्यम स्तर की हल्की वर्षा हो सकती है एवं शेष भाग में वर्षा की उम्मीद थोड़ी कम है।

पर्यावरण संरक्षण : टीम अविरल गंगा ने गंगा तट की सफाई के साथ किया पौधरोपण

♦ हर रविवार गंगा तटों की सफाई करते आ रहे हैं टीम अविरल गंगा के सदस्य

केटी न्यूज/बक्सर

आज पूरी दुनिया ग्लोबल वार्मिंग के चलते प्राकृतिक आपदाएं झेल रही है। कही सूखा, तो कही अत्यधिक गर्मी, जलवायु में परिवर्तन के साथ तापमान वृद्धि, मौसम अनुकूल हो रहे है। आज अंधाधुंध पेड़ काटे जा रहे है, जिसका नतीजा ग्लोबल वार्मिंग के संकट मंडरा रहे है। इससे बचने के लिए हर लोगों को कम से कम एक पौधे लगाए जाने चाहिए साथ ही इसको संरक्षित करें। ये ही हमारे जीवन को बचा सकते है। इसी को लेकर चौसा के टीम अविरल गंगा द्वारा एक संकल्प लिया गया है। जहां हर रविवार गंगा सफाई के साथ गंगा तट पर कम से कम एक पौधा लगाया जा रहा है। टीम अविरल गंगा ने इस रविवार भी अपने भूमिका को अंजाम दे लोगों को पर्यावरण संरक्षण के प्रति प्रेरित किया है।

इसी अभियान के तहत गंगा सफाई के तहत 25 वां सप्ताह के अंतर्गत गंगा सफाई की गई। जिसके तहत चौसा बाजार घाट पर गंगा तट तक पहुंचने वाले मार्ग की साफ-सफाई के साथ गंगा नदी के किनारे से कूड़े-कचरे को हटाया गया, साथ ही लोगों को जागरूक भी किया गया। वही, इस अभियान के तहत पौधरोपण भी किया गया। इस टीम के अध्यक्ष रवीश कुमार ने बताया कि वह गंगा सफाई के साथ एक पौधा लगाने का उनका अभियान है। रविश की माने तो पिछले 25 सप्ताह से उनका अभियान अनवरत जारी है। उनके अभियान से प्रेरणा ले कई लोग उनकी टीम से जुड़ रहे हैं। वही, अब आम लोगों को भी गंगा की सफाई तथा पर्यावरण संरक्षण के प्रति ललक जग रही है। उन्होंने इसे अपनी टीम की सफलता बताया और कहा कि गंगा की सफाई तथा पौधरोपण के साथ रचनात्मक तरीके से लोगों को इसका महत्व समझाया जा रहा है कि यह क्यों जरूरी है तथा इसका हमारे स्वास्थ्य और पर्यावरण पर कैसे साकारात्मक असर पड़ेगा। इससे प्रभावित हो लोग अब स्वतः जागरूक होने लगे है।

इस अभियान में तेजू खरवार, राजकुमार, जोगिंदर चौधरी, वार्ड पार्षद आनन्द रावत, वार्ड पार्षद चंदन चौधरी, प्रतिनिधि वार्ड पार्षद शैलेश कुशवाहा, उप मुख्य पार्षद प्रतिनिधि बिकास राज, संतोष चौधरी, राधेश्याम चौधरी, राकेश चौधरी, मेराज राइन, सुहैल राइन एवं अन्य लोग शामिल थे।

एक नजर

मछली पकड़ने नौका पर गया किशोर गंगा में डूबा, शव ढूंढने का प्रयास जारी

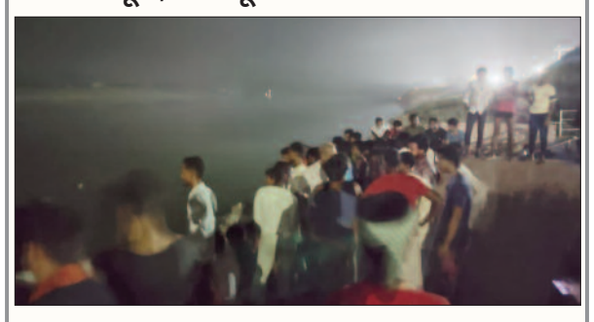

बक्सर। मुफस्सिल थाना के चौसा महादेवा घाट स्थित गंगा नदी में नाविकों के साथ मछली पकड़ने गया 16 वर्षीय किशोर अचानक से नदी के गहरे पानी मे नौका से गिर पड़ा। जिससे वह नदी में डूब गया। इसकी जानकारी थोड़े देर बाद मछुवारे को हुई तो वह अपने साथ अगल-बगल के नाविकों को बोला, नाविक व स्थानीय गोताखोरों द्वारा ढूंढने का प्रयास किया जा रहा है। घटना रविवार की शाम सात बजे की है। इसकी सूचना पुलिस को दी गई। वही, घटना की सूचना परिजनों को हुई तो घर मे कोहराम मच गया। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल हो गया है। इधर, घटना की सूचना पर महादेवा घाट पर ग्रामीणों की भीड़ लग गई। खबर लिखे जाने तक किशोर को ढूंढने का प्रयास जारी रहा। परिजनों ने बताया उक्त किशोर चौसा मल्लाह टोली निवासी बबन चौधरी का पुत्र अमित कुमार है। वह किसी मुहल्ले के युवक के साथ नौके पर मछली पकड़ने चला गया। वह महादेवा घाट के सामने जाल से मछली पकड़ रहे थे। जाल डालते समय वह असंतुलित हो गया। जहा वह नौके से अचानक गिर पड़ा। जिससे वह गंगा में डूब गया। वही इस घटना की सूचना स्थानीय वार्ड पार्षद प्रतिनिधि रिजवान खान द्वारा चौसा सीओ व मुफस्सिल पुलिस को दी गई। अमित तीन भाइयों में बड़ा था।

प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में बढ़ते ही जाएगा भारत का गौरव : भोला सिंह

बक्सर। भारतीय राजनीति के इतिहास में एक और नई उपलब्धि हासिल करने वाले दूसरे प्रधानमंत्री बने एनडीए संसदीय दल के नेता नरेंद्र मोदी लगातार तीसरी बार प्रधानमंत्री पद पर शपथ लेते ही बक्सर में भाजपा कार्यकर्ता झूम उठे। इस खुशी की लहर को भारतीय जनता पार्टी के कार्यकताओं ने बक्सर के वीर कुंवर सिंह चौक पर एकत्र हो कर भारतीय जनता पार्टी के जिला अध्यक्ष विजय कुमार सिंह उर्फ भोला सिंह के नेतृत्व में गाजे बाजे बजा कर तथा पटाखे फोड़कर और मिठाइयां बांटकर खुशी का इजहार किया। इस मौके पर भारतीय जनता पार्टी तथा एनडीए कार्यकताओं में खुशी की झलक देखी गई। कार्यक्रम में भारतीय जनता पार्टी के मंच मोर्चा के कार्यकताओं ने भी भाग लिया। मीडिया के प्रश्नों का जबाब देते हुए जिला अध्यक्ष विजय कुमार सिंह उर्फ भोला सिंह ने कहा कि देश की जनता ने प्रधानमंत्री पद के लिए सीधा कमल को वोट किया है और हमें उम्मीद है कि जिस तरह 10 वर्षों में मोदी ने देश और देशवासियों के लिए जो गौरव हासिल किया है वह लगातार बढ़ता ही जाएगा। जनता ने मोदीजी के बातों को समझा, बुझा और परखा है। उनके नीतियों पर विश्वास किया और भारतीय जनता पार्टी को जीताने का कार्य किया है। जिसका नतीजा है कि मोदी जी तीसरी बार प्रधानमंत्री बन रहें हैं। मौके पर रामकुमार सिंह पूर्व जिला अध्यक्ष, राजवंश सिंह लोकसभा संयोजक, संत कुमार सिंह, मनोज पाण्डेय, निर्भय राय, पूनम रविदास, सौरभ तिवारी, सुधा गुप्ता, संध्या पांडेय, अजय भट्ट, अखिलेश सिंह जिला अध्यक्ष लोजपा, सतीश त्रिपाठी,अजय वर्मा,दाढीवल सिंह,भरत प्रधान, विश्वामित्र सिंह, विकास राय, आशु राय, मोहित बाबा, उदय उज्जैन, प्रभाकर तिवारी, अश्विनी वर्मा, मुन्ना शर्मा, राम जी साह आदि सैकड़ों कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

खबरें फटाफट

15 ली. शराब के साथ तस्कर धराया

डुमरांव। नया भोजपुर ओपी पुलिस ने ओपी क्षेत्र के पुराना भोजपुर गांव में गुप्त सूचना पर छापेमारी कर एक शराब तस्कर को 15 लीटर देशी महुआ चुलाई शराब के साथ गिरफ्तार कर जेल भेजा है। तस्कर की पहचान पुराना भोजपुर के अजय चौधरी पिता राजन चौधरी के रूप में की गई है। इस संबंध में जानकारी देते हुए ओपी प्रभारी मनीष कुमार ने बताया कि एसपी के निर्देश पर शराब तस्करी के खिलाफ अभियान चलाया जा रहा है। इसी अभियान के दौरान पुलिस को गुप्त सूचना मिली कि एक युवक पुराना भोजपुर में शराब की तस्करी कर रहा है तथा वह शराब की खेप के को खपाने की फिराक में लगा है। इस सूचना पर तत्काल एक टीम गठित कर चिन्हित जगह पर छापेमारी कार्रवाई गई। छापेमारी के दौरान पुलिस ने उसे एक गैलन में 15 लीटर देशी शराब के साथ गिरफ्तार कर लिया।

पांच वारंटियों को पुलिस ने पकड़ा

डुमरांव। नया भोजपुर ओपी थाना पुलिस ने सघन अभियान चलाकर फरार चल रहे पांच वारंटियों को धर पकड़ा है। इन वारंटियों के खिलाफ न्यायालय द्वारा वारंट निर्गत किया गया था। जिसके आलोक में पुलिस ने वारंटियों को पकड़ कर जेल भेजा हैं। पकड़े गये वारंटियों में नोनियाडेरा के रहने वाले दारा चौधरी और सुबरान चौधरी के अलावे पुराना भोजपुर के प्रदीप राम, शिव प्रसाद राम तथा भिमल राम शामिल है। ओपी प्रभारी मनीष कुमार ने बताया कि इन आरोपितों का नाम पुराने केसों में दर्ज है। वारंट निर्गत होने के बाद पुलिस ने पकड़ कर जेल भेज दिया।

ठगी के मामले में केरल पुलिस पहुंची

नावानगर। साइबर अपराध से जुड़े एक मामले में केरल पुलिस सोनवर्षा ओपी पहुंची। जहां स्थानीय पुलिस के सहयोग से ठगी करने वाले अभियुक्त के घर छापेमारी किया। छापेमारी में नामजद अभियुक्त फरार था। जिसके बाद केरल पुलिस बैरंग वापस लौटना गए। इस आशय की जानकारी देते हुए सोनवर्षा ओपीध्यक्ष निशा रानी ने बताया कि एक करोड़ आठ लाख के साइबर अपराध मामले में सोनवर्षा के एक युवक पर केरल में सोनू कुमार पर नामजद प्राथमिकी दर्ज है। इसी मामले के आलोक में केरल पुलिस के टीम के साथ छापेमारी की गई। लेकिन छापेमारी में अभियुक्त घर पर मौजूद नहीं था।

मौसम की मार : 45 डिग्री के पार पहुंचा पारा, लू के थपेड़ों से बेजार हो रहे हैं लोग

रात में भी चल रहा हीट वेव, बीमारियों की चपेट में आने की बढ़ गई है संभावना

♦ सुबह के आठ बजे के बाद घर से निकलना हुआ मुश्किल

केटी न्यूज/डुमरांव

सूरज अब आग उगलने लगा है। पछिया हवा के कारण रविवार को तापमान 45 डिग्री के पार चला गया है। बदन को झुलसा देने वाली धूप से जन जीवन अस्त व्यस्त होने लगा है। धूप इस कदर तल्ख हो रही है कि सुबह के आठ बजे के बाद घर से निकलना मुश्किल हो रहा है। लगतार पारा के बढ़ने तथा रात में भी हीट वेव के कारण लोगों की मुश्किलें बढ़ने लगी है। वैसे भी इस बार अप्रैल महीने से ही भीषण गर्मी पड़ रही है। प्री मॉनसून में बारिश नहीं होने तथा अधिकतर समय लू चलने से लोग बीमारियों की चपेट में आ रहे है। मौसम की मार से अस्पतालों में हिट वेव के शिकार मरीजों की तादात तेजी से बढ़ी है। जून के शुरूआत में लू जारी रहने से लोगों की मुश्किलें बढ़ते जा रही है।

मौसम के तेवर कड़े होने से बाजार में भी इसका असर दिखाई पड़ रहा है। खासकर दोपहर में बाजार एकदम सूना पड़ जा रहा है। जरूरी कामों के लिए जो लोग घर से बाहर निकल भी रहे है तो वे सर से पांव तक शरीर को पूरी तरह से ढंक निकलने को मजबूर हो रहे है। मौसम की बिगड़े तेवर को देख किसानों की चिंता भी बढ़ने लगी है। कई किसान तो रोहिणी नक्षत्र में ही धान का बिचड़ा डाल चुके है। लेकिन अब तेज धूप के कारण खेतों की नमी तेजी से भाग रही है। जिस कारण किसानों का चिंतित होना लाजिमी बन गया है।

दोपहर में सूनी हो जा रही सड़के, व्यवसायी मायूश : मौसम के इस तल्ख तेवर का व्यवसायियों पर गहरा असर पड़ा है। खासकर सुबह के नौ बजे से शाम पांच बजे तक बाजार की सड़के सुना रह रही है। जिस कारण पूरे दिन दुकानदार अपनी दुकानों पर बैठ धूप व लू के थपेड़ो को सहने को विवश हो रहे है। हालांकि, शाम में कुछ देर के लिए बाजार गुलजार जरूर हो रहा है। लेकिन पूरे दिन दुकानदारों की मायूशी में ही बीत रही है।

शीतल पेय, जूस व लस्सी की बढ़ी डिमांड : तल्ख धूप तथा लू के कारण लोगों का गला हर थोड़ी देर बाद सूख जा रहा है। जिसे तर करने के लिए शीतल पेय पदार्थों, सत्तू, लस्सी, गन्ना तथा फलों की जूस की मांग बाजार में बढ़ गई है। लोग गर्मी से निजात पाने के लिए कई तरह के हथकंडे अपना रहे है। लेकिन, उससे राहत नहीं मिल पा रही है।

रात में भी चल रहा है हीट वेव : दिन में जहां लू चल रही है वही रात में भी हिट वेव का असर देखा जा रहा है। जिस कारण लोग पूरी रात चैन से सोन नहीं पा रहे है। रात में भी हिट वेव के असर से लोग अधिक बीमार पड़ रहे है। खासकर बच्चें, बूढ़े व मरीज जरा सी लापरवाही पर हिट वेव के शिकार हो जा रहे है।

ताजा व लिक्विड पदार्थों का करें सेवन : मौसम की मार तथा हिट वेव से बचने के लिए डॉक्टरों ने लोगों को ताजा व सादा भोजन करने। भोजन में लस्सी, छाछ, सत्तू, जूस आदि लिक्विड पदार्थों को शामिल करने की सलाह दे रहे है। शहर के प्रसिद्ध चिकित्सक डॉ. विनिश कुमार ने कहा कि ऐसे भीषण गर्मी से शरीर में पानी की कमी हो जाती है। जिस कारण लोग डिहाइड्रेशन का शिकार हो जाते है। उन्होंन इससे बचाव के लिए अधिक से अधिक पानी पीने तथा लिक्विड पदार्थों को भोजन में शामिल करने की बात कही है। उन्होंने कहा कि जरूरत पड़ने पर ओआरएस या ग्लूकोज का सेवन भी शरीर को हीट वेव से बचाने तथा शरीर में पानी की मात्रा को बनाए रखने में कारगर होता है।

अनुमंडल में सूखने लगे ताल तलैया, जानवर भी परेशान

डुमरांव। पिछले दो महीने से जारी भीषण गर्मी, लू व तापमान के बढ़ने से इलाके के ताल तलैये सूख गए है। जिस कारण आदमी के साथ ही पालतू व जंगली दोनों तरह के पशुओं के लिए प्यास बुझाना मुश्किल हो गया हैं। ग्रामीण इलाकों में पानी की तलाश में नीलगाय व हिरण जैसे जंगली जानवर भी आबादी की तरफ पहुंच जा रहे है। जिससे ग्रामीण इलाके में लगाई गई सब्जी की फसलों को नुकसान पहुंच रहा है। कोरानसराय के किसान दिनेश यादव, चक्की के मनोज यादव, नियाजीपुर के मदन पाठक आदि का कहना है कि नीलगाय व हिरण पानी की तलाश में गांव के करीब आ जा रहे है।

कड़सर शिवालय के तालाब ने डूबने से युवक की मौत, परिजनों में मचा चित्कार

केटी न्यूज/नावानगर

सोनवर्षा ओपी के कड़सर गांव स्थित शिवालय के तालाब में डूबने से एक युवक की मौत हो गई है। मृतक गांव के देवचंद गोसाई के 24 वर्षीय पुत्र दीपक कुमार बताया जाता है। इधर ग्रामीणों द्वारा तालाब में शव की काफी खोजबीन किया, पर शव बरामद नहीं हो सका। बाद में पंचायत के मुखिया प्रतिनिधि अभय कुमार सिंह ने रोहतास जिला के कवई गांव से महाजाल के साथ गोताखोर को बुलाया। तब जाकर गोताखोर द्वारा घंटों प्रयास के बाद शव को तालाब से बाहर निकाला गया। घटना रविवार की सुबह 9 बजे की है।

सूचना पर पहुंची सोनवर्षा ओपी पुलिस ने कागजी करवाई के बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल बक्सर भेज दिया है। बताया जाता है कि मृतक दीपक कुमार रोज की तरह सुबह 9 बजे अपने चार वर्षीय पुत्र सूरज कुमार के साथ उक्त तालाब में नहाने गया था। बेटे को नहलाने के बाद उसे तालाब के तट पर एक वृक्ष के नीचे खड़ा कर स्वयं वह तालाब में स्नान करने लगा। उसी दौरान गहरे पानी में डुबकी लगाने के बाद वह बाहर नहीं निकल पाया। तालाब के बाहर खड़ा उसके पुत्र काफी देर तक इंतजार करता रहा। पर पिता को बाहर आते नहीं देख वह कपड़े लेकर रोते हुए घर पहुंच इसकी जानकारी परिजनों को दी। जिसके बाद मृतक के परिजनों रोते बिलखते हुए तालाब की ओर दौड़ पड़े। साथ ही तालाब के पास ग्रामीणों की भीड़ जुट गई। ग्रामीणों ने शव को खोजने के लिए घंटो प्रयास किया, पर शव बरामद नहीं हुआ।

पंचायत प्रतिनिधि के द्वारा बुलाए गए गोताखोरों ने तालाब के सतह पर मिट्टी में धंसे शव को बाहर निकाला गया। ग्रामीणों के अनुसार मृतक रोज तालाब में नहाने के बाद शिव को जल अर्पण किया करता था। तालाब से शव बरामद होने के बाद परिजों के चित्कार से माहौल गमगीन हो गया।

अज्ञात युवक के शव को पुलिस ने दफनाया

डुमरांव। तीन दिन पहले कोरानसराय थाना क्षेत्र के बनकट गांव के बधार में मिले अज्ञात युवक के शव की शिनाख्त नहीं हो पाई है। इधर शिनाख्त नहीं होने से पोस्टमॉर्टम के 72 घंटे तक शव को सुरक्षित रखने के बाद पुलिस ने नियमों के मुताबिक उसे दफना दिया। हालांकि, पुलिस द्वारा उसकी तस्वीर को सुरक्षित रखा गया है, ताकी बाद में यदि कोई उसे खोजते आए तो तस्वीरों के आधार पर उसकी पहचान कर सकें। थानाध्यक्ष अभय कुमार सिंह ने इस संबंध में जानकारी देते हुए बताया कि तीन दिन पहले उसका शव बनकट गांव के पास भोजपुर राजवाहा से पश्चिम बधार में मिला था। उसकी उम्र करीब 35-40 वर्ष है। उसकी तस्वीर को विभिन्न साइबर सेनानी ग्रुपों तथा सोसल साइट पर पहचान के लिए अपलोड किया गया था। लेकिन, निर्धारित समय तक शिनाख्त नहीं होने के बाद उसे दफना दिया गया है। वही, युवक की शिनाख्त नहीं होने से कई सवाल खड़े हो रहे है। कई लोग उसकी मौत को साजिश मान रहे है।

बिना अपेक्षा समाज की सेवा उत्तम कार्यः डॉ रमेश

केटी न्यूज/बक्सर

क्रीड़ा भारती, दक्षिण बिहार प्रांत की कार्यकारिणी बैठक रविवार को सावरकर विद्या मंदिर में संपन्न हुआ। अखिल भारतीय नियामक मंडल द्वारा 24 मई 2024 को प्रांत की नई कार्यकारिणी गठन के पश्चात यह पहली प्रांतीय बैठक थी। दो सत्रों में विभाजित इस बैठक में प्रांत कार्यकारिणी के सभी दायित्वान अधिकारी एवं सदस्य गण तथा सभी विभाग संयोजक सहित पटना महानगर कार्यकारिणी के सदस्य उपस्थित थे।

बिहार प्रदेश अध्यक्ष राजेश्वर राज, नव निर्वाचित दक्षिण बिहार प्रांत अध्यक्ष रवि रंजन एवं दक्षिण बिहार प्रांत के प्रांत मंत्री सह स्मृति कॉलेज एवं ऐप्टेक बक्सर के निदेशक डॉ रमेश कुमार द्वारा दीप प्रज्वलन एवं मां भारती तथा हनुमान जी के तैल्य चित्रों पर पुष्पार्चन कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। प्रथम सत्र में संगठन का विकास तथा उद्देश्य विषय पर विषय प्रवेश कराते हुए प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि क्रीड़ा भारती एक राष्ट्रीय खेल संगठन है। जिसका ध्येय खेल से चरित्र निर्माण एवं चरित्र से राष्ट्र निर्माण करना है। संगठन के विकास के लिए सदस्य एवं कार्यकर्ता की संख्या बढ़ाना होगा। स्वस्थ भारत, समृद्ध भारत को साकार करने के लिए हर उम्र की महिला, पुरुष, बच्चों को खेल मैदान से जोड़ना होगा। वहीं मंच का संचालन कर रहे दक्षिण बिहार प्रांत के नवनियुक्त प्रांत मंत्री डॉ रमेश कुमार ने कहा कि बिना किसी अपेक्षा का समाज सेवा उत्तम कार्य है। कार्य उत्तम हो, इसकी उत्कृष्टता बनाने के लिए खुद उत्कृष्ट होना पड़ेगा। जबकि द्वितीय सत्र में नालंदा विभाग संयोजक आनंद एवं पटना विभाग संयोजक विवेकानंद ने कहा कि उन्होंने कहा कि 25 जून से सत्रह जिलों में प्रांत के अधिकारी प्रवास कार्यक्रम प्रारंभ करेंगे। बैठक में अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस 21 जून को प्रांत एवं जिला स्तर पर योग दिवस मनाने पर बल दिया गया। 14 एवं 15 सितंबर को बख्तियारपुर या जमुई में प्रांत कार्यकर्ता अभ्यास वर्ग तथा 21 एवं 22 दिसंबर को बक्सर में प्रांत सम्मेलन कराने का निर्णय लिया गया। 8 दिसंबर को क्रीड़ा भारती द्वारा आयोजित होने वाले क्रीड़ा ज्ञान परीक्षा के प्रांत संयोजक के रूप में कार्य आनंद का चयन किया गया। उपस्थित गणमान्य को अंगवस्त्र से सम्मानित किया गया।

अच्छी पहल : राजपुर प्रखंड में पौधरोपण कराने को लेकर तैयार की जा रही है रणनीति, बढ़ेगा हरियाली का दायरा

मनरेगा से लगेंगे 40 हजार पौधे, जल-जीवन हरियाली को मिलेगी गति

केटी न्यूज/राजपुर

राजपुर प्रखंड के सभी 19 पंचायतों में मनरेगा से इस बार 40 हजार पौधे लगाए जायेंगे। जिससे सरकार की महत्वकांक्षी योजना जल जीवन हरियाली को गति मिलेगी। इसकी जानकारी मनरेगा के प्रखंड कार्यक्रम पदाधिकारी सज्जाद जहीर ने दी।

उन्होंने बताया कि इस बार मनरेगा योजना से एक पंचायत में दो हजार से अधिक पौधे लगाए जाएंगे। पौधरोपण सरकारी एवं निजी दोनों जमीन पर लगेंगे। पंचायतों में कार्यरत मनरेगा योजना के कर्मियों के तरफ से इच्छुक किसानों का नाम चिन्हित किया जा रहा है, साथ ही सरकारी जमीन की भी तलाश की जा रही है। उन्होंने बताया कि वर्षो से परती पड़े सरकारी जमीन पर विभिन्न प्रकार के पौधे लगाए जायेंगे। इन पौधों में छायादार एवं फलदार पौधे होंगे। पिछले कई वर्षों से जिस गांव में पौधरोपण किया गया है। वह बड़े होकर पेड़ की तरह दिखाई देने लगे हैं। यह पहल सार्थक दिख रहा है। विगत वर्षों में भी क्षेत्र के अनेकों जगहों पर पौधरोपण की गई थी। जो अब पेड़ बन लोगों को छाया दे रही है। मनरेगा योजना से लगाये पौधे लोगों को संदेश भी दे रहे हैं। एक बार फिर इस योजना मद से पौधरोपण कर लोगों में एक साकारात्मक सोच के संदेश के साथ जागरूकता लाना है। आने वाले दिनों में ये पेड़ फलों के साथ छाया भी देंगे। इस योजना मद से किसानों को पौधरोपण के साथ रोजगार भी मिलेगा। इसके लिए सरकारी जमीन पर एक यूनिट यानी दो सौ पौधरोपण लगाने पर इसकी सुरक्षा के लिए गैबियन, चापाकल एवं दो व्यक्ति रखवाली के लिए रखे जायेंगे। जिन्हें पांच वर्षों तक देखरेख करना होगा। निजी जमीन पर एक यूनिट पौधरोपण पर रखवाली के लिए चापाकल एवं एक व्यक्ति को पांच वर्षों के लिए रोजगार मिलेगा। ऐसे में यह योजना किसानों के लिए काफी फायदेमंद है। बता दें कि आज ग्लोबल वार्मिंग के चलते पूरी दुनिया प्राकृतिक आपदा झेल रही है। कही सूखा तो कही अत्यधिक गर्मी, जलवायु में परिवर्तन के साथ तापमान में वृद्धि जैसी आपदा होती जा रही है। हालांकि, इसको लेकर कुछ सामाजिक कार्यकर्ता पौधरोपण करने के साथ हर कार्यक्रम में पौधे भेंट कर इसे बचाने का संदेश दे रहे है।

प्रति पंचायत 2.5 हजार पौधरोपण का लक्ष्य

इस बार प्रति पंचायत लगभग ढाई हजार पौधरोपण लगाने का लक्ष्य रखा गया है। इसकी कार्य योजना बना ली गई है। सरकारी व निजी जमीन का चयन किया जा रहा है। बारिस शुरू होते ही पौधरोपण योजना शुरू कर दिया जाएगा। – **मो. सज्जाद जहीर, प्रखंड कार्यक्रम पदाधिकारी राजपुर**

आज से गुलजार रहेंगे स्कूल कैंपस

केटी न्यूज/डुमरांव

सोमवार से स्कूल गुलजार हो जाएंगे। गर्मी की छुट्टी के लिए बंद स्कूलों को ताला खुल जाएगा। स्कूल का समय सुबह 6.30 से 11.30 रखा गया है। पहले सरकारी आदेश था कि छुट्टी के बाद एमडीएम बच्चे खाएंगे। इसको लेकर शिक्षा विभाग की काफी किरकिरी हो रही। अभिभावकों से लेकर शिक्षविदों का कहना था कि इस तपती दोपहरी में छुट्टी के बाद जब बच्चों को एमडीएम खिलाया जाएग तब वे घर कब पहुंचेंगे। इस तपती और लू में उन्हें घर जाने में काफी परेशानी होगी। अभिभावक भी बच्चों को लेकर चिंतित रहेंगे। इसका विरोध को देखते हुए विभाग ने इसमें परिवर्तन कर दिया है। बच्चों की परेशानियों को देखते हुए विभाग ने इसमें परिवर्तन करते हुए सुबह 9 बजकर 5 मिनट से 9.45 तक मध्याह्न भोजन का समय रखा है। मध्याह्न भोजन का समय परिवर्तन होने से बच्चे उनके अभिभावक और स्कूल के शिक्षकों में हर्ष व्याप्त है।

पीएचसी के समक्ष खुले में जलाया जा रहा बायो वेस्ट, पर्यावरण को पहुंच रहा नुकसान

उदासीनता : सरकारी अस्पताल के साथ निजी नर्सिंग होम भी खुले में फेंक रहे सर्जिकल वेस्ट

बादल कुमार/केसठ

स्थानीय पीएचसी में खुले में बायो व सर्जिकल वेस्ट जलाए जाने से निकलने वाला धुआं प्रखंड मुख्यालय की फिजां में जहर घोल रहा है। जबकि स्वास्थ्य विभाग से लगायत स्थानीय प्रशासन बेफिक्र बना हुआ है। बायो व सर्जिकल वेस्ट के खुले में जलाए जाने से कई खतरनाक गैसों का निर्माण होता है, जो स्वास्थ्य के लिए काफी नुकसानदेह है। यह जानते हुए भी स्वास्थ्य विभाग इस पर रोक नहीं लगा जा रहा है। जिससे स्थानीय ग्रामीणों में आक्रोश बढ़ता जा रहा है।

बता दें कि सरकार वातावरण को प्रदूषण मुक्त करने के लिए नई नई योजना बनाती है। लेकिन ये सारी योजनाएं विफल नजर आ रही है। सर्जिकल कचरा के निस्तारण के लिए पीएचसी में पीट निर्माण नहीं कराया गया है। जिस कारण अस्पताल से निकलने वाला सूखा तथा गीला दोनों तरह का सर्जिकल कचरा अस्पताल के पीछे या बगल में या तो खुले में यूं ही फेंका जाता है या फिर उसे खुल में ही जला दिया जाता है। दोनों ही स्थितियां मानव के साथ ही आवारा पशुओं तथा पर्यावरण के लिए नुकसानदेह है। बावजूद, यह सिलसिला कई वर्षों से जारी है।

मेडिकल वेस्ट जलाना वातावरण के साथ जीव जंतुओं के लिए नुकसानदायक

बायो मेडिकल वेस्ट को अगर खुले में जलाया जाए तो ये वातावरण के साथ साथ पशु, पक्षी और मनुष्यों सभी के लिए नुकसानदायक है। अगर बायोमेडिकल कचरे को 1150 डिग्री सेल्सियस के निर्धारित तापमान पर भस्म नहीं किया जाता है तो यह लगातार डायोक्सिन और फ्यूरान्स जैसे आर्गेनिक प्रदूषक पैदा करता हैए जिनसे कैंसर, प्रजनन और विकास संबंधी परेशानियां पैदा होती हैं। रोग प्रतिरोधक प्रणाली और प्रजनन क्षमता पर असर डालने के साथ शुक्राणु कम करते हैं। वही अगर अक्सर आवारा पशु कचरे में अपना खाना ढूंढते हैए वैसे में ये कचरे उनको नुकसान पहुंचा सकते है। जबकि कूड़ा कचरे चुनने वाले बच्चें भी इसके संपर्क में आ कई तरह की संक्रामक व गंभीर बीमारियों की चपेट में आ सकते है।

स्वास्थ्य विभाग ने कभी सुध नहीं ली : बायो वेस्ट जलाने या इधर-उधर फेंकने पर विभाग ने कभी सुध नहीं ली और ना ही प्रतिबंध लगाया गया। अस्पताल से निकलने वाले कचरे के निस्तारण के लिए स्वास्थ्य विभाग को हर पीएचसी में दो पीट के निर्माण के लिए मंजूरी दी गई थी। लेकिन केसठ पीएचसी का अपना भवन नहीं होने से यहां पिट नहीं बनया जा सका है। जिस कारण अस्पताल से निकलने वाला यूज किया रूई, सुई, मेटल तथा शीशे के पदार्थ तथा कुछ लिक्वीड दवाइयों को केसठ पीएचसी में ही खाली पड़ी जमीन पर सामान्य कूड़े की तरह जला दिया जाता है। बायो वेस्ट का समुचित निस्तारण नहीं होने का गंभीर परिणाम भुगतना पड़ सकता है। इसे जानते हुए भी अस्पताल प्रबंधन लापरवाह बना हुआ है। जिसका खामियाजा किसी दिन प्रखंड के लोगों को भुगतना पड़ सकता है।

बायो वेस्ट निस्तारण के नियम : बायो मेडिकल वेस्ट का सही ढंग से निस्तारण करने के लिए कानून है। केंद्र सरकार ने पर्यावरण संरक्षण के लिए नियम बनाए हैं। इसके अनुसारए अस्पतालों के कचरे को खुले में या सड़कों पर नहीं फेंकना चाहिए। ना ही इसको अन्य तरह के कचरे में मिलना चाहिए। कूड़ा निस्तारण के उपाय नहीं करने पर पांच वर्ष की सजा और एक लाख रुपये जुमार्ने का प्रावधान भी है।

निजी क्लिनिक भी नहीं मानते प्रावधान : प्रखंड क्षेत्र में दर्जन भर से अधिक निजी क्लीनिक और अस्पताल है। जिससे रोजाना बायो मेडिकल वेस्ट निकलता है। लेकिन उनके द्वारा भी उचित प्रबंधन व निष्पादन नहीं किया जाता है। बल्कि खुले में जला दिया जाता है या खेल मैदान में आम कचरे के साथ फेक बीमारी फैलाने काम किया जा रहा है। बायो मेडिकल बेस्ट स्वास्थ्य एवं पर्यावरण के लिए अत्यंत खतरनाक है। इससे न केवल बीमारियां फैलती है बल्कि जलए थल एवं वायु सभी दूषित होते हैं। ऐसे में प्रखंड क्षेत्र में दर्जनों से अधिक निजी अस्पतालों से बड़ी मात्रा में बायोमेडिकल बेस्ट निकलता हैए जिससे वायरस संक्रमण एचआईवी हेपेटाइटिस जैसी बीमारियां होने का डर रहता है।

क्या कहते लोग और जिम्मेवार...

“ सरकार को इस पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए, भविष्य में ये बहुत बड़ा समस्या बन जायेगा। सर्जिकल कचरा को खुले में जलाने से कई गंभीर बीमारियां हो सकती है। सबसे ज्यादा परेशानी बच्चों को होती है।

– रामबाबू कुमार, ग्रामीण

“ अक्सर नहरों के किनारे आम कचरा में बायो मेडिकल बेस्ट को जलाया जाता है। जिससे निकलने वाली तीखी धुएं से आंख में आंसू व जलन होने लगता है, जिससे आंख में संक्रमण होने का डर बना रहता है।

– पंकज कुमार, ग्रामीण

“ विभाग द्वारा कोई पीट का निर्माण नहीं कराया गया है। बल्कि कचरा लेने के लिए आईसीएमएस पटना की टीम आती है। वही जो कचरा जलाने लायक होता हैए उसे ही जलाया जाता है। अभी अस्पताल एक सरकारी स्कूल में संचालित हो रहा है विभाग द्वारा जल्द ही सीएचसी बना देने के बाद पीट में ही कचरा जलाया जायेगा। अभी दूसरे भवन में होने के कारण जैसे तैसे अस्पताल चल रहा है।

– डॉ. विनय कुमार सिंह, पीएचसी प्रभारी, केसठ

एक नजर

प्राथमिक शिक्षक संघ की नई कार्यसमिति गठित, वेदपाल सिंह बने जिलाध्यक्ष

बक्सर। प्राथमिक शिक्षक संघ जिला ईकाई के गठन के लिए रविवार को एमपी उच्च विद्यालय विश्वामित्र हाल में जिले के सभी राज्य एवं जिला प्रतिनिधियों की बैठक आयोजित की गई। इस दौरान सबसे पहले जिला अध्यक्ष वेदपाल सिंह द्वारा कार्यकारिणी को भंग किया गया। इसके पश्चात सर्वसम्मति से जिला कार्यकारिणी का चुनाव किया गया। सर्वसम्मति से जिलाध्यक्ष वेदपाल सिंह एवं प्रधान सचिव राम अवतार पाण्डेय को चुना गया। उसके बाद दोनों पदाधिकारियों ने सभी के सहमति से जिला कमेटी का चुनाव किया। इस मौके पर चुनाव प्रभारी के रूप में कैमूर के राज्य कार्यसमिति सदस्य रविशंकर उपाध्याय एवं चुनाव पर्यवेक्षक एमपी उच्च विद्यालय बक्सर के प्राचार्य डॉ विजय कुमार मिश्र मौजूद थे। जिला कमेटी मे वरीय उपाध्यक्ष अजय कुमार सिंह एवं डॉक्टर जितेन्द्र कुमार मिश्र, उपाध्यक्ष सन्तोष कुमार सिंह, गोपाल जी राय एवं सुदर्शन मिश्र, उप प्रधान सचिव धनंजय एवं कृष्ण बिहारी राय, सचिव राजेश सिंह, ओमप्रकाश पाण्डेय एवं मनोज मिश्र, कोषाध्यक्ष विजय शंकर ओझा, कार्यालय सचिव सौरभ कुमार अंकेक्षक सुरेन्द्र सिंह बने। इसके बाद सभी नवनिर्वाचित पदाधिकारियों एवं कमेटी के सदस्यों को फूल मालाओं से स्वागत किया गया। नवनिर्वाचित पदाधिकारी ने कहा कि संघ निरंतर शिक्षकों के हक के लिए लड़ता रहेगा।

गंगा दशहरा 16 जून को, तीन दुर्लभ संयोग से खास बना त्योहार, उमड़ेगी भीड़

बक्सर। गंगा दशहरा का पर्व 16 जून को मनाया जाएगा। यह पर्व ज्येष्ठ माह के शुक्ल पक्ष की दशमी तिथि को मनाया जाता है। विधि-विधान के साथ इस दिन मां गंगा की पूजा की जाती है। इस दौरान गंगा स्नान व दान आदि का विशेष महत्व होता है। पौराणिक मान्यताओं के अनुसार ज्येष्ठ माह के दशहरा को गंगा स्नान करने से व्यक्ति के 10 पाप नष्ट हो जाते हैं। जिनमें गो हत्या, ब्रह्म हत्या, सुरापान, मांस भक्षण, व्यभिचार, विश्वासघात, नशा सेवन, चोरी व हिंसा के अलावा इन सभी कर्मों का साथ देने जैसे पाप शामिल हैं। आचार्यों के अनुसार गंगा दशहरा के दिन जरूरतमंदों को दान करने से व्यक्ति के भाग्य में वृद्धि होती है। इस दिन धरा धाम पर गंगा का आविर्भाव हुआ था, सो गंगा दशहरा को भगवान शंकर की आराधना करना शुभ होता है। गंगा दशहरा पर स्नान के लिए यहां उतरायणी गंगा तटों पर काफी भीड़ होती है। उस दिन शहर के अलावा सुदूरवर्ती गंवई इलाके के स्नानार्थियों के अलावा बिहार व उतर प्रदेश के कई जिलों से श्रद्धालु स्नान के लिए पहुंचते हैं और गंगा में पावन डुबकी लगाकर पूजा-पाठ व दान-पुण्य करते हैं। आचार्य श्रीकृष्णानंद जी पौराणिक के मुताबिक ज्येष्ठ शुक्ल दशमी तिथि 16 जून को पूर्वाह्न 1 बजकर 02 मिनट से शुरू होकर अगले दिन 17 जून को पूर्वाह्न 2 बजकर 55 मिनट रहेगी। सो गंगा दशहरा 16 जून को मनाया जाएगा। उस दिन सर्वार्थ योग, अमृत सिद्धि योग व रवि योग जैसा तीन दुर्लभ योग बन रहा है। जिससे इस बार गंगा दशहरा विशेष फलदायी है।

डुमरांव अनुमंडल में तेजी से बढ़ रहा नर्सिंग उद्योग का धंधा, प्रशासन मौन

केटी न्यूज/डुमरांव

♦ गर्भपात का होता है खेल, चंद रूपयों की लालच में आशा पहुंचाती है मरीजों को निजी अस्पताल

शहर में नीम हकिम व फर्जी डिग्रीधारी डाक्टरों द्वारा मरीजों का जमकर शोषण किया जा रहा है। मौसम में बदलाव के साथ ही रोगों के प्रभाव में वृद्धि देख नीम हकिमों की चांदी कट रही है। डुमरांव अनुमंडल क्षेत्र में इस मामले पर न तो प्रशासनिक पदाधिकारी बोलने वाले है और न ही शहर के प्रबुद्ध वर्ग के लोगों की उंगली उन पर उठने वाली है। लिहाजा दूर दराज से आकर फर्जी डिग्रीधारी डॉक्टरों की दुकानदारी बड़े आराम से चलाते हुये कुबेर बन रहे है। ऐसे लोग न सिर्फ मरीजों का इलाज के नाम पर आर्थिक शोषण करते है बल्कि शारीरिक व मानसिक शोषण कर मालामाल होते है। पैसे के सिवा इन्हें न तो मरीजों के जीवन की परवाह होती है और न ही डाक्टरी पेशे के निर्धारित वसूलों की फिक्र होती है।

ऐसे डॉक्टर क्लीनिक व अस्पताल का बोर्ड लगा न सिर्फ कई साध्य व असाध्य रोगों का इलाज कर रहे है बल्कि जटिल शल्य चिकित्सा को भी अंजाम देते है। पूर्व में ऐसे ही एक मामले में डॉ. जनार्दन सिंह नामक फर्जी डिग्रीधारी डाक्टर के गलत सर्जरी करने से एक मरीज की मौत के बाद मृतक के परिजनों द्वारा डुमरांव थाना में एफआईआर दर्ज कराया गया था। उसी डाक्टर द्वारा इलाज क्रम में हुई एक महिला की मौत के बाद क्लीनिक पर जमकर उपद्रव व बवाल हुआ था। बावजूद न तो यह क्लीनिक बंद हुआ और न ही ऐसे लोगों के मंसूबे कम हुये।

सिर्फ शहरी क्षेत्र में फिलहाल में एक दर्जन के करीब फर्जी डिग्रीधारी डाक्टर है तथा इनकी वंशानुगत परंपरा चल रही है। वहीं नर्सिंग उद्योग बढ़ने के पीछे जानकारों की मानें तो आशा कर्मीयों का हाथ है। निजी अस्पतालों में ऑपरेशन से हुए बच्चे में पांच-छह हजार व नार्मल डिलेवरी में ढ़ाई से तीन हजार रूपए मिलता है। जिसके लालच में आशा मरीजों को झांसे में ले निजी अस्पतालों तक पहुंचाती है। पिछले साल कई संस्थाओं को सील भी किया गया था। लेकिन स्थिति ज्यों की त्यों बनी हुई है।

अनुसूचित जाति बस्ती में नावानगर पुलिस ने चलाया सर्च ऑपरेशन

केटी न्यूज/केसठ

नावानगर पुलिस ने केसठ के विभिन्न अनुसूचित जाति बस्ती में शराब के विरुद्ध सघन छापेमारी अभियान चलाया। लेकिन, पुलिस को देख सभी शराब कारोबारी अपने अपने घरों से फरार हो गए। इस दौरान पुलिस ने कई बस्तियों में सघन छापेमारी की।

छापेमारी के दौरान शराब बनाने वाले उपकरण जैसे केन, टीन आदि को तोड़ फोड़ कर नष्ट कर दिया गया। सघन छापेमारी को देख लोगो

में अफरा तफरी मची हुई थी। छापेमारी में लगभग 500 लीटर अर्धनिर्मित शराब को जमीन पर गिरा विनष्ट किया गया। इस संबंध में नावानगर प्रभारी थाना अध्यक्ष अमृता कुमारी ने बताया कि रविवार को नावानगर पुलिस के द्वारा की गई छापेमारी में करीब 500 लीटर अर्धनिर्मित जावा महुआ शराब को नष्ट किया गया है। उन्होंने कहा कि शराब के अवैध कारोबार को समाप्त करने के लिए यह अभियान लगातार जारी रहेगा। वही उन्होंने शराब का अवैध कारोबार कर रहे लोगों से शराब के धंधे को छोड़ कर अन्य कार्य करने की अपील किया। उन्होंने कहा कि शराब निर्माण गैर कानूनी और उससे कई परिवार भी उजड़ता है। उन्होंने महिलाओं से भी शराब पीकर घर आने वाले पति को समझाने व शराब बनाने वाले लोगों की सूचना देने की अपील की। टीम में एसआई सुभम कुमारी, एसआई मुन्ना यादव, एसआई अजय कुमार पासवान, मनोज चौकीदार व अन्य शामिल रहे।

शहर में लगे जलमीनारों से लोगों को नहीं मिलता पानी

केटी न्यूज/ डुमरांव

नगरवासियों के लिए शहर में पयजलापूर्ति के लिए तीन जलमीनार स्थापित किए गए हैं। चौक-चौराहों एवं गली मुहल्लों में लोगों की प्यास बुझाने के लिए नलों का जाल बिछाया गया है, लेकिन किसी नल से पानी नहीं गिरता है। शहर के लोगों का इन नलों से प्यास तो नहीं बुझती है और नहीं नगर में बाजार करने के लिए आने वाले लोगों भी पेयजल के लिए भटकना पड़ता है।

जलापूर्ति के लिए तीन जलमीनार हैं स्थापित- शहर के लोगों की प्यास बुझाने के लिए पीएचईडी के द्वारा तीन जलमीनार स्थापित किए गए हैं। प्रखंड कार्यालय परिसर में सबसे पहले पांच दशक पहले जलमीनार स्थापित किया गया था। इस जलमीनार से पहले दिन से ही तकनीकि कारणों से जलापूर्ति नहीं हो सकी। इस तकनीकी को आजतक दूर नहीं किया जा सका है। लिहाजा सीधे जलमीनार के बोरिंग से जलापूर्ति की जाती है। इस जुड़े नलों से पहले पानी गिरता था, अब नहीं गिरता है। पानी क्यों नहीं गिरता इस पर विभाग ने कोई पहल नहीं किया। वहीं एक दशक पहले शहर में दो जलमीनार एक ट्रेनिंग स्कूल के पास तो दूसरा छठिया पोखरा के पास स्थापित किया गया। इन दोनों जलमीनारों में भी पानी नहीं भरा जाता है। इन दोनों जगहों से जलमीनार के बोरिंग से ही सीधे पानी की आपूर्ति की जाती है। सीधे आपूर्ति किए जाने से नलों तक पानी तेजी से नहीं पहुंच पाता। जानकारों की माने तो जलमीनार से जब पानी छोड़ा जाता है तो तेजी से पाइप में पानी की आपूर्ति होने लगती है, जिससे नलों से पानी गिरना शुरू हो जाता है। दोनों जलमीनार के ऑपरेटरों का कहना है कि मोटर इतना पावरफुल नहीं है, जिससे पानी चढ़ाने में परेशानी होने लगती है। शरीर जला देने वाली इस गर्मी में भी विभाग ने कोई पहले नहीं किया है।

पार्टी के नेताओं व सदस्यों ने अर्पित की पुष्पांजलि

सलामी के साथ दी गई कॉमरेड रामाश्रय सिंह को अंतिम विदाई

केटी न्यूज/केसठ

डुमरांव विधानसभा के पूर्व विधायक कामरेड रामश्रय सिंह को रविवार को लाल सलामी के साथ अंतिम विदाई दी गई। इस दौरान परिजनों की आंखे नम हो गई थी। दिल्ली से शव आते ही पैतृक गांव कुलमनपुर स्थित उनके दरवाजे पर अंतिम दर्शन के लिए सैकड़ों की भीड़ इकट्ठा हुई और रामाश्रय सिंह अमर रहे के नारे लगाए गए।

विदित हो कि चार दिन पहले वे अपने पुत्री से मिलने के लिए दिल्ली गए हुए थे। शुक्रवार की रात खाना खाने के बाद छत पर टहलने के दौरान अचानक संतुलन बिगड़ने से वे नीचे गिर गए थे। जिसके बाद इलाज के दौरान राम मनोहर लोहिया अस्पताल में उनकी मौत हो गई। रविवार को उनका शव पैतृक गांव लाया गया। शव आते ही उनकी पत्नी राजस्वरी देवी रोते रोते बेहोश हो जा रही थी। सूचना मिलते ही पार्टी के लोगो के अलावे कई दिग्गज नेताओं का तांता लगने लगा। दाह संस्कार की शुरूआत में भाकपा के नेताओं

द्वारा पार्टी के झंडे का झंडोत्तोलन कर सलामी दी गई और उनके पार्थिव शव पर पुष्पांजलि अर्पित की गई। पुष्पांजलि अर्पित करने में डुमरांव विधायक अजीत कुशवाहा, राजद के वरिष्ठ नेता सुनिल कुमार यादव उर्फ पप्पू यादव, केसठ मुखिया अरविंद कुमार यादव उर्फ गामा पहलवान, पूर्व सांसद तेज नारायण सिंह, नागेंद्र ओझा, समाजसेवी कुंवर भीम सिंह, रामजी, गिरीश कुमार द्विवेदी, संजय उपाध्याय, विजय कुमार सिंह, अशोक यादव, अमित कुमार पांडेय, नीरज यादव, ललन प्रसाद, जितेंद्र पहलवान, पंचायत मुखिया प्रतिनिधि बसंत पांडेय, सरपंच विष्णु देव पासवान, बीडीसी मंजू देवी, राजद महासचिव अखिलेश सिंह सहित सैकड़ों दिग्गज नेता शामिल थे। उनके बाद उन्हें मुख्यअग्नि दी गई। राजद के वरिष्ठ नेता पप्पू यादव और डुमरांव विधायक के कहा कि लोगो ने एक नवरत्न को खोया है जिसकी कमी सदैव खलेगी। जिसकी भारपाई कोई नहीं कर पायेगा। इस दौरान पूरा क्षेत्र रामाश्रय सिंह अमर रहे के नारे से गुजेमान हो गया था। सभी ने उन्हें नम आंखों से सलामी देते हुए दाह संस्कार किया। वही केसठ मुखिया और नेताओं ने कहा की वे युवा अवस्था से ही शोषित, बंचित, गरीबों, कमजोर की आवाज बन कर संघर्ष करने वाले कामरेड थे।

नहीं रही केसठ की चर्चित भोजपुरी गायिका दादी

केसठ। प्रखंड के केसठ गांव निवासी व इलाके के चर्चित भोजपुरी गायक चिकू चंदन की दादी 75 वर्षीय भुनेश्वरी देवी का हृदय गति रुकने से शनिवार को देर रात्रि निधन हो गई। मिली जानकारी के अनुसार वे लंबे समय से बीमार चल रही थी। इसकी जानकारी मिलते ही शोकाकुल परिवार को ढांढस बंधाने के लिए भोजपुरी गायको का तांता लग गया। उनके पोते चिंकू चंदन ने बताया कि उनकी दादी को ब्रेन ट्यूमर की शिकायत थी। जिनका इलाज पटना के एक निजी अस्पताल में हो रहा था। इलाज करा कर घर आने के क्रम में रास्ते में ही उन्होंने अंतिम सांस ली। शोक जताने वालों में मोहित दुबे, मंडल तिवारी, राहुल तिवारी, रितेश आदि शामिल रहे।

CAMBRIDGE SCHOOL DUMRAON
HARNAHI ROAD, DUMRAON, BUXAR- 802119
Affiliated to C.B.S.E., Delhi, Up to (10+2)- Aff. No. 330723
A CO-EDUCATIONAL SCHOOL FROM NURSERY TO STD. XII

ADMISSION NOTICE FOR STD. XI (SCIENCE & COMMERCE STREAMS)

REGISTRATION & ADMISSION STARTED

ELIGIBILITY CRITERIA
- DIRECT ADMISSION with INTERVIEW FOR CLASS X (2024) PASS OUT STUDENTS OF CAMBRIDGE GROUP OF SCHOOLS with 80% MARKS for PCM, 70% for PCB and 60% for COMMERCE STREAM.
- ADMISSION TEST & INTERVIEW WILL BE CONDUCTED FOR THE STUDENTS OF OTHER SCHOOLS.

SCHOLARSHIP SCHEME
- CANDIDATES WITH 95% & ABOVE WILL BE GIVEN FULL FREESHIP (100% REBATE IN ADMISSION FEE AND MONTHLY TUITION FEE) FOR BOTH CLASSES XI & XII.
- CANDIDATES WITH 90% & ABOVE WILL BE GIVEN HALF FREESHIP (50% REBATE IN ADMISSION FEE AND MONTHLY TUITION FEE) FOR BOTH CLASSES XI & XII.

CHAIRMAN - MR. T.N. CHOUBEY

TOPPERS IN AISSCE (Std. XII)
1st SHAKSHI KUMARI 94.80%
2nd ANKIT KUMAR 92.60%
3rd SANJANA KUMARI 92.00%
SUBJECTWISE HIGHEST MARKS
English Core - 97 | Mathematics - 95 | Accountancy - 95
Hindi Elective - 95 | Biology - 96 | Business Studies - 93
Physics - 95 | Chemistry - 95 | Economics - 94

TOPPERS IN AISSE (Std. X)
1st ARADHYA GUPTA 96.80%
2nd RUKHSAR NAAZ 95.00%
3rd SANANDAN DUBEY 94.80%
SUBJECTWISE HIGHEST MARKS
English - 94 | Hindi - 95 | Science - 96
Sanskrit - 100 | Mathematics - 100 | Social Science - 100

INFORMATION
REGISTRATION FORMS are AVAILABLE and can be OBTAINED from the ADMISSION CELL at CAMBRIDGE SCHOOL DUMRAON, (Junior Wing, Dr. Jagnarayan Hospital Campus) on all working days from 08 AM to 2 PM.

8210918840, 7319972175, 6396686958
www.cambridgeschooldumraon.in
www.facebook.com/CAMBRIDGEDUMRAON
LIMITED SEATS Hurry Up

आक्रोश : आठ दिनों से पेयजल की समस्या से जूझ रहे लोगों ने जाम किया एनएच

केटी न्यूज/जहानाबाद

विगत आठ दिनों से पेयजल की समस्या से जूझ रहे काको नगर वासियों ने रविवार को अहले सुबह विष्णु मन्दिर के समीप एन एच 33 जहानाबाद-एकंगरसराय मार्ग को अवरुद्ध कर वाहनों का परिचालन ठप कर दिया।दरअसल काको स्थित मध्य विद्यालय के समीप स्थित जलमीनार में आई तकनीकी खराबी के कारण रविवार से ही जलापूर्ति ठप होने से ग्रामीणों में प्रशासन एंव जनप्रतिनिधियों के प्रति व्यापक आक्रोश है।यही आक्रोश रविवार की सुबह उस वक़्त फुट पड़ा जब तकनीकी खराबी दूर होने के पश्चात भी जलापूर्ति शुरू नहीं हुई। ऑपरेटर के अनुसार कम क्षमता वाले मोटर के कारण टँकी में पानी संग्रह ही नहीं हो सका।

स्मरण रहे कि उक्त जलापूर्ति केंद्र में पूर्व से 25 एच पी का मोटर लगा था जो तकनीकी खराबी ठीक करने हेतु अकुशल कर्मियों की लापरवाही के कारण बोरिंग में गिर गया।मोटर को निकालने में असफल होने पर संवेदक द्वारा 15 एच पी का पुराना मोटर लगाने का प्रयास किया गया। नगरवासियों ने कम क्षमता के पुराने

मोटर का विरोध करते हुए जब अधिक क्षमता के नए मोटर की माँग की तो 21 जून तक नया मोटर बदलने का आश्वासन देकर कम क्षमता का मोटर लगाने का प्रयास किया जाने लगा। दुर्भाग्यवश पुनः मोटर और पाइप बोरिंग में गिर गया। जिसे अथक प्रयास के उपरांत बोरिंग में गिरे पाइप को बाहर निकलने में शनिवार को सफलता मिली। तदोपरांत रात देर गए मोटर डालकर जलआपूर्ति शुरू करने का प्रयास हुआ किन्तु अधिकारियों की अदूरदर्शिता एंव अज्ञानता के कारण कम क्षमता के लगे मोटर से जलआपूर्ति शुरू नहीं हुई जिसके विरोध में लोग सड़क पर उतर कर मार्ग अवरुद्ध कर दिया।हालाँकि पुलिस ने सक्रियता दिखाते हुए आंदोलन कारियों को समझ कर आंदोलन समाप्त करा दिया किन्तु पेयजल की समस्या से जूझ रहे नगरवासियों की समस्याएँ यथावत बरकरार हैं।कनीय अभियंता कैलाश पति राम ने बताया कि संवेदक को अधिक क्षमता का मोटर लगा कर अविलंब जलआपूर्ति शुरू करने का निर्देश दिया गया है।साथ ही एक अतिरिक्त बोरिंग कर समस्या के स्थायी समाधान का प्रयास किया जा रहा है।इस संबंध कार्यपालक अभियंता से संपर्क करने का प्रयास मोबाइल बन्द रहने के कारण विफल रहा।प्रखंड विकास पदाधिकारी लोक प्रकाश ने बताया कि कार्यपालक अभियंता ने संवेदक को अविलंब 25 एच पी का मोटर लगा कर जलआपूर्ति शुरू करने एंव अतिरिक्त बोरिंग कराने का निर्देश दिया है।

एक नजर

एसटीएफ के नेतृत्व में अवैध रूप से विद्युत ऊर्जा चोरी को लेकर प्राथमिकी दर्ज

बिक्रमगंज(रोहतास)। विद्युत आपूर्ति प्रशाखा सूर्यपुरा अंतर्गत गुप्त सुचना के आधार पर एसटीएफ के नेतृत्व में एक जांच दल का गठन कर अवैध रूप से विद्युत ऊर्जा चोरी करने को लेकर नौ लोगों पर प्राथमिकी दर्ज कराई गयी है । कनीय विद्युत अभियंता सूर्यपुरा आनंद कुमार के द्वारा बताया गया कि जांच दल द्वारा ग्राम अगरेर कलां मे पहुंच पाया गया कि मीटर बाईपास कर अवैध रूप से विद्युत ऊर्जा चोरी को लेकर आदित्य नारायण पाण्डेय पर 69 हजार 951, अगरेर खुर्द के बिन्देश्वरी सिंह 18 हजार 570, सूर्यनारायण सिंह 21 हजार 278, सुधीर कुमार सिंह 18 हजार 310 रुपए दण्डित राशि लगायी गयी है । आगे बताते चले कि बकाया राशि रहने के कारण विद्युत कनेक्शन कटने के पश्चात अवैध रूप से तार जोड़कर जलाने को लेकर अगरेर कलां के तिलकचंद चौधरी पर 69 हजार 475, मनन पाण्डेय 99 हजार 785, सूर्यपुरा के जियूत खरवार 73 हजार 082, महेंद्र पाण्डेय 96हजार 728 राजस्व की क्षति लगायी गयी है । जांच दल द्वारा पाया कि बिना कोई विद्युत कनेक्शन लिए अवैध रूप से तार जोड़कर विद्युत ऊर्जा चोरी करने को लेकर अगरेर खुर्द के सुधीर कुमार सिंह पर 1 लाख 44 हजार 859 रुपए जुमार्ना लगाया गया है । श्री सिंह से विद्युत सम्बंधित कागजात की मांग करने पर कोई भी कागजात समर्पित नहीं की गई तथा परिसर में मीटर भी अधिष्ठापित नहीं था । सहायक विद्युत अभियंता बिक्रमगंज राज कुमार के द्वारा सभी से आग्रह किया गया है कि जो भी विद्युत कनेक्शन नहीं लिए हैं वह सुविधा एप्प के माध्यम से विद्युत कनेक्शन ले ले तथा जो मीटर बाईपास कर विद्युत का उपभोग कर रहे हैं वह दुरुस्त कर ले ।अन्यथा जांच के दौरान पाए जाने पर विद्युत अधिनियम के तहत प्राथमिकी दर्ज कराई जाएगी । उक्त जांच दल में एसटीएफ के सहायक विद्युत अभियंता समरजीत कुमार, मानवबल अभिषेक कुमार, नीरज रजक, अमर सिंह आदि मौजूद थे ।

सदर अस्पताल में पेयजल संकट मरीजों के लिए बना नासूर

सासाराम। सदर अस्पताल में पेयजल संकट मरीजों के लिए नासूर बनती जा रही है जिला मुख्यालय सासाराम में भीषण गर्मी पड़ रही है। शनिवार

को तापमान 43 डिग्री पार है। ऐसे में सदर अस्पताल में आरओ मशीन के काम ना करने से जल संकट बढ़ गया है। दूर दूर से आ रहे मरीज और उनके परिजन पानी के लिए मारे-मारे फिर रहे हैं। आरओ मशीन से पानी नहीं आ रहा है। यहां आ रहे लोग बिना पानी वापस लौट रहे है। आरओ मशीन के पास जुटे लोगों ने बताया कि वो दूर-दूराज से इलाज के लिए आए हैं, लेकिन यहां पानी के लिए मारे-मारे फिर रहें है। आरओ मशीन से एक बूंद भी पानी नहीं आ रहा है। इस संबंध में पूछने पर सदर अस्पताल के उपाधीक्षक डॉ पी के कनौजिया ने इस संबंध में कहा कि कैंट में जल्द ही सुधार किया जाएगा। नए सीएस और मैनेजर आए है।प्लानिंग बन रहा है कि अधिकतम 15 दिन में सुधार हो जाएगा। अब देखना यह होगा कि इस भीषण गर्मी में मरीज को पेय जल की संकट को दूर करने को लेकर अस्पताल प्रशासन कितना सक्रिय होगा यह तो आने वाला समय ही बताएगा।

नगर आयुक्त के खिलाफ प्रस्ताव पत्र पारित

सासाराम। नगर निगम, सासाराम के मेयर एवं आयुक्त के बीच चल रही खींचा तानी खत्म होने का नाम नहीं ले रही है। शनिवार को नगर निगम के सशक्त स्थाई समिति की बैठक में एक बार फिर नगर आयुक्त के खिलाफ प्रस्ताव पास किया गया है। बैठक में मेयर काजल कुमारी सशक्त स्थाई समिति के सदस्य प्रमिला देवी सुनील कुमार, गीता देवी, रौशन आरा,अंजु मौर्य एवं रशीद अहमद शामिल थे। बैठक के संबंध में जानकारी देते हुए मेयर ने बताया कि आज की बैठक में एक ही एजेंडा था, नगर आयुक्त को सेवा वापसी। उन्होंने कहा कि विचार किया गया कि कि नगर आयुक्त के द्वारा बहुत सारे कार्य अधिनियम के विरूद्ध जाकर किए गए हैं। शहर में देख ही रहे हैं कि क्या स्थिति है, इसलिए सभी सभी सदस्यों द्वारा सहमति से सेवा वापसी का निर्णय लिया गया।

खबरें फटाफट

आपसी विवाद में मारपीट, दो लोग हुए जख्मी

राजपुर (रोहतास)। आपसी विवाद को लेकर रविवार को सुबह दो पक्ष के बीच हुए मारपीट में दो लोग जख्मी हो गए। जिनका इलाज परिजनों ने स्थानीय पीएससी में कराया। जानकारी देते हुए डॉक्टर राजीव कुमार ने बताया कि पुलिस का जख्म प्रतिवेदन ले अमरथा गांव निवासी ललन पासवान के बेटा 26 वर्षीय रमेश कुमार इलाज के लिए आए थे। जिनको कई जगह चोट लगा हुआ था। इलाज के बाद दवाई देकर घर भेज दिया गया। वहीं बिसनी कला गांव के मारपीट में जख्मी हुलन पासवान के बेटा 25 वर्षीय राजा बाबू का इलाज किया गया। मामले में थानाध्यक्ष शशिभूषण कुमार ने बताया कि मारपीट की घटना हुई है सूचना मिलने पर तत्काल पुलिस को भेजा गया। एक पक्ष ने आवेदन प्रस्तुत किया है। जांच की जा रही है।

14 लीटर देशी शराब बरामद धंधेबाज फरार

बिक्रमगंज(रोहतास)। बिक्रमगंज पुलिस ने देशी शराब किया बरामद मामले में संलिप्त धंधेबाज फरार । बिक्रमगंज थानाध्यक्ष ललन कुमार ने बताया कि थाना क्षेत्र के खैरा भूधर दलित बस्ती से गुप्त सूचना के आधार पर छापेमारी कर 14 लीटर देशी शराब पुलिस ने बरामद किया । पुलिस की भनक मिलते ही शराब धंधेबाज भागने में सफल रहा । उन्होंने बताया कि फरार धंधेबाज के विरुद्ध संबंधित मामला दर्ज किया गया है । श्री कुमार ने बताया कि फरार धंधेबाज को बहुत जल्द गिरफ्तार कर लिया जाएगा ।

झोपड़ी से हथियार के साथ दो शख्स किया गिरफ्तार

सासाराम(रोहतास)। सासाराम नगर थाना पुलिस थाने की ने गुप्त सूचना पर सिविल कोर्ट सासाराम के पास एक झोपड़ी से हथियार के साथ दो शख्स को गिरफ्तार किया है। नगर थानाध्यक्ष ने इसकी जानकारी देते हुए बताया कि शशि कांत पांडेय उम्र 35 वर्ष पिता स्व बाबूधन पांडे ग्राम कझाई थाना बिक्रमगंज जिला रोहतास एवं पवन मिश्रा उम्र 19 वर्ष पिता सुनील मिश्रा ग्राम दलीपपुर थाना धनगई जिला भोजपुर दोनो को कचहरी सासाराम के पास से एक देशी कट्टा एवं एक पिस्टल दो फाइटर एवं एक मैगजीन के साथ गिरफ्तार किया गया है।

बड़ी वारदात को अंजाम देने के लिए हथियार रखने की सूचना पर पहुंची पुलिस को मिली सफलता

हथियारों के साथ अंतर जिला कुख्यात सहित दो अपराधी पुलिस की गिरफ्त आए

- सिकरहट्टा थाना क्षेत्र के पनवारी गांव से शनिवार की शाम दो घरों से पकड़े गये दोनों अपराधी कर्मी
- दो एकनाली बंदूक, एक दुनाली बंदूक, एक कट्टा, दो गोली, 12 खोखा और दो मोबाइल बरामद

केटी न्यूज/आरा

लूट पाट की बड़ी घटना को अंजाम देने की इनपुट पर पुलिस की छापेमारी

अंतर जिला कुख्यात अनिश कुमार उर्फ मनीष सहित दो अपराधियों की गिरफ्तारी से लूटपाट की बड़ी घटना होने से बच गयी। बताया जा रहा है कि अनिश कुमार उर्फ मनीष लूट की बड़ी घटना को अंजाम देने की साजिश कर रहा था। उसके लिए ही उसने हथियार जुटा रखा था। एसडीपीओ राहुल सिंह को शनिवार को शाम इनपुट मिली, तो वह एक्टिव मोड में आ गए और उसकी गिरफ्तारी की जाल बिछाया गया। उस क्रम में पुलिस को शत्रुघ्न पासी के घर हथियार रखे जाने की सूचना मिली। सटीक सूचना के आधार पर पुलिस ने शत्रुघ्न पासी के घर छापेमारी की, तो वहां तीन हथियार, गोली और खोखे बरामद किये गये। पूछताछ में उसने पुलिस को बताया हथियार उसके दोस्त अनिश कुमार उर्फ मनीष कुमार के हैं। उस आधार पर पुलिस ने मनीष कुमार उर्फ अनिश कुमार के घर छापेमारी कर उसे दबोच लिया। उसके घर से भी एक देसी कट्टा और गोली मिला।

भोजपुर पुलिस को शनिवार की शाम अपराधियों की गिरफ्तारी और अवैध हथियार की बरामदगी में बड़ी सफलता मिली है। पुलिस द्वारा अलग-अलग थाना क्षेत्रों से एक अंतरजिला कुख्यात बदमाश सहित पांच अपराध कर्मियों को गिरफ्तार किया गया है। उनके पास से काफी मात्रा में हथियार, गोली और खोखे बरामद किये गये हैं। सबसे बड़ी सफलता सिकरहट्टा थाने की पुलिस को मिली है। पुलिस द्वारा पनवारी गांव में छापेमारी कर भोजपुर व बक्सर के कुख्यात सहित दो अपराध कर्मियों को गिरफ्तार किया गया है। उनमें पनवारी गांव निवासी अनिश कुमार उर्फ मनीष कुमार और शत्रुघ्न पासी शामिल हैं। शत्रुघ्न पासी के घर से दो एकनाली, एक दुनाली बंदूक खोखा, गोली और अनिश कुमार उर्फ मनीष कुमार के घर से एक कट्टा और गोली बरामद किया गया। दोनों के मोबाइल भी जब्त कर लिया गया है। एसपी नीरज कुमार सिंह की ओर से रविवार को प्रेस कांफ्रेंस में यह जानकारी दी गयी। उन्होंने बताया कि पीरो एसडीपीओ राहुल सिंह को शनिवार की शाम सूचना मिली कि पनवारी गांव निवासी शत्रुघ्न पासी के घर अवैध हथियार है। वह किसी बड़ी घटना को अंजाम देने वाला है। उस पर एसडीपीओ द्वारा टीम गठित कर अपने नेतृत्व में पनवारी गांव में छापेमारी की गयी। उस दौरान शत्रुघ्न पासी के घर से एकनाली व दोनाली तीन बंदूक, गोली और 15 खोखे बरामद किए गये। बाद में उसकी निशानदेही पर अनिश कुमार उर्फ मनीष कुमार के घर से एक देसी कट्टा और गोली बरामद किया गया। उसे गिरफ्तार कर लिया गया। एसपी ने बताया कि अनिश कुमार उर्फ मनीष कुमार अंतरजिला कुख्यात अपराध कर्मी है। उसके खिलाफ भोजपुर और बक्सर जिले में कई मामले दर्ज हैं। वह कुछ समय पहले ही जमानत पर जेल से बाहर आया है। सिकरहट्टा थाने में उसके खिलाफ पूर्व से हत्या व डकैती सहित तीन मामले दर्ज हैं। हथियार की बरामदगी मामले में दोनों के खिलाफ आर्म्स एक्ट के तहत प्राथमिकी दर्ज की गयी है। दोनों से हथियार के बारे में पूछताछ भी की गयी। यह पता लगाने की कोशिश की जा रही है कि हथियार कहां और किनसे खरीदे गये थे। टीम डिजिटल सिकरहट्टा थानाध्यक्ष रौशन कुमार, दारोगा प्रफुल्ल कुमार, ट्रेनी दारोगा विवेक कुमार और एएसआई मुकेश कुमार सहित अन्य पुलिस कर्मी शामिल थे।

तीन अपराध कर्मी हथियार व गोली के साथ गिरफ्तार

आरा। नवादा और संदेश थाने की पुलिस की ओर से वारदात को अंजाम देने निकले तीन बदमाशों को गिरफ्तार किया गया है। शनिवार की देर रात तीनों को अलग-अलग जगहों से पकड़ा गया। उनमें उदवंतनगर थाना क्षेत्र के विशुनपुरा गांव निवासी लवकुश तिवारी, मुफलिस थाने के बड़की डुमरा गांव निवासी संतोष सिंह और संदेश थाना क्षेत्र के कोरी गांव निवासी विनोद कुमार सिंह शामिल हैं। एसपी नीरज कुमार सिंह की ओर से रविवार को प्रेस कांफ्रेंस कर यह जानकारी दी गई। उन्होंने बताया कि अवैध मादक पदार्थों की बरामदगी और वांछित अपराधियों की गिरफ्तारी को नवादा थानाध्यक्ष कमलजीत के नेतृत्व में दारोगा संतोष कुमार दास, ट्रेनी दारोगा चंदेश्वर कुमार और निशा भारती द्वारा पुलिस बल के साथ देर रात छापेमारी कर रही थी। तभी रेलवे कॉलोनी से कतीरा जाने वाली सड़क के पास बाइक सवार दो लड़के देखे गए। पुलिस द्वारा रोकने का इशारा किया गया, तो भागने लगे। तब पुलिस द्वारा खदेड़ कर पकड़ा गया। तलाशी के दौरान एक देसी कट्टा और एक गोली बरामद की गयी। उनकी बाइक भी जब्त कर ली गयी है । पूछताछ में दोनों द्वारा किसी आपराधिक वारदात को अंजाम देने के लिए हथियार लेकर घूमने की बात स्वीकार की गयी है। एसपी ने बताया कि इसी तरह संदेश थाने की पुलिस को शनिवार की रात सूचना मिली कि कोरी गांव निवासी विनोद कुमार सिंह द्वारा किसी घटना को अंजाम देने के लिए अपने पुराने मकान में हथियार रखा गया है। उस आधार पर थानाध्यक्ष आदित्य कुमार के नेतृत्व में पुलिस द्वारा छापेमारी कर उसे गिरफ्तार कर लिया गया। तलाशी के दौरान उसके घर से एक देसी कट्टा और दो गोली बरामद की गयी। छापेमारी में संदेश थाने के एएसआई श्रवण कुमार सहित अन्य पुलिस कर्मी शामिल थे।

अवैध हथियार बरामदगी को पुलिस चौकस, खरीद बिक्री गिरोह पर नजर

आरा। जिले हाल के दिनों में काफी मात्रा में अवैध हथियार की बरामदगी की गयी है। अचानक अवैध हथियार की बरामदगी से पुलिस के कान खड़े हो गए हैं। हथियार बरामदगी के साथ ही पुलिस अब इसके पीछे के कारणों की छानबीन में जुटी है। पुलिस अवैध हथियार की बरामदगी के लिए चौकसी भी बरत रही है। साथ ही खरीद-बिक्री करने वाले गिरोह पर भी नजर रखी जा रही है। एसपी नीरज कुमार सिंह द्वारा भी जिले में अचानक अवैध हथियार की बरामदगी में बढ़ोतरी होने पर चिंता जाहिर की गयी है। उन्होंने बताया कि पता किया जा रहा है कि इतनी संख्या में अवैध हथियार की सप्लाई कहां से हो रही है। अवैध हथियार बरामदगी के साथ ही तस्करों की धरपकड़ को लेकर भी लगातार अभियान चलाया जा रहा है। उसे लेकर एसपी की ओर से सभी थानाध्यक्षों को अलर्ट भी किया गया है। बता दें कि पिछले कुछ दिनों में जिले में काफी मात्रा में अवैध हथियार की बरामदगी की गयी है।

जमुहार में ऐमरा के द्वारा किया रक्तदान शिविर का आयोजन

केटी न्यूज / डेहरी।

डेहरी प्रखंड अंतर्गत जमुहार स्थित नारायण मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल में ऐमरा (ऑल इंडिया मोबाइल रिटेलर्स एसोशिएशन, रोहतास) के द्वारा भव्य रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। जिसका विधिवत्त उद्घाटन नारायण मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल के महाप्रबंधक उपेंद्र नारायण सिंह ने फीता काटकर किया। मुख्य अतिथि उपेंद्र नारायण सिंह ने कहा कि ऐमरा (ऑल इंडिया मोबाइल रिटेलर्स एसोसिएशन) के द्वारा स्वर्गीय भावेश सोलंकी जी के स्मृति में प्रत्येक वर्ष पूरे देश में रक्तदान शिविर का आयोजन किया जाता है। जिसके तहत आज नारायण मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल में ऐमरा रोहतास के द्वारा भव्य रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया है। उन्होंने कहा कि रक्तदान महादान है इससे बड़ा कोई दान नहीं है। छह माह के भीतर प्रत्येक स्वस्थ व्यक्ति को रक्तदान जरुर करनी चाहिए। रक्तदान करने से कई तरह के बीमारियों से निजात मिलता है और स्वास्थ्य लाभ में काफी फायदा मिलता है। आपके द्वारा दान किए गए रक्त से किसी भी व्यक्ति की जान बचाई जा सकती है। इसलिए रक्तदान में बढ़-चढ़कर हिस्सा लेना चाहिए ताकि मुसीबत में जरूरतमंदों की सहायता की जा सके। वही ऐमरा के जिला संयोजक संतोष कुमार सिंह ने कहा कि ऑल इंडिया मोबाइल रिटेलर्स एसोसिएशन रोहतास के द्वारा प्रत्येक वर्ष स्वर्गीय भावेश सोलंकी जी के स्मृति में भव्य रक्तदान शिविर का आयोजन किया जाता है। इस बार भी नारायण मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल में भव्य रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया था। जिसमें दर्जनों रक्तवीरों ने अपना रक्तदान कर मानवता की मिसाल पेश करते हुए राष्ट्र के निर्माण में अपना बहुमूल्य योगदान दिया। जिसे मैं तहे दिल से धन्यवाद देता हूँ।

आग लगा किया जा रहा कचरे का निस्तारण से संक्रामक बीमारियों को दावत

कचरा जलाने से लगातार निकलते विषैले धुआं से परेशान हैं ग्रामीण

केटी न्यूज/काराकाट

काराकाट नगर में कचरे की बदबू से परेशान लोग अब कचरा में लगी आग से निकलने वाली धुआं की धूंध से परेशान हैं। बदबू के साथ-साथ लोगों को कचरा में लगे आग से निकलने वाला धुआं लोगों को बीमार कर रहा है। नगर पंचायत क्षेत्र के घरों एवं गली-मोहल्ले से निकलने वाले कचरे को जमुआं पूल के पास सड़क किनारे डंप कर आग लगाकर निस्तारण किया जा रहा है। दो दिनों से शहर में आधा दर्जन से अधिक जगहों पर फेंके कचरा में आग लगा दिया गया है। धीरे-धीरे सुलग रही आग से निकलने वाला धुआं अब लोगों की परेशानी बढ़ा दी है। इस ओर जिम्मेदार नगर प्रशासन का कोई ध्यान नहीं जा रहा है। बेफिक्र नगर प्रशासन द्वारा दूषित कचरा में लगे आग को बुझाने का भी प्रयास नहीं किया जाता है ।एक तरफ लगातार सरकार की तरफ से जलवायु परिवर्तन व प्रदूषण से निपटने की कार्यवाही जारी है वही दूसरी तरफ काराकाट नगर पंचायत के गोड़ारी के जमुआ पुल के नजदीक डम्पिंग यार्ड से लगातार धुआं निकल रहा है। जिससे वायु प्रदूषण के साथ-साथ सड़क दुर्घटना की आशंका बनी रहती है, नगर पंचयत काराकाट में मोहलो को स्वच्छ रखने के लिए घर-घर कचरे का उठाव हो रहा है सड़को की सफाई की जा रही है लेकिन नगर पंचयात से निकलने वाले कचरे के निपटारे के लिए अब तक कोई ठोस वयवस्था नहीं हो सकी है । नगर पंचायत के जमुआ पुल स्थित डम्पिंग यार्ड से पिछले कई दिनों से लगातार जहरीली धुवा उगल रहा है। इस कारण वायु प्रदूषण तेजी से फैल रहा है जिसके फलसवरूप जलवायु में परिवर्तन तेजी हो रहा है । वह से गुजरने वाले लोगो को कचरे से निकल रहे धुवे से दुर्गन्ध व गन्दगी से बीमारी फैलने का डर सता रहा है। हवा चलने से डम्पिंग यार्ड में फेका कचरा खासकर प्लास्टिक, पॉलोथिन और हलके सामान इधर उधर बिखरते रहते है एवं डम्पिंग यार्ड के आस पास खेतो में भी यह फैल रहे है। बता दे कि कचरा जलने से कई तरह की विषैली गैसे निकलती है इनमे फास्जीन गैस सबसे खतरनाक है यह न सिर्फ मानव सवस्थ के लिए हानिकारक है बाकि इसका असर पेड़ पौधो पे भी हो रहा है इससे उनकी वृद्धि कम हो रही है,कचरा जलाये जाने से कुछ हद तक ऑक्सीजन की मात्रा भी कम हो जाती है कचरा जलाने पर कार्बन डाई, ऑक्साइड सल्फर डाई ऑक्साइड, फास्जीन समेत अन्य जहरीली गैस भी निकलती है।

वृंदावन में हुआ हादसा... सीवर टैंक में घुसे बलिया के चाचा-भतीजा की दर्दनाक मौत, मचा कोहराम

- महज 400 रुपये के लिए जान गवां बैठा अमित, लाश की ऐसी हुई हालत... पत्नी हुई बदहवास

केटी न्यूज / बलिया

शनिवार की देर शाम बलिया के लिए एक दिल को झकझोर देने वाली खबर आई। जिसके बाद जहां गांव में सन्नाटा पर गया। वहीं घर में कोहराम मच गया। घटना में बलिया रसड़ा के चाचा-भतीजे की मौत हो गई। दुघर्टना मथुरा जिले के वृंदावन में प्रेम मंदिर के सामने हुई। जहां महज 400 रुपये की दिहाड़ी की खातिर अमीत व प्रिंस मौत के सीवर में उतरकर अपनी जान गंवा बैठे। जहां बीकानेर वाला रेस्तरां के सीवर टैंक में पंप ठीक करने उतरे तीन श्रमिकों की जहरीली गैस से दम घुटने से मौत हो गई। मृतकों में बलिया के चाचा-भतीजा है। वहीं मथुरा जिले के नौहझील गांव का रहने वाला एक युवक है। पुलिस के अनुसार तीनों के शवों का वीडियोग्राफी के बीच डॉक्टरों के पैनल ने पोस्टमार्टम किया गया। इसमें तीनों की नाक में झाग पाए गए। जहरीली गैस कौन सी थी, इसकी जांच के लिए पुलिस ने विसरा संरक्षित कर लिया है। इसे आगरा की एफएसएल लैब भेजा जाएगा। आगरा निवासी मनोज

शर्मा ने बीकानेर वाला की फ्रेंचाइजी लेकर करीब 12 दिन पूर्व इस रेस्तरां का उद्घाटन किया था। शुक्रवार को सीवर टैंक में लगा गंदे पानी को खींचकर शोधन यंत्र तक पहुंचाने वाला पंप खराब हो गया। शनिवार सुबह मैट्रोरॉयड कंपनी के सुपरवाइजर अमित गुप्ता (35) पुत्र स्वः शिवानंद गुप्ता निवासी अठेलापुरा, रसड़ा, बलिया पंप को टैंक से बाहर निकालने के लिए मजदूर श्याम (36) निवासी सल्ला, नौहझील को दिहाड़ी पर लेकर पहुंचे। सुबह 10 बजे अमित और श्याम टैंक में उतर गए। कुछ ही समय में वह अचेत हो गए।

चाचा को बचाने लिए कूद गया भतीजा

मृतक अमित का भतीजा पेंटर प्रिंस गुप्ता (24) निवासी अठेलापुरा, रसड़ा, बलिया वहीं पर मौजूद था। उसने चाचा को बचाने लिए टैंक में कूद गया। जिसके बाद प्रिंस की भी मौत हो गई। सूचना मिलते ही रेस्क्यू टीम, फायर ब्रिगेड और पुलिस मौके पर पहुंची। तीनों को सीवर टैंक से बाहर निकालकर सौ शैय्या अस्पताल भिजवाया गया। परन्तु डाक्टरों ने मृत घोषित कर दिया।

छह माह पूर्व नौकरी के लिए आया था चाचा

अमित गुप्ता वृंदावन में छह माह पहले ही आया था। यहां रेस्तरा की बिल्डिंग सहित अन्य कार्य के चलते उसे भेजा गया था। वृंदावन की देव कॉलोनी में अमित गुप्ता के साथ उसका भतीजा प्रिंस गुप्ता, साला अमरनाथ व चाचा का बेटा पंकज गुप्ता भी रहते हैं।

बोले अधिकारी

मथुरा एसएसपी शैलेश पाण्डये ने कहा कि तीनों मौत का जिम्मेदार जो भी होगा, उसके खिलाफ कठोर कार्रवाई की जाएगी।

बुंदेलखंड विश्वविद्यालय, झांसी द्वारा आयोजित बीएड प्रवेश परीक्षा शांतिपूर्ण ढ़ंग से संपन्न

परीक्षा के बाद बोले परीक्षार्थी : यूपी से जुड़े करेंट अफेयर ने फंसाया, गर्मी ने भी किया परेशान

- 52 केंद्रों पर संपन्न हुई बीएड प्रवेश परीक्षा, 86.6 प्रतिशत रही उपस्थिति
- वाराणसी के साथ चंदौली, भदोही, मिर्जापुर, बलिया एवं सोनभद्र में भी शान्तिपूर्ण ढंग से संपन्न हुई प्रवेश परीक्षा
- वाराणसी में पहली में 3467 व दूसरी पारी में 3466 परीक्षार्थी रहे अनुपस्थित

केटी न्यूज/ यूपी टीम

बुंदेलखंड विश्वविद्यालय, झांसी द्वारा आयोजित उत्तर प्रदेश संयुक्त प्रवेश परीक्षा बीएड-2024 दो पालियों में रविवार को शहर के 52 सेंटरों पर सम्पन्न हुई। दोनों पालियों का एग्जाम देकर निकले अभ्यर्थियों ने कहा कि पेपर काफी आसान था। सवाल न ज्यादा कठिन थे और न ही ज्यादा आसान थे। मुख्य चौलेंज गर्मी थी।

प्रवेश परीक्षा में प्रथम पाली में 22385 अभ्यर्थी उपस्थित एवं 3467 अभ्यर्थी अनुपस्थित रहे। वहीं द्वितीय पाली में 22386 अभ्यर्थी उपस्थित एवं 3466 अभ्यर्थी अनुपस्थित रहे। कुल 86.6 प्रतिशत उपस्थिति रही। पूरे प्रदेश सहित वाराणसी में भी दो पालियों में यह परीक्षा हुई। पहली पाली की परीक्षा दोपहर 12 बजे समाप्त हुई और दूसरी पारी की परीक्षा दोपहर 2 बजे से शुरू होकर शाम 5 बजे संपन्न हुई। इस परीक्षा का वाराणसी में महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ को नोडल सेंटर बनाया गया था। इस बार यह परीक्षा बुंदेलखंड विश्वविद्यालय, झांसी करवा रहा है। ऐसे में वाराणसी सहित मिजार्पुर, सोनभद्र और चंदौली जनपद में काशी विद्यापीठ ने यह परीक्षा नोडल केंद्र बनकर करवाई।

चंदौली में बीएड प्रवेश परीक्षा में 1080 परीक्षार्थी रहे अनुपस्थित

चंदौली। झांसी के बुंदेलखंड विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित बीएड प्रवेश परीक्षा में एक हजार से अधिक परीक्षा की अनुपस्थित रहे। परीक्षा के दौरान परिक्षार्थियों को तर्कशक्ति और समसामयिक प्रश्नों ने उलझाया तो सामान्य ज्ञान वाले बहुविकल्पी प्रश्नों से पहला प्रश्न पत्र आसान हो गया। दो पाली में बीएड संयुक्त प्रवेश परीक्षा 10 केंद्रों पर आयोजित हुई। दो पाली में आयोजित परीक्षा के पहली पाली में सुबह नौ से दोपहर 12 बजे तक कॉमन पेपर तो दूसरी पाली में दोपहर दो बजे से पांच बजे तक विषय आधारित परीक्षा हुई। झांसी के बुंदेलखंड विश्वविद्यालय की ओर से आयोजित प्रवेश परीक्षा में जिले में बनाए गए केंद्रों पर कुल कुल 4903 परीक्षार्थी पंजीकृत थे। जिला समन्वयक सकलडीहा पीजी कॉलेज के प्राचार्य प्रो. प्रदीप कुमार पांडेय ने बताया कि पहली पाली में 4362 उपस्थित हुए बाकी 541 अनुपस्थित रहे। दूसरी पाली में 4364 उपस्थित हुए जबकि 539 अनुपस्थित रहे। परीक्षा के आयोजन के लिए नगर प्रभारी एडीएम अभय कुमार पांडेय को नामित किया गया था। जिनकी निगरानी में कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच परीक्षा हुई। सभी केंद्रों पर एक स्टेटिक मजिस्ट्रेट, दो ऑब्जर्वर व पर्याप्त पुलिस बल के जवान तैनात रहे।

52 परीक्षा केंद्रों पर हो रहीं दो पालियों में परीक्षा

नोडल ऑफिसर डॉ. सुनीता पांडेय ने बताया कि साल 2023 की तरह ही वाराणसी में बीएड परीक्षा के लिए महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ को नोडल सेंटर बनाया गया है। इसी सेंटर से वाराणसी, मिर्जापुर, सोनभद्र और निगरानी की जाएगी और वहां के अभ्यर्थियों की उत्तर पुस्तिकाएं एकत्रित की जाएंगी। वाराणसी में कुल 52 परीक्षा केंद्र बनाए गए हैं। सुबह प्रथम पाली की परीक्षा सम्पन्न होने के बाद दोपहर दो बजे से दूसरी पाली की परीक्षा सभी केंद्रों पर शांतिपूर्वक ढंग से हुई।

मिर्जापुर, सोनभद्र और चंदौली में बने 19 केंद्र

काशी विद्यापीठ से मिजार्पुर, चंदौली, सोनभद्र के भी सेंटर्स पर परीक्षा हो रही है। इन चार जनपदों को जोड़कर कुल 19 सेंटर बनाए गए हैं। इनमें कुल मिलाकर 8902 परीक्षार्थी एग्जाम देंगे। इसमें चंदौली में 10 सेंटर पर कुल 4903 अभ्यर्थी रजिस्टर्ड हैं। मिजार्पुर में 4 सेंटर पर 1632 अभ्यर्थी रजिस्टर्ड हैं। भदोही में बने 3 सेंटर पर 1493 अभ्यर्थी रजिस्टर्ड हैं। इसके अलावा सोनभद्र में बने 2 सेंटर्स पर 875 अभ्यर्थी शामिल हैं।

बलिया में बीएड प्रवेश परीक्षा के लिए बनाए गये थे 22 केन्द्र डीएम स्वयं कर रहे थे निगरानी

केटी न्यूज/बलिया। बुंदेलखंड विश्वविद्यालय, झांसी द्वारा आयोजित उत्तर प्रदेश संयुक्त बीएड प्रवेश परीक्षा-2024 की गंभीरता को समझते हुए जिलाधिकारी रवींद्र कुमार ने जनपद के विभिन्न परीक्षा केंद्रों का औचक निरीक्षण कर गाइडलाइंस के अनुसार परीक्षा संचालन का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने परीक्षा केंद्र पर सेक्टर मजिस्ट्रेट, स्टेटिक मजिस्ट्रेट और केंद्र व्यवस्थापक से परीक्षा को सुचारू रूप से संपन्न कराने हेतु आवश्यक दिशा निर्देश दिए। जिलाधिकारी प्रथम पाली की परीक्षा में टीडी काले पहुंचकर वहां के स्टेटिक मजिस्ट्रेट और केंद्र व्यवस्थापक से परीक्षा के संबंध में दिए गए निदेशों का शत प्रतिशत कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित करते हुए परीक्षा को सकुशल संपन्न कराने का सख्त निर्देश दिया। उन्होंने विभिन्न कक्षाओं में लगे सीसीटीवी कैमरों को संचालित मोड में होने और प्रश्न पत्र बांटने के पैटर्न आदि की भी जानकारी ली। फिर राजकीय बालिका इंटर कालेज का निरीक्षण कर स्टेटिक मजिस्ट्रेट और केंद्र व्यवस्थापक को परीक्षा की शूचिता बनाए रखने का निर्देश दिया। दूसरी पाली में उन्होंने सुखपुरा इंटर कालेज और राजकीय इंटर कॉलेज का निरीक्षण किया।बता दें कि जिलाधिकारी के द्वारा परीक्षा को सकुशल संपन्न कराने के लिए सुरक्षा व्यवस्था के व्यापक इंतजाम किए गए थे। यह परीक्षा जनपद में दो पालियों में सकुशल संपन्न हो गई। प्रथम पाली का समय सुबह 9से 12 तक तथा द्वितीय पाली 2 से 5 बजे तक का था। इसके लिए जनपद में 22 परीक्षा केंद्र बनाए गए थे और इस परीक्षा के लिए 9664 परीक्षार्थी पंजीकृत थे।

गाजीपुर में 26 केंद्रों पर बीएड की संयुक्त प्रवेश परीक्षा शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न

केटी न्यूज / गाजीपुर।

शैक्षिक सत्र 2024-25 में प्रवेश के लिए जनपद में रविवार को बीएड की संयुक्त प्रवेश परीक्षा शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हो गई। इस दौरान जिलाधिकारी आर्यका अखौरी एवं पुलिस अधीक्षक ओमवीर सिंह ने सभी केंद्रों पर नजर बनाए रखा। परीक्षा के दौरान अधिकारी गण चक्रमण करते रहे। डीएम ने एक दिन पहले ही केंद्र व्यवस्थापकों को निर्देश दिया था कि संयुक्त प्रवेश परीक्षा जनपद के 26 केंद्रों पर कराई जाएगी।सभी परीक्षा केंद्रों में सीसीटीवी कैमरे, पेयजल, शौचालय, बैठने की व्यवस्था, प्रकाश व्यवस्था, प्रश्न पत्रों के रखरखाव आदि की व्यवस्था सुनिश्चित करें। डीएम के निर्देश का अनुपालन में सभी केदो पर पूरी कड़ाई के साथ सकुशल परीक्षा संपन्न हुई। उन्होंने कहा कि परीक्षा के दौरान सुरक्षा व्यवस्था चुस्त दुरुस्त रहा। सुरक्षा व्यवस्था में किसी तरह की कोई कमी ना रहे इसके लिए पुलिस कप्तान एवं अन्य अधिकारी परीक्षा केंद्रों का निरीक्षण कर मातहतों को आवश्यक निर्देश देते रहे। सभी परीक्षा केंद्रों में कुल 11250 परीक्षार्थी शामिल होने थे, लेकिन कुछ ने परीक्षा छोड़ दी। बता दें कि परीक्षा दो पालियों में संपन्न हुई। पहली पाली सुबह नौ बजे से 12 बजे तक एवं दूसरी पाली में दो बजे से पांच बजे तक हुई। परीक्षा में 26 स्टेटिक मजिस्ट्रेट, 14 केंद्र प्रतिनिधि एवं 52 पर्यवेक्षक लगाए गए थे। परीक्षा से पहले प्रश्न पत्र एवं ओएमआर शीट स्टेटिक मजिस्ट्रेट की उपस्थिति में खोला गया। परीक्षा केंद्रों से 500 मीटर की परिधि के अंदर कोई भी दुकान नहीं खोली गई थी। परीक्षार्थियों से ओएमआर शीट की प्रथम एवं द्वितीय कॉपी जमा किए तथा तृतीय कॉपी परीक्षार्थी अपने साथ ले गए। परीक्षा केंद्रों पर मोबाइल फोन एवं अन्य इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस पूर्ण रूप से प्रतिबंधित था। परीक्षा केंद्रों पर परीक्षार्थियों की उपस्थिति बायोमेट्रिक मशीन से गई।

खड़े कंटेनर में दूसरे कंटेनर ने मारी टक्कर, चालक की मौत

केटी न्यूज / चंदौली।

सदर कोतवाली क्षेत्र के नवीन मंडी के समीप रविवार की सुबह हाईवे किनारे खड़ी कंटेनर ने पीछे से आ रही कंटेनर वाहन में जोरदार टक्कर मार दिया। इसके चलते खड़ी कंटेनर में आग लग गई। इससे वाहन के चालक और खलासी ने कूद कर जान बचाई, लेकिन दूसरे कंटेनर वाहन का अगला हिस्सा पूरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गया। इसमें चालक और खलासी केबिन में फंस गए। मौके पर पहुंची पुलिस ने खलासी को निकलकर जिला अस्पताल में भर्ती कराया। चालक के केबिन में बुरी तरह फंसे होने से उसे निकालने में डेढ़ घंटे लग गए। इस बीच उसकी मौत हो गई। उस क्रेन की मदद से बाहर निकाला गया। मौके पर पहुंची फायर ब्रिगेड ने आग पर काबू पाया। पुलिस ने चालक के शव

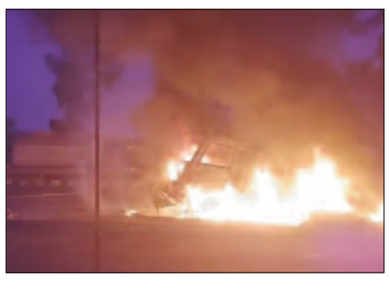

को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। राजस्थान अलवर जिले के कोहाट थाना क्षेत्र के चंदोल निवासी मृतक चालक तालिम 24 वर्ष अपने खलासी साहिल 21 के साथ राजगढ़ से कंटेनर वाहन में चूना पाउडर लादकर हावड़ा जा रहा था। इस बीच नवीन मण्डी के पास अचानक चालक को नींद लग गई। इससे खड़े कंटेनर में पीछे से घुस गया। इससे खड़े कंटेनर वाहन में आग लग गई। वाहन के चालक और खलासी ने कूद कर अपनी जान बचाई। दूसरे कंटेनर वाहन का अगला हिस्सा पूरी तरह से क्षतिग्रस्त होने से चालक और खलासी केबिन में फंस गए। घटना के बाद मौके पर अफरा तफरी मच गई। घटना के तत्काल बाद ही पुलिस पहुंच गई। पुलिस फायर ब्रिगेड को सूचना देने के साथ ही वाहन में फंसे चालक और खलासी को निकालने में जुट गई। पुलिस ने ग्रामीणों के सहयोग से को निकलकर जिला अस्पताल में भर्ती कराया। चालक के केबिन में बुरी तरह फंसे होने से उसे निकालने के लिए क्रेन का सहारा लेना पड़ा। करीब डेढ़ घंटे मशक्कत के बाद चालक को निकाला गया। इस बीच उसकी मौत हो गई। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। वहीं फायर ब्रिगेड की टीम ने आग पर काबू पाया।

भक्त प्रहलाद की लीला का मंचन से भाव विभोर हुए श्रद्धालु

मालीपुर। क्षेत्र के देवकली स्थित सूर्य मंदिर परिसर में चल रहे नौ दिवसीय शतचंडी महायज्ञ में शनिवार को कलाकारों ने भक्त प्रहलाद की लीला का मंचन कर श्रद्धालुओं को मंत्रमुग्ध कर दिया। रासलीला के में दिखाया गया कि हिरण्यकश्यप का भाई हिरणाक्ष पृथ्वी को उठाकर पाताल में ले जाकर छिपा देता है। तब विष्णु भगवान बाराह का अवतार लेकर हिरणाक्ष का वध कर देते हैं और पृथ्वी को ले आते हैं। इसके बाद मुस्तान नगरी का राजा हिरण्यकश्यप अपने राजमहल के दरबार में बैठा होता है। राजा अपने पुत्र प्रहलाद के भगवान विष्णु की पूजा-अर्चना करने से व्याकुल है और अपने मंत्रियों के साथ पुत्र को मारने की योजना बनाता है। राजा हिरण्यकश्यप अपनी बहन होलिका के आज्ञा देता है कि वह प्रहलाद को लेकर होली में बैठ जाए। ऐसा करने पर होलिका जल जाती है और प्रहलाद बच जाते हैं। हिरण्यकश्यप अपनी सभा में प्रहलाद से अपने भगवान को बुलाने को कहता हैं, तब प्रहलाद कहते हैं कि भगवान कण-कण में हैं। तभी महल के खंभे को तोड़ भगवान नरसिंह प्रकट होते हैं और हिरण्यकश्यप का वध कर देते हैं।

बंद मकान में चोरो ने ताला तोड़कर उड़ाया हजारों का सामान

केटी न्यूज / हल्दी। स्थानीय थाने के दक्षिण महज 50 मीटर की दुरी पर बिगत रात्रि बन्द मकान का ताला तोड़कर चोरों ने हजारो रुपये के समान सहित खिड़की, दरवाजा, हैंडपम्प का हैंडल तोड़कर ले गए। घटना की लिखित जानकारी स्थानीय पुलिस को दे दी गई है।पुलिस मामले की जांच कर रही है। घटना के संबंध में बताया जा रहा है कि हल्दी पश्चिम टोला निवासी तन्जेब अली पुत्र तय्यब अली ने हल्दी थाने के पीछे मकान बनवाया है जिसमे बंगाल से आये बैंड पार्टी के डांसर रहते है।लगन खत्म होने के कारण मकान में रह रहे डांसर मकान के अन्दर तीनो कमरो मे तथा बाहर मेन गेट पर ताला लगा कर घर चले गये हैं ।खाली मकान देख चोरो ने मेन गेट का ताला तोड़कर अन्दर दाखिल हो तीनो कमरो का ताला तोड़कर उसमे रखा 03 गैस सिलेंडर,बर्तन,खाने - पीने का समान आदि उठा ले गए ।यही नहीं जाते जाते खिड़की,दरवाजा व हैंडपम्प का हैंडल भी तोड़ कर लेते गये। जानकारी होते ही इसकी लिखित सूचना स्थानीय पुलिस को दे दी गई हैं। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

मोदी के शपथ ग्रहण पर आधे घंटे स्टेट हाइ-वे जाम

भाजपा कार्यकताओं ने आतिशबाजी कर व मिठाई बांटकर जताई खुशी

केटी न्यूज/गाजीपुर

दुल्लहपुर थाना अंतर्गत स्थानीय तिराहे पर सायंकाल तीसरी बार प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शपथ ग्रहण के बाद भाजपा के कार्यकताओं ने जमकर खुशी मनाई। स्टेट हाई-वे पर आतिशबाजी कर नारे लगाते हुए मिष्ठान का वितरण किया और खुशी का इजहार किया।

इस मौके पर भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता अनिल कुमार पांडेय ने कहा कि यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी तीसरी बार फिर प्रधानमंत्री बने हैं। मोदी जी विकास की वजह से तीसरी बार देश के अंदर प्रधानमंत्री का बागडोर संभाले हैं। ऐसे प्रधानमंत्री का हैट्रिक लगाना देश ही नहीं, विश्व में भी विख्यात हो चुके हैं।

उन्होंने सपा पर तंज कसते हुए कहा कि सपा के कार्यकर्ता हार कर भी खुशी मना रहे हैं और जमकर उन्माद कर रहे हैं। सपा के लोगों का ऐसे कार्य माफ करना सही नहीं है और भाजपा के लोग बर्दाश्त नहीं करेंगे।

गाजीपुर आजमगढ़ स्टेट हाई-वे पर आतिशबाजी करते और नारे लगाने लगाने से आधे घंटा स्टेट हाई-वे जाम रहा। दोनों तरफ वाहनों की लंबी कतारें लग गई थी, लेकिन

आधे घंटे बाद जैसे ही जाम छूटा लोग अपने गंतव्य तक पहुंच पाए। भाजपा मंडल अध्यक्ष मनोज यादव, प्रधान प्रतिनिधि दीपक चौरसिया, संजीव चौरसिया, गुलाब कुशवाहा, राम लखन मौर्य, रामाश्रय चौहान, राम जी वर्मा, बैजनाथ राम, प्रधान कमलेश चौहान, शिवम मोदी, मनजीत मद्धेशिया, मुरली सिंह, डॉ. विजय त्रिपाठी, रविंद गोड, मुन्ना राजभर, सहित अन्य लोग मौजूद रहे। विकास की वजह से तीसरी बार देश के अंदर प्रधानमंत्री का बागडोर संभाले है। ऐसे प्रधानमंत्री का हैट्रिक लगाना देश है नहीं विश्व में भी विख्यात हो चुके हैं।

उन्होंने सपा पर तंज कसते हुए कहा कि सपा के कार्यकर्ता हार कर भी खुशी मना रहे हैं और जमकर उन्माद कर रहे हैं। सपा के लोगों का ऐसे कार्य माफ करना सही नहीं है और भाजपा के लोग बर्दाश्त नहीं करेंगे।

गाजीपुर आजमगढ़ स्टेट हाई-वे पर आतिशबाजी करते और नारे लगाने लगाने से आधे घंटा स्टेट हाई-वे जाम रहा। दोनों तरफ वाहनों की लंबी कतारे लग गई थी लेकिन आधे घंटे बाद जैसे ही जाम छूटा लोग अपने गंतव्य तक पहुंच पाए। इस मौके पर भाजपा मंडल अध्यक्ष मनोज यादव, प्रधान प्रतिनिधि दीपक चौरसिया, संजीव चौरसिया, गुलाब कुशवाहा, राम लखन मौर्य, रामाश्रय चौहान, राम जी वर्मा, बैजनाथ राम, प्रधान कमलेश चौहान, शिवम मोदी, मनजीत मद्धेशिया, मुरली सिंह, डॉ. विजय त्रिपाठी, रविंद गोड, मुन्ना राजभर सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

जिला कारागार पहुंचा विधायक अब्बास अंसारी

केटी न्यूज / गाजीपुर।

बाहुबली स्व. मुख्तार अंसारी के विधायक बेटे अब्बास अंसारी को सुप्रीम कोर्ट से एक बार फिर चार दिन की कस्टडी पैरोल मिली है। इसके बाद रविवार को 4.30 बजे भोर में अब्बास को गाजीपुर जिला जेल लाया गया। अब्बास अंसारी इस समय कासगंज जेल में बंद हैं और उसको अपने पिता मुख्तार अंसारी की प्रार्थना सभा में भाग लेने के लिए सुप्रीम कोर्ट से पैरोल मिली है। सुप्रीम कोर्ट के आदेश के मुताबिक अब्बास अंसारी को जिला जेल में ही रखा जाएगा। बता दें कि 10 और 11 जून को उसे मुहम्मदाबाद स्थित उसके पैतृक आवास पर पुलिस कस्टडी में ले जाया जाएगा।

विधायक अब्बास को दो दिन रात में उसे जिला जेल में ही रखा जाएगा। दिन में वह अपने परिजनों के साथ रह सकेगा। इससे पूर्व अब्बास अंसारी को 10 अप्रैल को भी अपने पिता की कब्र पर फातिहा पढ़ने के लिए पैरोल मिली थी। बताते

चलें कि अब्बास अंसारी को जिला जेल के बैरक नंबर 10 में रखा गया है। इस बैरक में कभी उसके पिता मुख्तार अंसारी को रखा जाता था। अफजाल अंसारी को भी सजा के दौरान इसी बैरक में रखा गया था।वर्तमान में अब्बास अंसारी मऊ सदर से सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी के विधायक हैं और फिलहाल कासगंज की जेल में बंद है। विधायक अब्बास के पिता मुख्तार अंसारी की मौत 28 मार्च को बांदा के मेडिकल कालेज में हो गई थी। मुख्तार अंसारी को 30 मार्च को उसके पैतृक कब्रिस्तान मुहम्मदाबाद के कालीबाग में दफन किया गया था। देखा जाए तो माफिया डान मुख्तार अंसारी के जनाजे में शामिल होने की अनुमति अब्बास अंसारी को नहीं मिल सकी थी। लेकिन बाद में उसे पैरोल मिली थी और वह अपने पिता की फातिहा में शामिल हुआ था। अब एक बार फिर मुख्तार अंसारी के लिए प्रार्थना सभा आयोजित होनी है, जिसमें शामिल होने के लिए अब्बास अंसारी गाजीपुर पहुंच चुका है। सोमवार यानि 10 जून और उसके अगले दिन 11 जून को अब्बास को पुलिस कस्टडी में मुहम्मदाबाद ले जाया जाएगा। उसके बाद 12 जून की रात 12 बजे के बाद कभी भी अब्बास अंसारी को कासगंज जेल के लिए रवाना कर दिया जाएगा।

यूपी में अब तक 6 हजार से अधिक युवाओं के उद्यम हुए स्वीकृत

- मुख्यमंत्री युवा स्वरोजगार योजना और मुख्यमंत्री ग्रामोद्योग रोजगार योजना में प्रदेश की स्थिति
- उत्तर प्रदेश में अबतक 6259 युवाओं के उद्यम हुए स्वीकृत, 7500 का है लक्ष्य

केटी न्यूज / लखनऊ

प्रदेश के युवाओं को स्वरोजगार से जोड़ने के लिए शुरू की गई सीएम योगी आदित्यनाथ की फ्लैगशिप स्कीम 'मुख्यमंत्री युवा स्वरोजगार योजना' (एमवाईएसवाई) और 'मुख्यमंत्री ग्रामोद्योग रोजगार योजना' (एमएमजीआरवाई) ने शानदार प्रदर्शन किया है। प्रदेश में अब तक 6 हजार से अधिक युवाओं के छोटे बड़े उद्यमों को मुख्यमंत्री युवा स्वरोजगार योजना के अंतर्गत स्वीकृत किया जा चुका है। वहीं मुख्यमंत्री ग्रामोद्योग रोजगार योजना के अंतर्गत स्वीकृत हुए 723 इकाइयों में से 605 को धनराशि प्रदान की जा चुकी है।

हाल ही में प्रदेश के मुख्य सचिव दुर्गा शंकर मिश्र के सामने प्रस्तुत की गई राज्य स्तरीय बैंकर्स समिति की त्रैमासिक रिपोर्ट में इस बात की जानकारी दी गई है।

युवाओं के उद्यम के सपने को साकार कर रही योजना

बता दें कि उत्तर प्रदेश मुख्यमंत्री युवा स्वरोजगार योजना, प्रदेश के युवाओं को स्वरोजगार के लिए प्रोत्साहित करने के लिए प्रदेश सरकार द्वारा प्रारंभ की गई एक फ्लैगशिप योजना है। इस योजना को सितंबर 2018 में शुरू किया गया था। योजना का उद्देश्य प्रदेश के बेरोजगार युवाओ को उनके उद्यम के सपने को साकार करने के लिए वित्तीय सहायता और अन्य सहयोग प्रदान करना है। इसके अंतर्गत राज्य सरकार पात्र आवेदकों को इंडस्ट्री लगाने के लिए रु. 25लाख तक और सेवा क्षेत्र के लिए रु. 10 लाख तक का ऋण उपलब्ध कराती है। इस योजना की नोडल एजेंसी डीआईसी, कानपुर है। मुख्यमंत्री युवा स्वरोजगार योजना के अंतर्गत पात्र लाभार्थी को उत्तर प्रदेश का निवासी होना चाहिए, जिसकी उम्र 18 से 40 वर्ष के बीच होनी चाहिए। न्यूनतम शैक्षणिक योग्यता न्यूतम हाई स्कूल होना चाहिए और वह किसी भी राष्ट्रीयकृत बैंक का डिफॉल्टर नहीं होना चाहिए। सभी स्त्रोतों से उसकी (ओबीसी, अल्पसंख्यक और सामान्य वर्ग) वार्षिक आय 2 लाख रुपए से अधिक नहीं होनी चाहिए वहीं एससी-एसटी श्रेणी के लिए ये लिमिट ढाई लाख रुपए से अधिक नहीं होनी चाहिए।

7500 यूनिट्स को धनराशि प्रदान करने का लक्ष्य

उत्तर प्रदेश राज्य स्तरीय बैंकर्स समिति के संयोजक और बैंक ऑफ बड़ौदा के महाप्रबंधक समीर रंजन पांडा के अनुसार योजना का उद्देश्य प्रदेश के युवाओ को उद्यम शीलता के लिए प्रोत्साहित करने और अन्य युवाओं के लिए रोजगार का अवसर प्रदान करना है। इसके अंतर्गत राज्य सरकार युवाओ को वित्तीय सहायता उपलब्ध करा रही है, ताकि वे आत्मनिर्भर बन सके और अपने व्यवसाय का सफलतापूर्वक संचालन कर सकें। रिपोर्ट के अनुसार प्रदेश में मुख्यमंत्री युवा स्वरोजगार योजना के अंतर्गत 7500 यूनिट्स को धनराशि प्रदान करने का लक्ष्य रखा गया था, जिसके सापेक्ष अबतक 6259 इकाइयों को सरकार की ओर से स्वीकृति मिल चुकी है। वहीं अबतक 5648 इकाइयों को धनराशि वितरित की जा चुकी है। इसमें शुरूआत में कुल मार्जिन मनी 14550 लाख रुपए तय की गई थी, जिससे अधिक अबतक 16360 लाख रुपए को स्वीकृति मिल चुकी है, जबकि 14821 लाख रुपए युवाओं को वितरित भी किये जा चुके हैं। बात करें मुख्यमंत्री ग्रामोद्योग रोजगार योजना की तो इसमें भी 800 इकाइयों को लाभान्वित करने का लक्ष्य रखा गया था, जिसमें से 90 प्रतिशत से अधिक यानी 723 इकाइयों को स्वीकृति मिल चुकी है और लक्ष्य का 76 प्रतिशन यानी 605 यूनिट्स को लाभान्वित किया जा चुका है।

एक नजर

टूरिस्ट बस व टाटा मैजिक से हुई टक्कर चालक घायल, बस में 49 लोग थे सवार

जौनपुर। वाराणसी - लखनऊ राष्ट्रीय राजमार्ग पर जलालपुर के सिरकोनी बाजार में शनिवार की भोर में टूरिस्ट बस और टाटा मैजिक से टक्कर हो गयी जिसमें एक चालक गंभीर रूप से घायल हो गया। टक्कर इतनी जबरजस्त थी कि आसपास के लोग आवाज सुनकर मौके पर पहुंच गए। जौनपुर से वाराणसी की तरफ एक टूरिस्ट बस जो इंडो नेपाल ट्रेवेल्स के नाम की थी जो अयोध्या से लोगो को लेकर वाराणसी जा रही थी।सिरकोनी बाजार के पास से एक टाटा मैजिक अपनी गाड़ी मोड़कर राजेपुर की तरफ जाने के लिए जैसे ही गाड़ी मोड़ी जौनपुर की तरफ से आ रही बस ने टक्कर मार दी। मैजिक चालक बादल राजभर पुत्र मंगल राजभर निवासी नत्थनपुर गभीर रूप से घायल हो गया। स्थानीय लोगों की मदद से पुलिस को सूचना दी गयी। मौके पर पहुँची पुलिस मैजिक को कब्जे में लेकर जांच पड़ताल में जुट गई। वहीं बस चालक मौके से फरार हो गया है। बस में 49 यात्री से सभी को हल्की चोटे आयी बाकी सब सुरक्षित है।

वृद्धाश्रम में भोजन का किया गया वितरण

जौनपुर। रविवार को सर सैय्यद एजुकेशनल सोशल वेलफेयर सोसायटी के तत्वावधान में महासचिव आरिफ खान ने नगर के सैय्यद अलीपुर में स्थित वृद्धाश्रम में अपने सहयोगियों के साथ पहुँचकर निस्वार्थ भाव से वृद्धजनों में भोजन का वितरण किया और गर्मी के मद्दे नजर वृद्धाश्रम को उपहार में एक कूलर भी भेंट किया। साथ ही कुछ समय तक आरिफ खान ने वृद्धजनों के साथ समय व्यतीत करके उनका हाल चाल जाना। इस अवसर पर मीडिया से बात करते हुए सर सैय्यद एजुकेशनल सोशल वेलफेयर सोसायटी के महासचिव आरिफ खान ने बताया कि हर धर्म में गरीबों को भोजन कराना और उनकी सेवा करना बहुत पुनीत का कार्य है इसीलिए हमें ज्यादा से ज्यादा इस तरह के लोगों की मदद करते रहना चाहिए। उन्होंने कहा कि इस आश्रम में स्थित बुजुर्गजन हमसबके मां के समान हैं इनका ध्यान देना व इन्हें अकेला पन महसूस न हो इसके लिये हमें इनके पास इस तरह का आयोजन निरंतर करते रहना चाहिए वार्ड नम्बर 17 रौजा अर्जन के सभासद एवं कोषाध्यक्ष शाहनवाज मंजूर ने कहा कि वृद्धाश्रम लोगों की अंतिम उम्मीद है इसलिये उन्हें हर सुख सुविधाओं से सुसज्जित होना चाहिए और उसे सुसज्जित करना हम सभी का कर्तव्य व जिम्मेदारी है जिससे वहां रहने वाले लोग बेहतरीन और सुखमय जीवन यापन कर सकें। इस अवसर पर इकबाल अहमद,इंजीनियर कासिम मुस्तफा, रवि चौबे, मोहम्मद ताहिर,वीरेंद्र निषाद,पप्पू विश्वकर्मा, असद खान समेत आदि उपस्थित रहे।

11 जुलाई को जनसंख्या बिल पास कराने को सौंपेंगे ज्ञापन

चंदौली जनसंख्या नियंत्रण कानून के बिल को संसद के सत्र में पास कराने के उद्देश्य पूर्ति के लिए जनसंख्या समाधान फाउण्डेशन के केन्द्रीय कमेटी के बैठक में 11जुलाई को उत्तर प्रदेश के प्रत्येक ज़िले के ज़िला अधिकारी को ज़िला अध्यक्ष के नेतृत्व में कार्यकारिणी सदस्यों द्वारा धरना के पश्चात ज्ञापन देने के सम्बन्ध में बैठक आहूत की गई।आगामी योजना को गति प्रदान करने के उद्देश्य से संस्था के मुख्य संरक्षक वरिष्ठ प्रचारक आरएसएस डॉ० इन्द्रेश कुमार राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल चौधरी व प्रदेश अध्यक्ष जनसंख्या समाधान फाउण्डेशन रविंद्र गुर्जर जी के स्तुति में प्रदेश उपाध्यक्ष खरऋदीपक आर्य(बैद्य)को काशी प्रान्त का प्रभारी नियुक्त किया गया। शीर्ष नेतृत्व का आभार प्रकट करते हुए दीपक आर्य ने कहा कि जनसंख्या नियंत्रण कानून की देश में नितान्त आवश्यकता है। पर्यावरण संतुलन खनिज पदार्थों का दोहन के साथ ही साथ लोकसभा चुनाव में भी असंतुलन का प्रभाव दृश्यमान होता है।

खबरें फटाफट

रामघाट पर मुम्बई से घुमने आए पर्यटक ने लगाई फांसी

वाराणसी। गंगा किनारे रामघाट पर एक पर्यटक ने निमार्णाधीन बिल्डिंग पर फांसी लगाकर जान दे दी। कोतवाली थाना में आने वाले रामघाट कर बन रहे बिल्डिंग पर लटकता शव देखकर पूरे इलाके में सनसनी मच गई। मृतक युवक मुंबई का रहने वाला है। कुछ दिन पहले काशी घूमने आया था। युवक सुबह गंगा स्नान किया। इसके बाद पास में स्थित निमार्णाधीन मकान के सेंटरिंग पाइप के सहारे फांसी लगा लिया। अपना बैग लेकर ही पाइप पर लटक गया। सुसाइड के बाद पुलिस को उसके पास जेब से मोबाइल बरामद किया है। पुलिस के मुताबिक मृत युवक की पहचान नवी मुंबई के रहने वाले ओमल अनंत पांडेय (30) के तौर पर हुई है। पुलिस ने शव को मंडलीय अस्पताल के मोर्चरी में भेज दिया है।फिलहाल, कोतवाली थाने की पुलिस द्वारा उसके परिजनों से संपर्क करने की कोशिश की जा रही है।

हाइवा ने ट्रैक्टर ट्राली में पीछे से मारी टक्कर चालक की मौत

सोनभद्र। रॉबर्ट्सगंज कोतवाली क्षेत्र में वाराणसी-शक्तिनगर हाइवे पर मधुपुर फ्लाई ओवर के समीप सुबह हाइवा ने ट्रैक्टर ट्राली में पीछे से जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जोरदार थी की ट्रैक्टर ट्राली पलट गयी। जिससे जोरदार टक्कर से ट्रैक्टर चालक नीचे गिर गया। ट्रैक्टर ट्राली दबने से मौके पर ही मौत हो गयी। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेते हुए उसे पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया। जानकारी के अनुसार जगदीश पाल (42) पुत्र विजय बहादुर पाल निवासी सुकृत (परसहवा टोला) ट्रैक्टर ट्राली ले कर सुकृत से मधुपुर बांस लेने अपने रिश्तेदार के यहां आ रहा था। वह फ्लाईओवर के पास पहुंचा था, की अचानक पीछे से हाइवा ने टक्कर मार दी। ट्रैक्टर चालक नीचे गिरने के कारण ट्राली के नीचे दब गया। जिससे चालक की मौके पर ही मौत हो गयी।

वीडियो वायरल करने का भय दिखाकर कई बार पीड़िता के साथ किया दुराचार

विधवा संग दुष्कर्म का बनाया वीडियो, कोर्ट के आदेश पर मऊ पुलिस ने दर्ज किया मुकदमा

- तमंचे के बल पर आरोपी ने किया था विधवा से दुष्कर्म
- पुलिस ने न तो मुकदमा लिखा और न ही कोई कार्रवाई की

केटी न्यूज/ मऊ

मऊ के मधुबन के एक गांव में एक विधवा महिला संग दुराचार के आरोप में पुलिस ने एक व्यक्ति के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है। आरोपी द्वारा अश्लील वीडियो क्लिप बनाकर उसे वायरल करने की धमकी भी दी जा रही थी। यह मुकदमा न्यायलय के आदेश पर दर्ज हुआ है। घटना के समय स्थानीय पुलिस ने कोई कार्रवाई नहीं की थी। जिसके बाद पीड़ित महिला ने कोर्ट का दरवाजा खटखटाया था।

पुलिस ने मुकदमा लिखने से किया था इन्कार

पीड़ित महिला का आरोप है कि क्षुब्ध होकर उसने इसकी शिकायत पुलिस से की। लेकिन पुलिस ने न तो मुकदमा लिखा और न ही कोई कार्रवाई की। इसके बाद उसने कोर्ट में अर्जी देकर न्याय की गुहार लगाई थी।

विरोध करने पर जान से मारने की धमकी भी दी

पीड़ित महिला का आरोप है कि बीते 28 मई की रात वह भोजन करने के बाद अपने घर के दरवाजे से कुछ दुरी पर टहल रही थी। उसी दौरान भेलऊर लठिया निवासी रामनिवास मल्ल बाइक से आया और उसका मोबाइल छिन लिया। तमंचा के बल पर उसे अपनी बाइक पर बैठा कर गांव से दूर एक कट्रेन शेड में ले गया। उसके साथ दुराचार किया। विरोध करने पर जान से मारने की धमकी भी दी।

बनाया अश्लील वीडियो

आरोपी ने पीड़िता का अश्लील वीडियो क्लिप भी बनाया और किसी से कुछ कहने पर वीडियो को वायरल करने की धमकी भी दी। लोक-लाज के डर से वह चुप रही। इसके बाद आरोपी द्वारा वीडियो वायरल करने का भय दिखाकर कई बार उसके साथ कर दुराचार किया गया। थाना प्रभारी मधुबन रविंद्र नाथ राय ने बताया कि असलहा के दम पर दुराचार करने एवं सोने की चेन छीनने के आरोप में कोर्ट के निर्देश पर पुलिस ने एक व्यक्ति के खिलाफ संबंधित धाराओं में मुकदमा पंजीकृत किया है। आरोपी की तलाश की जा रही है। जल्द ही उसे गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

फ्री में इनवर्टर लगाने के नाम पर

होल्डर में लगाया सीसी कैमरे महिला का बनाया आपत्तिजनक वीडियो

केटी न्यूज/मऊ।

कोतवाली क्षेत्र के गांव निवासी महिला ने एक युवक के विरुद्ध मुकदमा दर्ज कराया है। आरोप लगाया कि आरोपी ने फ्री में इनवर्टर लगाने के नाम पर धोखे से होल्डर में छिपा कर कैमरा लगाया और उसका आपत्तिजनक वीडियो बना लिया। इसके बाद अब वह फुटेज पति को भेजकर रिश्तों में दरार डाल रहा है। पीड़िता ने पुलिस पर भी मामला संज्ञान में आने के बाद भी आरोपी के विरुद्ध कार्रवाई न करने का आरोप लगाया। दर्ज मुकदमे के अनुसार पीड़िता ने बताया कि वह सिलाई-कढ़ाई की दुकान के साथ स्वयं सहायता समूह से जुड़ी है। बताया कि बीते कुछ दिन पहले घोसी के अकोल्ही गांव निवासी राज विजय चौरसिया पुत्र दयाशंकर चौरसिया दुकान पर आया और समूह से संबंधित पैकेजिंग का कार्य करने की बात बताई। इसके लिए वायरिंग के साथ-साथ इनवर्टर लगाकर कार्य को सुचारू रूप से करने की इच्छा जताई। यह कार्य स्वयं कराने को कहा तथा लगने वाले खर्च के बारे में चुकता करने की बात करने का झांसा देकर उसने मुझे तैयार कर दिया। जिस पर वायरिंग का कार्य कराते समय बिना बताये। मेरे मर्जी के बगैर बल्ब के होल्डर में चुपके से सीसी कैमरा लगाकर मोबाइल के जीपीएस से जोड़कर ऑडियो वीडियो बनाता रहा। उसकी इस अपराध का पता उसे उस समय पता चला कि जब आरोपी ने पति के फोन पर उसके वीडियो और ऑडियो क्लिप भेजा। अब आरोपी इसे सार्वजनिक कर उसे ब्लैकमेल कर रहा है। पुलिस ने शिकायत मिलने पर जब जांच की तो शिकायत सही मिला, वहीं सीसी कैमरा भी उसे मिला। बावजूद आरोपी को बिना कोई कार्रवाई किए बिना ही छोड़ दी। जिसके बाद अब आरोपी अब जान से मारने की धमकी दे रहा है। इस संबंध में सीओ घोसी दिनेशदत्त मिश्रा का कहना है कि मामला संज्ञान में है, जांच की जा रही है।

ट्रेन की चपेट में आने से भाई-बहन की मौत, परिजनों में मचा कोहराम

केटी न्यूज / मिजार्पुर

- जीआरपी ने दोनों की शिनाख्त कराकर परिजनों को दिया सूचना

कटरा कोतवाली क्षेत्र के संगमोहाल ओवरब्रिज के पास शनिवार की रात ममेरे भाई-बहन ट्रेन की चपेट में आ गया। ट्रेन का साइड टक्कर लगने से दोनों दूर जा गिरे। हादसे में दोनों की मौत हो गई। स्थानीय लोगों की सूचना पर कटरा कोतवाली और जीआरपी की टीम मौके पर पहुंची। जीआरपी ने शव की शिनाख्त कराकर परिजनों को सूचना दिया। सूचना पर पहुंचे परिजनों में कोहराम मच गया।पड़री थाना क्षेत्र के इंदीक पुरा गांव के मूल निवासी भीम सिंह पिछले 15 वर्षों से परिवार के साथ कटरा कोतवाली क्षेत्र के पुरानी दशमी मोहल्ले में किराए के मकान में रहते हैं। उनके साथ उनकी पत्नी तीन पुत्री और एक पुत्र रहता है। चार दिन पहले भीम का भांजा कन्हैया (24) पुत्र सुरेश निवासी रुहरी थाना रानी की सराय आजमगढ़ आया था। कन्हैया मुंबई में अपने पिता सुरेश के पास रहकर ठेकेदारी व अन्य काम करता था। सात माह से वह घर पर था। वह अपने मामा भीम सिंह के यहां अक्सर आता रहता था। एक सप्ताह पहले वह मामा के घर आया था। इसके बाद अपने घर चला गया। चार दिन पहले फिर आया था। शनिवार की रात को कन्हैया अपनी ममेरी बहन मनीषा सिंह (15) के साथ सामान खरीदने बाहर निकला था। संगमोहल ओवर ब्रिज के पास दोनों ट्रेन की चपेट में आ गए, जिससे दोनों की मौत हो गई। सूचना पर कटरा कोतवाली पुलिस और जीआरपी के लोग पहुंचे। मनीषा के पिता भीम ने बताया कि देर शाम को दोनों सब्जी लेने निकले थे। मनीषा एक भाई व तीन बहनों में तीसरे नंबर पर थी। गुरुनानक स्कूल में वह कक्षा नौ की छात्रा थी। कन्हैया तीन भाईयों में सबसे छोटा था। जीआरपी प्रभारी अनिल त्रिपाठी ने बताया कि ट्रेन की चपेट में आने से ममेरे भाई-बहन की मौत हो गई। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है।

नरेंद्र मोदी के तीसरे कार्यकाल की सफलता के लिए मां गंगा से की कामना

शपथ ग्रहण से पूर्व काशी में कार्यकताओं ने किया पूजन व दुग्धाभिषेक

- दशाश्वमेध घाट पर नमामि गंगे वाराणसी महानगर की ओर से मां गंगा का दुग्धाभिषेक कर भव्य उतारी गई आरती

केटी न्यूज/वाराणसी

नरेंद्र मोदी के लगातार तीसरी बार शपथ ग्रहण के अवसर पर नमामि गंगे ने रविवार को महर्षि योगी विद्याश्रम के वेदपाठी बटुकों के साथ सिंधिया घाट पर मां गंगा का दुग्धाभिषेक करके मोदी मंत्रिमंडल के लिए आशीर्वाद मांगा। नमामि गंगे काशी क्षेत्र के संयोजक राजेश शुक्ला ने कहा कि पीएम मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व ने आर्थिक विकास, सामाजिक कल्याण और तकनीकी प्रगति पर जोर देने वाली अनेक आर्थिक और सामाजिक योजनाओं की शुरूआत की, जिनसे विकास को गति मिल रही है। भारत समृद्धि की ओर बढ़ रहा है। कहा कि मां गंगा का आशीर्वाद सदैव प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ है। आयोजन में महर्षि योगी विद्याश्रम के प्रभारी सीमंत केसरी स्वाइं, सुनील श्रीवास्तव, वेदपाठी बटुक शुभम शुक्ला, दुर्गेश मिश्रा, सोहन पाठक, अनुराग दुबे, आशुतोष पांडेय आदि शामिल रहे। भाजपा कार्यकताओं ने भी किया गंगा पूजन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के शपथ ग्रहण समारोह से पहले भी काशी के विभिन्न घाटों पर भाजपा कार्यकताओं ने गंगा पूजन किया। दौरान हर-हर मोदी के जयकारे भी लगे।

पीएम नरेंद्र मोदी के तीसरे कार्यकाल की सफलता के लिए मांगा आशीर्वाद

पीएम मोदी राष्ट्रपति भवन में भारत के प्रधानमंत्री के रूप में तीसरी बार शपथ लेंगे। एनडीए के गठबंधन में बनी सरकार समृद्ध व विकसित भारत के निर्माण में सफलता की नई गाथा लिखे, इस हेतु रविवार को दशाश्वमेध घाट पर नमामि गंगे वाराणसी महानगर की ओर से मां गंगा का दुग्धाभिषेक कर भव्य आरती उतारी गई। नमामि गंगे गंगा विचार मंच के जिला संयोजक शिवम अग्रहरि के नेतृत्व में बड़ी संख्या में नारी शक्ति सहित आमजन ने आरती में सहभागिता की। आरती के दौरान हाथों में पीएम मोदी की तस्वीरों सहित मोदी के विराट संकल्पों जैसे विकसित भारत, विश्व गुरु भारत, श्रेष्ठ भारत, आत्मनिर्भर भारत, तीसरी आर्थिक महाशक्ति बने भारत आदि लिखी तख्तियां लिए भारत माता की जयजयकार गंगा मईया, हर हर महादेव के जयघोष कर रहे थे।

भाजपाजनों ने भी किया दुग्धाभिषेक

रविवार को भाजपा काशी क्षेत्र उपाध्यक्ष पिछड़ा वर्ग मोर्चा अनूप जायसवाल के नेतृत्व में दशाश्वमेध घाट पर नरेन्द्र मोदी के शपथ ग्रहण के दिवस पर एनडी/भाजपा सरकार बनने पर मां गंगा का दुग्धाभिषेक व पूजन अर्चन किया गया। इस दौरान अजय गुप्ता, प्रदीप जायसवाल, मंगलेश जायसवाल, अनुप गुप्ता, जयकिशन गुप्ता, गोपाल, मोनू गुप्ता, सुबीर गुप्ता, धीरेन्द्र शर्मा, आदित्य गोयनका आदि रहे।

सुभाषितम्

पीड़ा से दृष्टि मिलती है, इसलिए आत्मपीड़न ही आत्मदर्शन का माध्यम है।

- भगवान महावीर

पैर पर कुल्हाड़ी मारने वाला भरोसा

कहते हैं दो लोगों के रिश्ते तभी तक चलते हैं, जब तक कि दोनों के दरमियां एक भरोसा कायम है। जहां किसी एक का भी भरोसा टूटा, रिश्ता लंगड़ा-लूला, गूंगा-बहरा यानी कि अपंगता को प्राप्त हो जाता है। ऐसा रिश्ता बहुत दिनों तक ढोया नहीं जा सकता। इसलिए वक्त से पहले दरारों को भरने और किसी प्रकार का कोई भ्रम पैदा न हो, इसकी कोशिशें भी करते रहने की सलाह दी जाती है। बहरहाल यहां बात हम पारिवारिक पति-पत्नी वाले रिश्तों की नहीं कर रहे बल्कि दो देशों के बीच बनने वाले प्रगाढ़ रिश्तों की कर रहे हैं। याद दिलाते चलें कि जिस पड़ोसी की बात हम करने जा रहे हैं, उससे हमारे रिश्ते पहले कभी भाई-भाई के रहे हैं। जब भरोसा परवान चढ़ा और तत्कालीन सरकार ने हर तरह के रास्ते खोलने और करीबी रिश्तों में आने की बात कही तो सीमा पार से उसी ने एक बड़ा धोखा दिया और हिंदी-चीनी भाई-भाई वाले रिश्ते पलभर में ही जमींदोज हो गए। आज वही चीन एक बार फिर अपना असली चेहरा दिखाने को तैयार दिख रहा है। दरअसल इस दुनियां की जन्नत कहे जाने वाले हमारे जम्म-कश्मीर को लेकर चीन ने पाकिस्तानी राग के साथ अपना बेसुरा राग मिलाने जैसा काम कर दिखाया है। अब पाकिस्तानी-चीनी भाई-भाई के नारे बुलंद करते ये दोनों ही मुल्क भारत के खिलाफ जहर उगलने का काम कर रहे हैं। पाक और चीन ने शनिवार को ही संयुक्त बयान में दक्षिण एशिया में कश्मीर सहित सभी लंबित मुद्दों के समाधान के लिए किसी भी एकतरफा कार्रवाई का विरोध करने का एहद किया है। यहां समझ लें कि पाकिस्तान के लिए ऐसा इसलिए भी जरुरी है क्योंकि पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ चीन यात्रा पर हैं। ऐसे में यदि पीएम शहबाज कश्मीर की बात नहीं करते तो वो अपने आकाओं और रणनीतिकारों के सामने कौन सा मुंह लेकर जाते और ऐसे में तो वो जवाबदेह बन जाते। उनकी मजबूरी तो समझ में आती है, लेकिन चीन और उनके रणनीतिकारों को क्या हो गया है, जो भारत के खिलाफ इस कदर जहर उगलने को बाध्य हो रहे हैं। चीन तो पाकिस्तान की तरह राजनीतिक और आर्थिक संकट के दौर से तो नहीं गुजर रहा है। उसे तो सच बोलना चाहिए और सच का ही साथ देना चाहिए, लेकिन वह ऐसा जानबूझ कर करता है, ताकि बेमतलब दबाव बनाया जा सके और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर भारत को दबाने और अपनी मर्जी से कुछ और गलत कार्यों को करने का रास्ता बना सके। गौरतलब है कि दोबारा प्रधानमंत्री बनने के बाद शहबाज शरीफ अपनी चार दिवसीय चीन यात्रा पर थे, जो कि अब समाप्त हो चुकी है, लेकिन इस दौरान वो अपने मकसद को पाने में सफल रहे हैं। दरअसल इस यात्रा से चीनी निवेश और सहायता को बढ़ाने का मकसद तो था सो था लेकिन उन्हें यह भी दिखलाना था कि चीन उनके साथ हर स्थिति में खड़ा हुआ है। एक तरफ पाकिस्तान गंभीर आर्थिक संकट का सामना कर रहा है तो दूसरी तरफ आतंकवादी गतिविधियों के चलते सुरक्षा दृष्टि से भी गंभीर संकट देश में उत्पन्न हो गया है। अनेक चीनी अधिकारी पाकिस्तान में निर्माण कार्य करते हुए मारे जा चुके हैं, जिसका जवाब पाकिस्तान सरकार को देते नहीं बना है। अतः लीपापोती करते हुए कार्य को आगे बढ़ाने और अधिक से अधिक आर्थिक सहायता प्राप्त करने चीन पहुंचे पाकिस्तान के प्रधानमंत्री ने लगे हाथ कश्मीर का मसला उठाकर अपने आकाओं को भी खुश करने जैसा काम कर दिखाया है। गौर करने वाली बात तो यह भी है कि एक तरफ भारत जैसे बड़े बाजार को चीन खोना नहीं चाहता और दूसरी तरफ वह यह भी नहीं चाहता है कि भारत के रिश्ते किसी और देश से बेहतर हों। ऐसे में वह आतंकवाद को प्रश्रय देने वाले देशों को आर्थिक मदद पहुंचा कर भारत के खिलाफ एक षडयंत्र रचने का काम करता है तो आश्चर्य नहीं होना चाहिए। यह संभवतः उसकी नीति और नीयत में विद्यमान है। इसलिए लगातार यह कहा जाता रहा है कि भारत अपनी विदेश नीति के तहत दूसरे देशों से संबंध बनाए। सच्चे दोस्तों से बराबर मेल-जोल रखे और नए रिश्ते बनाने या व्यापार शुरू करने से पहले यह जान ले कि ऐसा करने से हमारे पुराने दोस्तों को किसी तरह का कोई आघात तो नहीं लगने वाला है। पिछले कुछ सालों में ऐसा देखने को मिला है कि व्यापार के नाम पर हमने अपने शुभचिंतक मित्र देशों से दूरी बना ली है, जिस कारण अब वो देश सिर उठाने लगे हैं जो पहले कभी हमारी तरफ दीन-हीन भावना के साथ कातर नजरों से देखते रहे हैं।

चिंतन-मनन

रजा का खजाना

फारस के शासक साइरस अपनी प्रजा की भलाई में जुटे रहते थे। लेकिन खुद उनका जीवन सादगी से भरा था। वह रियासत की सारी आमदनी व्यापार, उद्योग और खेतीबाड़ी में लगा देते थे। इस कारण शाही खजाना हल्का रहता था। लेकिन प्रजा खुशहाल थी। एक दिन साइरस के दोस्त और पड़ोसी शासक प्रोशियस उनके यहां आए। उनका मिजाज साइरस से बिल्कुल अलग था। उन्हें प्रजा से ज्यादा अपनी खुशहाली की चिंता रहती थी। उनका खजाना हमेशा भरा रहता था। बातों-बातों में जब प्रोशियस को साइरस के खजाने का हाल मालूम हुआ तो उन्होंने साइरस से कहा, अगर आप इसी तरह प्रजा के लिए खजाना लुटाते रहोगे तो एक दिन वह एकदम खाली हो जाएगा। आप कंगाल हो जाओगे। अगर आप भी मेरी तरह खजाना भरने लगें तो आपकी गिनती मेरी तरह सबसे धनी शासकों में होने लगेगी। साइरस मुस्कराए फिर बोले आप दो दिन ठहरिए मैं इस मामले में लोगों का इम्तिहान लेना चाहता हूं। उन्होंने घोषणा करवा दी कि एक बहुत बड़े काम के लिए साइरस को दौलत की निहायत जरूरत है। उन्हें पूरी उम्मीद है कि प्रजा मदद करेगी। दो दिन पूरा होने से पहले ही शाही महल के बाहर मोहरों, सिक्कों व जेवरों का बड़ा ढेर लग गया। यह देख प्रोशियस हैरत में पड़ गए। साइरस ने कहा, मैंने रियासत का खजाना लोगों की खुशहाली पर खर्च करके एक तरह से उन्हीं को सौंप दिया है। लोग उसमें इजाफा करते रहते हैं। मुझे जब जरूरत होगी वे मुझे लौटा देंगे जबकि तुम्हारा खजाना बांझ है, वह कोई बढ़ोतरी नहीं कर रहा है।

आर्थिक विकास के दृष्टि से महत्वपूर्ण रहा पिछला वर्ष

- प्रहलाद सबनानी

हाल ही में वित्तीय वर्ष 2023-24 के दौरान भारतीय अर्थव्यवस्था में हुए विकास से सम्बंधित आंकड़े जारी किये गए है। इसके अनुसार वित्तीय वर्ष 2023-24 में भारत के सकल घरेलू उत्पाद में 8.2 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई है जबकि वित्तीय वर्ष 2022-23 में भारत की आर्थिक विकास दर 7 प्रतिशत की रही थी। भारतीय रिजर्व बैंक एवं वैश्विक स्तर पर कार्यरत विभिन्न वित्तीय संस्थानों ने वित्तीय वर्ष 2023-24 में भारत की आर्थिक विकास दर का अनुमान लगाते हुए कहा था कि यह 7 प्रतिशत के आसपास रहेगी। परंतु, वित्तीय 2023-24 के दौरान भारत की आर्थिक विकास दर इन अनुमानों से कहीं अधिक रही है। वित्तीय वर्ष 2023-24 की चौथी तिमाही में भी भारत की आर्थिक विकास दर 7.8 प्रतिशत रही है जो पिछले वित्तीय वर्ष की चौथी तिमाही में 6.1 प्रतिशत रही थी। पूरे विश्व में प्रथम 10 सबसे बड़ी अर्थव्यवस्थाओं की आर्थिक विकास दर भारत की आर्थिक विकास दर के कहीं आसपास भी नहीं रही है। अमेरिका की आर्थिक विकास दर 2.3 प्रतिशत, चीन की आर्थिक विकास दर 5.2 प्रतिशत, जर्मनी की आर्थिक विकास दर तो ऋणात्मक 0.3 प्रतिशत रही है। जापान की आर्थिक विकास दर 1.92 प्रतिशत, ब्रिटेन की 0.1 प्रतिशत, फ्रान्स की 0.9 प्रतिशत, ब्राजील की 2.91 प्रतिशत, इटली की 0.9 प्रतिशत एवं कनाडा की 1 प्रतिशत रही है, वहीं भारत की आर्थिक विकास दर 8.2 प्रतिशत रही है। 8 प्रतिशत से अधिक की विकास दर को देखते हुए अब तो ऐसी सम्भावना व्यक्त की जा रही है कि वर्ष 2027 तक जर्मनी एवं जापान की अर्थव्यवस्थाओं को पीछे छोड़ते हुए भारत विश्व की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था निश्चित ही बन जाएगा। विनिर्माण, खनन, भवन निर्माण एवं सेवा क्षेत्र, यह चार क्षेत्र ऐसे हैं जो भारत के सकल घरेलू उत्पाद को तेजी से आगे बढ़ाने में अपना विशेष योगदान देते हुए नजर आ रहे हैं। यह स्पष्ट रूप से केंद्र सरकार की आर्थिक नीतियों के चलते ही सम्भव हो पा रहा है।

वास्तविक सकल मान अभिवृद्धि के आधार पर, वित्तीय वर्ष 2023-24 की चतुर्थ तिमाही में विनिर्माण के क्षेत्र में 8.9 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज हुई है जबकि वित्तीय वर्ष 2022-23 की इसी अवधि में केवल 0.9 प्रतिशत की वृद्धि दर हासिल की जा सकी थी। इसी प्रकार, खनन के क्षेत्र में भी इस वर्ष की चतुर्थ तिमाही में वृद्धि दर 4.3 प्रतिशत की रही है जो पिछले वर्ष इसी अवधि में 2.9 प्रतिशत की रही थी। भवन निर्माण के क्षेत्र में 8.7 प्रतिशत की वृद्धि दर हासिल की गई है जो पिछले वर्ष इसी अवधि में 7.4 प्रतिशत की रही थी। नागरिक प्रशासन, सुरक्षा एवं अन्य सेवाओं के क्षेत्र में वृद्धि दर 4.7 प्रतिशत से बढ़कर 7.8 प्रतिशत हो गई है। ऊर्जा उत्पादन क्षेत्र में वृद्धि दर पिछले वर्ष की चौथी तिमाही में 7.3 प्रतिशत से बढ़कर इस वर्ष चौथी तिमाही में 7.7 प्रतिशत पर पहुंच गई है। परंतु, कृषि, सेवा एवं वित्तीय क्षेत्र में वित्तीय वर्ष 2023-24 की चौथी तिमाही में वृद्धि दर पिछले वर्ष की इसी तिमाही की तुलना में कुछ कम रही है।

वैश्विक स्तर पर अन्य देशों के सकल घरेलू उत्पाद में लगातार कम हो रही वृद्धि दर के बावजूद भारत के सकल घरेलू उत्पाद में तेज गति से वृद्धि दर का होना यह दर्शाता है कि अन्य देशों की अर्थव्यवस्थाओं में आ रही परेशानियों का असर भारतीय अर्थव्यवस्था पर नहीं के बराबर हो रहा है एवं भारतीय अर्थव्यवस्था अपनी आंतरिक शक्ति के बल पर तेज गति से आर्थिक वृद्धि करने में सफल हो रही है।

परंतु, भारत में कुछ क्षेत्र ऐसे भी हैं जिन पर, आर्थिक विकास की गति को और अधिक तेज करने के उद्देश्य से विशेष ध्यान देने की आवश्यकता है। जैसे, हाल ही के समय में भारत में निजी खपत नहीं बढ़ पा रही है और यह 4 प्रतिशत की दर पर ही टिकी हुई है। साथ ही, निजी क्षेत्र में पूंजी निवेश भी नहीं बढ़ पा रहा है। भारत में निजी खपत कुल सकल घरेलू उत्पाद का 60 प्रतिशत है। यदि सकल घरेलू उत्पाद के इतने बड़े हिस्से में वृद्धि नहीं होगी अथवा कम वृद्धि दर होगी तो देश में सकल घरेलू उत्पाद में वृद्धि दर भी विपरीत रूप से प्रभावित होगी। भारत में निजी खपत इसलिए भी नहीं बढ़ पा रही है क्योंकि वित्तीय वर्ष 2022-23 में घरेलू देयताएं सकल घरेलू उत्पाद के 5.7 प्रतिशत के उच्चत्तम स्तर पर पहुंच गईं हैं एवं बचत की दर भी सकल घरेलू उत्पाद के 5.2 प्रतिशत पर अपने निचले स्तर पर आ गई है, जो 10 वर्ष पूर्व 7 प्रतिशत से अधिक थी।

वहीं दूसरी ओर, दिसम्बर 2023 के प्रथम सप्ताह में भारत ने फ्रान्स एवं ब्रिटेन को पीछे छोड़ते हुए शेयर बाजार के पूंजीकरण के मामले में पूरे विश्व में पांचवा स्थान हासिल कर लिया था। भारत से आगे केवल अमेरिका, चीन, जापान एवं हांगकांग थे। परंतु, केवल दो माह से भी कम समय में भारत ने शेयर बाजार के पूंजीकरण के मामले में हांगकांग को पीछे छोड़ते हुए विश्व में चौथा स्थान प्राप्त कर लिया है। भारतीय शेयर बाजार का पूंजीकरण 4.35 लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर से भी अधिक का हो गया है। अब ऐसा आभास होने लगा है कि भारत अर्थ के क्षेत्र में वैश्विक स्तर पर अपनी खोई हुई प्रतिष्ठा को पुनः प्राप्त करता हुआ दिखाई दे रहा है। भारत में नैशनल स्टॉक एक्स्चेंज पर लिस्टेड समस्त कम्पनियों के कुल बाजार पूंजीकरण का स्तर 2 लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर के स्तर पर जुलाई 2017 में पहुंचा था और लगभग 4 वर्ष पश्चात अर्थात मई 2021 में 3 लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर के स्तर को पार कर गया था तथा केवल लगभग 2.5 वर्ष पश्चात अर्थात दिसम्बर 2023 में यह 4 लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर के स्तर को भी पार कर गया था और अब यह 4.35 लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर के स्तर से भी आगे निकल गया है। इस प्रकार भारत शेयर बाजार पूंजीकरण के मामले में आज पूरे विश्व में चौथे स्थान पर आ गया है।

प्रथम स्थान पर अमेरिकी शेयर बाजार है, जिसका पूंजीकरण 50.86 लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर से अधिक है। द्वितीय स्थान पर चीन का शेयर बाजार है जिसका पूंजीकरण 8.44 लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर से अधिक है। वर्ष 2023 में चीन के शेयर बाजार ने अपने निवेशकों को ऋणात्मक प्रतिफल दिए हैं। तीसरे स्थान पर जापान का शेयर बाजार है जिसका पूंजीकरण 6.36 लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर से अधिक है। चौथे स्थान पर भारत का शेयर बाजार है जिसका पूंजीकरण 4.35 लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर से अधिक है। पांचवे स्थान पर हांगकांग का शेयर बाजार है जिसका पूंजीकरण 4.29 लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर है।

सत्ता तो रही बरकरार पर दावपेंच अहंकार की हुई हार !

- डा. भरत मिश्र प्राची

इस बार के लोकसभा चुनाव में सत्ता पक्ष की चार सौ पार की मुराद पुरी नहीं हुई जिसे पाने के लिये हर तरह के चुनाव के दौरान प्रयोग किये गये दावपेंच आम जनता ने नकार दिया। चुनाव में लोकसभा की 543 सीट में सत्ता पक्ष एनडीए को 292 तो इंडिया गठबंधन को 234, अन्य के खाते में 17 सीट गई। चुनाव में इस बार भाजपा पहले के चुनाव से कम सीट 240 पाकर सबसे बड़ी राजनीतिक पार्टी बन तो गई पर सपष्ट बहुमत से दूर रहने के कारण अकेले सरकार गठित नहीं कर सकती जब कि वहीं कांग्रेस को पहले चुनाव से ज्यादा सीट मिली है। जो 99 है। पूर्व हुये लोकसभा चुनाव में भाजपा स्पष्ट बहुमत से ज्यादा सीट लाकर स्वयं के बलबुते पर केन्द्र में सरकार बनाने में सफल रही जबकि इस बार सत्ता की कुंजी इसके सहयोगी दल जदयू एवं टीडीपी के पास है। इनके सहयोग के बिना भाजपा केन्द्र में सरकार नहीं बना सकती। यदि किसी कारणवश ये सहयोगी दल भाजपा से अलग हो जाते है तो केन्द्र में भाजपा को अपने दम पर सरकार बना पाना मुश्किल होगा। इस चुनाव में भाजपा को डबल इंजन की सरकार वाले राज्य उत्तर प्रदेश, राजस्थान, हरियाणा एवं बिहार से पूर्व में आई सीट से भी काफी कम सीट मिली है। स्वयं वाराणसी सीट से चुनावी मतगणना के शुरूवाती दौर से कई चरणों तक प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी कांग्रेस प्रत्याशी अजय राय से पीछे चलते रहे, अंत में वे जीत तो हासिल कर लिये पर जीत का अंतराल पहले से काफी कम रहा। उनके मंत्रीमंडल के स्मृति इरानी, आर के सिंह सहित 19 मंत्री चुनाव हार गये। अमेठी से पूर्व चुनाव में राहुल गांधी को हराने के बाद स्मृति इरानी को आंतरिक अहंकार हो गया था जो इस चुनाव में कांग्रेस के एक साधारण कार्यकर्ता से हार का सामना करना पड़ा। जिससे इस चुनाव में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का कद पहले से कम हुआ है। इस चुनाव में प्रधानमंत्री द्वारा संबोधित घमंडिया गठबंधन को देश की आवाम ने पहले से ज्यादा बहुमत दे दिया एवं सत्ता पक्ष भाजपा को बहुमत से दूर खड़ा कर दिया। कांग्रेस, पं. बंगाल से टीएमसी, एवं उत्तर प्रदेश से सपा का चुनाव में अच्छा प्रदर्शन रहा। इस चुनाव में एनडीए बहुमत का आकड़ा पार कर जीत हासिल कर तो ली, सत्ता बरकरार रह सकती है पर दावपेंच अहंकार की हार हुई है।

इस लोकसभा चुनाव में सत्ता पक्ष चार सौ पार करने के चुनावी आकड़े को पाने के लिये हर तरह के चुनावी दावपेंच का खुलकर प्रयोग किया। विपक्ष को कमजोर करने के लिये जांच एजेंसियों का खुलकर कानून के नाम पर एकतरफा प्रयोग रहा। कई चरणों में लम्बे समय तक लोकसभा चुनाव संपन्न कराने की प्रक्रिया रही। भ्रष्टाचार के नाम पर अपने को सही एवं विपक्ष को गलत ठहराने की कार्यवही आदि को देश की आवाम ने नकार दिया। चुनाव को प्रभावित करने के लिये देश के धमार्चार्य चारों शंकराचार्यो के मना करने के वावजूद असमय राममंदिर का निर्माण कराया गया। अयोध्या से भाजपा प्रत्याशी की हार हुई। इस तरह के परिवेश ने मोदी के कद को कम कर दिया। फिर भी आज भी मोदी की गारंटी में अहंकार बोल रहा है। एक बार फिर से मोदी सरकार की बात उभर कर सामने आने लगी है। भाजपा का वजूद मोदी नाम में सिमट कर रह गया है। इस तरह का परिवेश सत्ता का एक नया रूप दे सकता है। इस बार कुछ को छोड़कर अधिकांश आ रहे एक्जीट पोल भी गलत साबित हुये भाजपा के पास सत्ता पर आने के लिये बहुमत का आकड़ा तो नहीं है पर एनडीए के पास वर्तमान में बहुमत का आकड़ा है। सत्ता का पाला फिलहाल एनडीए के पास है। विपक्ष इंडिया गठबंधन बहुमत से दूर है पर उसकी नजर एनडीए के सहयोगी दल की ओर भी टिकी हुई है। राजनीति में सबकुछ संभव है। ऐसे परिवेश में सत्ता का रंग बदल भी सकता है।

पंडित जी को पछियाते मोदी जी

- राकेश अचल

` भारत के पहले प्रधानमंत्री पंडित जवाहर लाल नेहरू के पदचिन्हों पर न चलते हुए भी नरेंद्र दामोदर दास मोदी तीसरी बार भारत के प्रधानमंत्री बन गए हैं। भारत के प्रधानमंत्री के रूप में मै माननीय नरेंद्र दामोदरदास मोदी जी का स्वागत करता हूँ,वंदन ,अभिनदं करता हूँ। वे उन सबके भी प्रधानमंत्री हैं जिन्होंने उन्हें अपने मताधिकार के जरिये खारिज किया। कुल मिलाकर वे भारत के प्रधानमंत्री हैं ,लेकिन उनके समर्थक ,अंधभक्त मोदी जी की तुलना जब पंडित जवाहर लाल नेहरू से करते हैं तो हंसी भी आती है और दया भी। क्योंकि दोनों के चाल ,चरित्र और चेहरे में कोई मेल है ही नहीं। दरअसल नरेंद्र मोदी जी और उनका परिवार पंडित जवाहर लाल नेहरू से जबरदस्त घृणा करता है ,बावजूद वो मोदी जी को उनके बराबर खड़ा भी करना चाहता है। काल्पनिक आंकड़ों के जरिये,किस्सों-कहानीयों के जरिये। नेहरू जी कश्मीरी पंडित थे और मोदी जी गुजराती पिछड़े वर्ग से आते हैं। नेहरू जी ,मोदी जी से 61 साल पहले जन्मे थे । उनके पिता पंडित मोतीलाल नेहरू धनी बैरिस्टर थे,मोदी जी के पिता गरीब चाय वाले। चायवाला होना कोई बुरी बात नहीं है। बात तो ये है कि मै नेहरू और मोदी की तुलना करना ही नहीं चाहता ,क्योंकि दोनों में कोई बराबरी ,साम्य है ही नहीं ,लेकिन अंधभक्तों को हकीकत से रुबरू करने के लिए मुझे ये कृत्य करना पड रहा है । ये कुकृत्य है या सुकृत्य ये पाठक खुद तय करेंगे। पंडित जवाहरलाल नेहरू ने दुनिया के कुछ बेहतरीन स्कूलों और विश्वविद्यालयों में शिक्षा प्राप्त की थी। उन्होंने अपनी स्कूली शिक्षा हैरो से और कॉलेज की शिक्षा ट्रिनिटी कॉलेज, कैम्ब्रिज (लंदन) से पूरी की थी। इसके बाद उन्होंने अपनी लॉ की डिग्री कैम्ब्रिज विश्वविद्यालय से पूरी की। इंग्लैंड में उन्होंने सात साल व्यतीत किए जिसमें वहां के फैबियन समाजवाद और आयरिश राष्ट्रवाद के लिए एक तर्कसंगत दृष्टिकोण विकसित किया। जवाहरलाल नेहरू 1912 में भारत लौटे और वकालत शुरू की। अब मोदी जी के बारे में जान लीजिये। बकौल गूगल जी माननीय मोदी जी आठ वर्ष की आयु में वे आरएसएस से जुड़े, जिसके साथ एक लम्बे समय तक सम्बन्धित रहे। स्नातक होने के बाद उन्होंने अपना घर छोड़ दिया।उन्होंने स्नातक कहाँ से किया ये केवल सुप्रीम कोर्ट जानता है देश नहीं। मोदी ने दो साल तक भारत भर में यात्रा की, और अनेकों धार्मिक केन्द्रों का दौरा किया। 1969 या 1970 वे गुजरात लौटे उसके बाद अहमदाबाद चले गए। 1971 में वह आरएसएस के लिए पूर्णकालिक कार्यकर्ता बन गए।मोदी जी लिखते-पढ़ते नहीं है। वे जब-जब फुरसत में होते हैं योग-ध्यान करते है। आइये फिर नेहरू के बारे में जान लेते हैं।1916 में उनकी शादी कमला नेहरू से हुई।और वे ताउम्र उनकी जीवन संगिनी बनी रहीं 1917 में जवाहर लाल नेहरू होम रुल लीग? में शामिल हो गए। राजनीति में उनकी असली दीक्षा दो साल बाद 1919 में हुई जब वे महात्मा गांधी के संपर्क में आए। उस समय महात्मा गांधी ने रॉलेट अधिनियम के खिलाफ एक अभियान शुरू किया था। नेहरू, महात्मा गांधी के सक्रिय लेकिन शांतिपूर्ण, सविनय अवज्ञा आंदोलन के प्रति खासे आकर्षित हुए।

आज का राशिफल

मेष दिन लाभ देने वाला है। आज आपके कार्यक्षेत्र में आपके पक्ष में कुछ परिवर्तन हो सकते हैं।

वृषभ लोगों के साथ खुशी में बीतेगा। आपको भाग्य की बदौलत कोई खुशी का समाचार मिल सकता है।

मिथुन पिता के आशीर्वाद व उच्चाधिकारियों की कृपा से किसी वस्तु को पाने की अभिलाषा पूर्ण होगी।

कर्क आज आपको बड़ी मात्रा में धन की प्राप्ति होगी। आपकी स्थिति को सुदृढ़ करने का मौका मिलेगा।

सिंह आज का दिन करियर में सफलता से भरा होगा और आज आपको मनचाहा लाभ होगा।

कन्या आज का दिन सफलता से भरा होगा और आज आपकी तरक्की होने से आपका मन प्रसन्न रहेगा।

तुला लाभ होगा और आपको शिक्षा और प्रतियोगिता के क्षेत्र में विशेष उपलब्धि के योग हैं।

वृश्चिक आज का दिन लाभ और सफलता से भरा होगा और आपके सम्मान में वृद्धि होगी।

धनु आज का दिन काफी खर्च वाला रहेगा। आपके लिए सांसारिक सुख भोग के साधनों में वृद्धि होगी।

मकर दिन सफलता से भरा होगा और आपको हर्ष होगा। आर्थिक स्थिति पहले की तुलना में बेहतर होगी।

कुंभ आज आपको अकस्मात् शरीर कष्ट होने से भागदौड़ और अधिक खर्चे की स्थिति आ सकती है।

मीन आपका दिन आनंद में बीतेगा। किसी काम से आपको यात्रा पर जाना पड़ सकता है।

विशेष

दिल्ली में आम आदमी पार्टी और कांग्रेस का गठबंधन खत्म

आम आदमी पार्टी ने संविधान बचाने के लिए कांग्रेस से लोकसभा चुनाव के लिए गठबंधन किया था। लोकसभा चुनाव के परिणाम आए। पंजाब विधानसभा के भी चुनाव परिणाम सामने आए। कांग्रेस और आम आदमी पार्टी को समझ में आ गया। यदि अस्तित्व बनाए रखना है,तो विधानसभा में अलग-अलग लड़ना है। लोकसभा में जरूर गठबंधन किया जा सकता है। आम आदमी पार्टी के वरिष्ठ नेता गोपाल राय ने आम आदमी पार्टी और कांग्रेस के बीच के गठबंधन की व्याख्या करते हुए कहा,यह स्थाई शादी की तरह गठबंधन नहीं था। अगले साल विधानसभा का चुनाव दोनों पार्टियों अलग-अलग चुनाव लड़ेंगी। दोनों के बीच सही शक्ति परीक्षण विधानसभा के चुनाव में होगा।

मोदी के बयान से 6 सीटों पर हार

बिहार में आखिरी चरण की जिन आठ सीटों पर मतदान हुआ। उसमें 6 सीटों पर भाजपा और जनता दल यू हार गया राष्ट्रीय जनता दल को मिली। चार सीट जिसमें पाटिल पुत्र जहानाबाद और बक्सर आरा और कारकाट और सासाराम विपक्षी दलों के खाते में चली गई। प्रधानमंत्री जब आखिरी बार बिहार गए। उन्होंने बयान दिया, हेलीकॉप्टर का चक्कर समाप्त होते ही तेजस्वी जेल जाने को तैयार रहें इस बयान के बाद सारे यादव एकजुट हो गए। लालू प्रसाद यादव की बेटी मीशा भारती चुनाव जीत गई। राजद के सुधाकर सिंह चुनाव जीत गए। कराकाट में उपेंद्र कुशवाहा चुनाव हार गए। सासाराम सीट पर भी इसका असर पड़ा।

कार्टून कोना

आज का इतिहास

1492: स्पेन ने मूरो से ग्रेनाड छीन लिया. **1757:** नवाब सिराजुद्दौला से राबर्ट क्लाइव ने कलकत्ता छीन लिया. **1799:** नेपोलियन बोनापार्ट अपनी सेना के साथ सीरिया पहुंचा. **1899:** रामकृष्ण मिशन के भिक्षुओं ने वैलूर मठ में रहना शुरू किया. **1900:** अमरीका ने चीन के लिए खुली नीति की घोषणा की. **1905:** रूस ने मंचूरियाई हरपोर्ट आर्थर जापानियों के हवाले कर दिया.**1913:** यूनान ने चियोस द्वीप स्थित तुर्की के शख्त्रगार पर कब्जा किया. **1932:** मंचूरिया में मंचूकओ गणराज्य की स्थापना हुई थी. **1937:** स्पेन की स्वतंत्रता की रक्षा हेतु इंग्लैंड और इटली में समझौता. **1942:** द्वितीय विश्व युद्ध में जापानियों ने फिलीपीस की राजधानी मनीला पर कब्जा किया था. **1965:** अयूब खान पाकिस्तान में राष्ट्रपति चुनाव में विजयी हुए.

दैनिक पंचांग

10 जून 2024 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य	वृष में	मिथुन	05.37 बजे से
चंद्र	कर्क में	कर्क	07.50 बजे से
मंगल	मेष में	सिंह	10.06 बजे से
बुध	वृष में	कन्या	12.18 बजे से
गुरु	वृष में	तुला	14.29 बजे से
शुक्र	वृष में	वृश्चिक	16.44 ब.से
शनि	कुंभ में	धनु	19.00 बजे से
राहु	मीन में	मकर	21.05 बजे से
केतु	कन्या में	कुंभ	22.51 बजे से
राहुकाल		मीन	00.24 बजे से
7.30 से 9.00 बजे तक		मेष	01.55 बजे से
		वृष	03.35 बजे से

सोमवार 2024 वर्ष का 162 वां दिन
दिशाशूल पूर्व **ऋतु** वर्षा।
विक्रम संवत् 2081 **शक संवत्** 1946
मास ज्येष्ठ **पक्ष** शुक्ल
तिथि चतुर्थी 16.16 बजे को समाप्त।
नक्षत्र पुष्य 21.40 बजे को समाप्त।
योग ध्रुव 16.47 बजे को समाप्त।
करण विष्टि 16.16 बजे तदनन्तर बव 04.47 बजे प्रातः को समाप्त।
चन्द्रायु 3.5 घण्टे
रवि क्रान्ति उत्तर 23° 02'
सूर्य उत्तरायन
कलि अहर्गण 1872006
जूलियन दिन 2460471.5
कलियुग संवत् 5125
कल्पारंभ संवत् 1972949123
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885123
वीरनिर्वाण संवत् 2550
हिजरी सन् 1445
महीना जिल्हेज
तारीख 03
विशेष विनायक चतुर्थी।

दिन का चौघड़िया				रात का चौघड़िया			
अमृत	05.53 से	07.22 बजे तक		चर	05.43 से	07.14 बजे तक	
काल	07.22 से	08.50 बजे तक		रोग	07.14 से	08.45 बजे तक	
शुभ	08.50 से	10.19 बजे तक		काल	08.45 से	10.17 बजे तक	
रोग	10.19 से	11.48 बजे तक		लाभ	10.17 से	11.48 बजे तक	
उद्वेग	11.48 से	01.17 बजे तक		उद्वेग	11.48 से	01.19 बजे तक	
चर	01.17 से	02.45 बजे तक		शुभ	01.19 से	02.51 बजे तक	
लाभ	02.45 से	04.14 बजे तक		अमृत	02.51 से	04.2	बजे तक
अमृत	04.14 से	05.43 बजे तक		चर	04.22 से	05.53 बजे तक	

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अतः आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। Jagrutidaur.com, Bangalore

मृदा परीक्षण करवायें उत्पादन बढ़ायें

कई वर्षो पूर्व से ही मृदा परीक्षण का उपयोग मिट्टी में किसी तत्व विशेष की कमी को ज्ञात करने के लिए किया जा रहा है, परन्तु वर्तमान में दिन प्रति दिन उर्वरको के मूल्यों में हो रही वृद्धि तथा इनके अत्याधिक उपयोग से पर्यावरण की गुणवत्ता प्रभावित होने के कारण इसका उपयोग ऐसी मृदाओं की पहचान करने के लिए किया जा रहा है जहॉ पर्याप्त या आवश्यकता से अधिक उर्वरकों का उपयोग हो रहा है। मृदा परीक्षण जहॉ यह सकेंत देती है कि, कौन सी मृदा में किस तत्व की कमी है, वहॉ यह परीक्षण यह भी बताती है कि किन मृदाओं में उर्वरकों की अधिकता है अथवा किन मृदाओं में उर्वरको के उपयोग से लाभ नही है जिसके अनावश्यक उपयोग से पर्यावरण को हानि हो सकती है।

क्या है मृदा परीक्षण ?

किसी भी रासायनिक या भौतिक पैनाने को जो मृदा पर की जाती है, मिट्टी परीक्षण कहते है। परन्तु सामान्यतः इसका अर्थ मिट्टी के रासायनिक परीक्षण से लिया जाता है।

कब कराये मृदा परीक्षण ?

मिट्टी का परीक्षण सामान्यतः कभी भी किया जा सकता है, परन्तु गर्मियों का समय इसके लिये आदर्श अथवा उपयुक्त होता है। क्योकि प्रक्षेत्र की परिस्थितियॉ नमूना एकत्र करने के लिए आदर्श होती है, तथा परीक्षण के परिणाम खरीफ की फसल के पहले प्राप्त किये जा सकते है। इसके अलावा प्रत्येक तीन वर्षों में फसल मौषम के शुरू होने से पूर्व एक बार मृदा परीक्षण अवश्य ही करवाना लेना चाहिए।

नमूना लेने के लिए आवश्यक उपकरण कौन-कौन से है?

नमूना एकत्र करने के लिए विभिन्न उपकरणों का उपयोग किया जाता है। सामान्यतः इसके लिये आगर या साइल प्रोन (गिरमिट), खुरपी या फावड़ा, चाकू, साफ बाल्टी या तसला तथा कपड़े या पालिथीन की थैलियॉ उपयोग की जाती है। यदि भूमि नम हो तो ट्यूब आगर और यदि कड़ी सूखी जमीन हो तो स्करू आगर उपयोगी है। आगर नमूना लेने के लिए सबसे उपयोगी है, क्योंकि इनसे मिट्टी का एकसार भाग तथा निश्चित गहराई से लिया जाता है। यदि ये उपलब्ध न हो तो खुरपी या फावड़े से नमूना लिया जा सकता है। परन्तु इस परिस्थिती में यह ध्यान रखना आवश्यक है कि प्रत्येक स्थान से समान गहराई से तथा एकसार मिट्टी की मात्रा ली जायें।

क. कृषक का नाम तथा डाक का पूरा पता

ख. पिछली ली गई फसल तथा उपयोग की गई उर्वरकों की मात्रा

ग. नमूना लेने की तिथि

घ. ली जाने वाली फसल (सिचिंत या असिचिंत)

ड. भूमि का स्थलाकृति

च. लक्षित उपज

अतः मृदा परीक्षण करवाना अति आवश्यक है क्योकि:

- मिट्टी के सर्वेक्षण एवं वर्गीकरण हेतु।
- मिट्टी में सुलभ पोषक तत्वों की मात्रा ज्ञात कर विभिन्न फसलों में खाद एवं उर्वरको की सिफारिश हेतु।
- किसी मृदा में उर्वरक उपयोग से लाभदायक प्रतिफल प्राप्त करने की संभावनाओं की जानकारी प्रदान करने हेतु।
- सघन खेती के कारण खेत की मिट्टी में उत्पन्न विकारों की जानकारी एवं मृदा सुधारकों के उपयोग हेतु और
- मृदा की अम्लीयता एवं क्षारीयता के निर्धारण हेतु।

मृदा नमूना एकत्र करने के लिए कौन सी विधि अपनायें ?

- मिट्टी की उपरी सतह (निर्धारित किये गये स्थान से) घास-फूस पत्थर के टुकड़े आदि साफ कर लें।
- ट्यूब आगर को रखकर घुमाते हुये अदंर दबाये जब यह 15 सेमी. अन्दर चला जाये तो उसे बाहर निकाल लें। अन्दर की मिट्टी निकाल कर तसले में रख लें। ट्यूब आगर के अभाव में खुरपी या फावड़े से ष्ठष् आकार के 15 सेमी. गहरा गड्ढा बना लें। तिकोन की उपरी सतह से खुरपी या फावड़े की सहायता से दीवार के साथ-साथ पूरी गहराई तक मिट्टी की 1 या 2 इंच मोटाई की एक समान परत निकालें।
- इस तरह 10-15 स्थानों से एकत्र की गई मिट्टी को साफ तसले, बाल्टी या टेऊपर इकठ्ठा करें।
- एकत्रित की गई मिट्टी के बड़े ढेलों को हाथ से या लकड़ी से पीटकर बारीक कर लेवें तथा अच्छी तरह मिला लेवें।
- मृदा परीक्षण के लिये करीब 500 ग्राम मिट्टी की आवश्यकता होती है। यदि नमूने की मिट्टी इससे अधिक हो, तो चार भागों में बांट लेवें तथा दो परस्पर आमने सामने के भागों को रखकर बाकी मृदा फेंद दें। यह प्रक्रिया तब तब दुहराऍ जब तक की आवश्यक मात्रा (500 ग्राम) मिट्टी शेष न रह जाए।
- इस मिट्टी को साफ कपड़े या प्लास्टिक की थैली में भरकर इसके साथ दो मोटे कागज के टुकड़ों पर निम्न सूचना लिखकर एक टुकड़ा थैली के अंदर व दूसरा थैली के मुहँ पर बाँध देना चाहिए। यह नमूना पूरे खेत का प्रतिनिधित्व करता है।

नमूना लेते समय किन-किन बातों का ध्यान रखना चाहिए ?

- असाधारण क्षेत्र जैसे- रास्ता, सिंचाई की नाली, पुरानी मेंड, खाद का ढ़ेर, पेड़-झाड़ आदि के आस-पास के स्थानों से नमूना न लें।
- दलदल वाली जगह, निचले क्षेत्र गढ्ढों से नमूना न लें।
- वर्षा के तुरंत बाद या खाद व उर्वरक उपयोग के तुरंत बाद नमूना न लें।
- तैयार नमूना खुला न छोड़ें।
- नमूना लेते समय यह ध्यान रखे कि किसी भी परिस्थितियों में उर्वरको के खाली बारों का उपयोग मृदा नमूना को एकत्रित करने के लिये न करें।

मृदा परीक्षण से कौन-कौन से लाभ होते है?

- मृदा में उपस्थित पोषक तत्वों का पता लगा करके जिस पोषक तत्व की कमी हो उसे पूरा किया जाता है जिसमें मृदा की उर्वरकता तथा उत्पादकता बनी रहें।
- मृदा में उपस्थित पदार्थो की मात्रा का पता लगाकर उसमें पाये जाने वाले विभिन्न सूक्ष्म जीवाणुओं की क्रियाओं का पता लगाया जा सकता है।
- मृदा के उचित परीक्षण से फसल का चुनाव संबंधित निर्णय पूर्ण ढ़ग से लिया जा सकता है, जिसमें कि अधिक से अधिक उपज ली जा सकें।
- मृदा परीक्षण से प्राप्त परिणामों के अनुसार मृदा में उपस्थित पोषक तत्वों का पता लगाकर फसलो के लिये उर्वरकों की मात्रा की सिफारिश की जाती है।
- इसके आधार पर कार्बनिक खाद व रासायनिक उर्वरकों पर लगने वाले अतिरिक्त मूल्यों को कम किया जा सकता है।
- अम्लीयता तथा क्षारीयता का पता लगाकर उसे सुधारने हेतु उचित प्रबंध किये जा सकते है, तथा साथ ही साथ इनके आधार पर फसलों का उचित चुनाव किया जा सकता है।

धान के फसल हेतु नीत हरित कई के उपयोग कैसे करें

छत्तीसगढ में और क्षेत्रों की अपेक्षा धान की औसत उत्पादन कम होने के प्रमुख कारणों में यहां के करीब 80 से 85 प्रतिषत धान उत्पादकों का छोटे और सीमांत किसान होना है जो अपनी कमजोर आर्थिक परिस्थितियों के कारण आधुनिक कृषि तकनिक को सफलतापूर्वक नही अपना पाते विषेष कर दिनों दिन बढ़ते रासायनिक उर्वरकों की किमत इन रासायनिक उर्वरकों में नत्रजन युक्त उर्वरक जैसे यूरिया आदि के उपयोग का अपना स्थान है। जिसकी मांग तथा खपत और उर्वरकों में ज्यादा ही रहती है। किसानों को अब यह भी मालूम हो चला है कि धान के फसल में डाले गये नत्रजन उर्वरक का सिर्फ 30 - 35 प्रतिषत भाग ही उपयोग हो पाता है। शेष नत्रजन किन्ही कारणों से पौधों को उपलब्ध नही हो पाता साथ ही रासायनिक उर्वरकों के साल दर साल लगातार उपयोग करते रहने से भूमि की गुणवत्ता में कमी आने लगती है जो धीरे - धीरे उत्पादन को प्रभावित करती है। दूसरी ओर वायुमण्डल में उपस्थित 78 प्रतिषत नत्रजन तत्व का उपयोग पौधे अपने लिये सीधे तरीके से नही कर पाते है। प्रकृति में कुछ ऐसे सुक्ष्म जैव की प्रजातियां पाई गई है जो वायुमण्डलीय नत्रजन को स्थापित कर धान के फसल को आंषिक मात्रा में नत्रजन की पूर्ति करता है। यही वह प्रकृतिजन्य जैव पदार्थ है जिसे हम नील हरित काई कहते है। यह विषेष काई एक जैविक खाद है जो नत्रजन धारी रासायनिक उर्वरक का सस्ता व सुलभ विकल्प है जो धान के फसल को न सिर्फ 25 - 30 किलो ग्राम नत्रजन प्रति हैक्टेयर की पूर्ति करता है बल्कि उस धान के खेत में नील हरित काई के अवषेष से बने सेन्द्रीय खाद के द्वारा उसकी गुणवत्ता व उर्वरता कायम रखने में मद् गार साबित हुई है। साथ ही इसके उपयोग से धान के फसल में लगने वाले नत्रजन युक्त रासायनिक उर्वरक की तिहाई मात्रा की भी कटौती की जा सकती है। यह भी देखा और पाया गया है कि नील हरित काई से इस फसल में उपचार से धान का बीज जल्द अंकुरित होता है तथा पौधा अपेक्षाकृत ज्यादा स्वस्थ होता है इसके कारण करीब 15 प्रतिषत अतिरिक्त उत्पादन मिलने में सहायक सिध्द हुई।

धान के खेत में नील हरित काई के उपचार

छत्तीसगढ़ में प्रमुख रूप से ब्यासी अथवा रोपा पध्दति से ही धान की खेती की जाती है। इन दोंनों ही विधि में नील हरित काई का उपयोग लाभ प्रद सिध्द हुआ है। धान के ब्यासी और चलाई करने के अथवा रोपा वाले खेत में धान के पौधों को रोपने के 6 से 10 दिन के भीतर, नील हरित काई के 10 किलोग्राम सुखे पाउडर को पूरे खेत में छिड़क कर उपचारित कर दिया जाता है। ध्यान रहे नील हरित काई को उपचारित करने के पूर्व उस खेत में आवष्यकता से अधिक पानी को निकाल कर करीब 8 से 10 सें.मी. पानी ही रखें और इतना ही पानी स्थिर रूप से कम से कम 20 दिनों तक इस खेत में कायम रखें। इससे नील हरित काई की बढ़ोतरी और फैलाव ठीक तरह से होता है। काई की यही बढ़ोतरी और फैलाव वायुमण्डलीय नत्रजन को स्थिर करने में उपयोगी होता है। नील हरित काई के उपचार में निम्न प्रमुख बातों पर अवष्य ध्यान देना चाहिए।

1. ब्यासी करने के बाद अथवा रोपा लगने के 6 से 10 दिन के भीतर ही नील हरित काई का उपचार किया जाना आवष्यक है। इस काई के उपचार के पहले ध्यान रहे धान के खेत में 8 से 10 सें.मी. से ज्यादा पानी न हो। खेत सुखने न पाये इसके लिये खेत के मेड़ों में से चूहे के बिल आदि को तथा मुही को बंद कर दिया जाय।
2. ब्यासी के समय अथवा रोपा के लिये तैयार करने के समय ही स्फुर की पूरी मात्रा डाल दें। स्फुर की उपस्थिति नील हरित काई की वृध्दि के लिये आवष्यक होता है।
3. धान के खड़े फसल में नील हरित काई की सिर्फ 10 किलों ग्राम सुखे पाउडर प्रति हैक्टेयर की आवष्यकता होती है जिसे पूरे खेत में छिड़क कर बिखेर दिना चाहियें।
4. खेत में जलीय कीड़े लगने पर आवष्यक कीट नाषक दवाइयों का उपयोग किया जा सकता है इन कीट नाषक दवाइयों का प्रतिकूल प्रभाव नील हरित काई के वृध्दि में नही होता।
5. यदि धान के खेत में गहरे रंग के हरे रेषे दार स्थानी काई दिखे जो कि धान के फसल के लिये नुकसान दायक होता है उसे नष्ट करने के लिये नीला थोथा (कापर सल्फेट) का 0.05 प्रतिषत घोल (1 ग्राम एक लीटर पानी में) का छिड़काव किया जाय। इसें हर तीन चार दिन में दुबारा छिड़कें इससे हरा काई समूल नष्ट हो जायेगा।
6. इस जैविक खाद के साथ ही नत्रजन धारी रासायनिक उर्वरक का भी सीमित मात्रा में उपयोग किया जा सकता है। यदि ऐसे रासायनिक उर्वरक का उपयोग करना चाहे तो कंसा निकलने के समय या सिफारिष के मुताबित एक तिहाई यूरिया की मात्रा को बचाकर बाकी यूरिया के उपयोग से ज्यादा उत्पादन लिया जा सकता है।
7. एक बार जिस खेत में नील हरित काई जैविक खाद का प्रयोग किया गया हो वहां यही कोषिष रहे कि उस खेत में लगातार 3 से 4 वर्षो तक इस जैविक खाद का प्रयोग होता रहे। इससे आने वाले वर्षो में इस काई के पुर्नउपचार की आवष्यकता नही होती। साथ ही उस भूमि की उर्वरता बनी रहती है।
8. जिस खेत में नील हरित काई का उपचार किया गया हो अगले उन्हारी सीजन में कोई भी फसल विषेष कर चना लेना अत्यंत लाभ प्रद पाया गया है।

नील हरित काई के उपयोग से लाभ

1 नील हरित काई एक जैविक खाद है जिसे धान उत्पादक किसान अपने स्तर पर आसानी से तैयार कर सकते है।

2. नील हरित काई सामान्य रूप से धान के फसल को करीब 25 से 30 किलो ग्राम प्रति हेक्टेयर नत्रजन की पूर्ति करता है।

3. यह काई उपचार के पश्चात प्रत्येक सीजन में अपने अवषेषो के द्वारा करीब 800 से 1200 किलो ग्राम तक सेन्द्रीय खाद प्रति हैक्टेयर की पूर्ति भी करता है जिसका वजह से खेत के मिट्टी की गुणवत्ता और उपजाऊ क्षमता कायम करती है।

4. अघुलनषील व अनुपलबध स्फूर तत्व जो कि किसी भी फसल के लिये आष्यक होता है नील हरित काई ऐसे तत्व को उपलब्ध कराने में सहायक होता है।

5. नील हरित काई के द्वारा कुछ ऐसे रासायनिक पदार्थ स्त्रावित होता है जिससे बीजों का अंकुरण और फसलों में समान रूप से वृध्दि होती है।

6. लगातार 3 - 4 वर्षो तक यदि धान के उसी खेत में नील हरित काई का उपयोग किया जाये तो आने वाले कई सीजन तक पुनः उपचार करने की आवष्यकता नही होता साथ में इस काई के उपयोग का लाभ आगामी उन्हारी फसल पर भी देखा गया है।

7. जैविक खाद के रूप में नील हरित काई के उपयोग के फलस्वरूप अतिरिक्त उपज हमलने से करीब 1400 रू. से 1500 रू प्रति हैक्टेयर तक शुध्द आमदनी होती है।

संक्षिप्त समाचार

तिरुपुर कपड़ा उद्योग का संकट, नहीं लौट रहे वोट देने गए मजदूर

नई दिल्ली, एजेंसी। अपने कपड़ा उद्योग के लिए फेमस तमिलनाडु का तिरुपुर इन दिनों संकटों से जूझ रहा है। यह संकट पैदा हुआ है हाल ही में हुए लोकसभा चुनाव के कारण। खबरों की मानें तो तिरुपुर कपड़ा उद्योग अभी श्रमिकों की कमी की समस्या का सामना कर रहा है।

एक रिपोर्ट के अनुसार, तिरुपुर के कपड़ा उद्योग में काम करने वाले ज्यादातर कामगार हालिया चुनावों में वोट डालने के लिए अपन गांव गए। उसके बाद समस्या ये आई है कि वोट डालने अपने गांव गए मजदूर अब वापस नहीं लौट रहे हैं। इससे उद्योग जगत की परेशानियां बढ़ गई हैं। सबसे खराब बात ये है कि श्रमिकों की कमी का संकट ऐसे समय सामने आया है, जब डिमांड में सुधार के संकेत दिख रहे थे।

तिरुपुर कपड़ा उद्योग से जुड़े लोगों का कहना है कि अमेरिका में डिमांड में सुधार हो रहा है और उसके चलते निर्यात के अच्छे ऑर्डर मिलने की उम्मीद है। हालांकि अब श्रमिकों की कमी से दिक्कतें आ सकती हैं।

रिपोर्ट के अनुसार, तिरुपुर के कपड़ा उद्योग में काम करने वाले ज्यादातर मजदूर उत्तर प्रदेश, बिहार, असम और पश्चिम बंगाल जैसे राज्यों के हैं। छोटे-बड़े कपड़ा मिलों में एक लाख से डेढ़ लाख लोग काम करते हैं। वे मजबूर लोकसभा चुनाव के दौरान वोट देने के लिए गए लेकिन अब लौटकर नहीं आना चाहते हैं। उन्हें लगता है कि उनकी स्थानीय सरकारें विकास कार्य तेज करेंगी, जिससे उन्हें काम के लिए कहीं और जाने की जरूरत नहीं होगी।

चालू वित्त वर्ष में 7 प्रतिशत गिर सकती है वाणिज्यिक वाहनों की बिक्री: इक्रा

नई दिल्ली, एजेंसी। पिछले साल के उच्च आधार और मांग में गिरावट से प्रभावित घरेलू वाणिज्यिक वाहन उद्योग की थोक बिक्री चालू वित्त वर्ष में चार से सात प्रतिशत तक घटने की आशंका है। एक रिपोर्ट में यह अनुमान जताया गया है। रेटिंग एजेंसी इक्रा ने शुक्रवार को जारी रिपोर्ट में कहा कि उच्च आधार प्रभाव और पहले कुछ महीनों में बुनियादी ढांचा गतिविधियों पर लोकसभा चुनाव प्रक्रिया के प्रभावों को देखते हुए मध्यम और भारी वाणिज्यिक वाहनों (ट्रकों) की बिक्री में सालाना आधार पर चार से सात प्रतिशत की गिरावट आ सकती है।

इक्रा ने कहा कि हल्के वाणिज्यिक वाहनों की थोक बिक्री में वित्त वर्ष 2024-25 में पांच से आठ प्रतिशत की गिरावट आने की आशंका है। उच्च आधार प्रभाव, ई-कॉमर्स गतिविधियों में सुस्ती और इलेक्ट्रिक तिपहिया वाहनों से बिक्री में गिरावट से ऐसा होने का अनुमान है। रेटिंग एजेंसी ने घरेलू वाणिज्यिक वाहन उद्योग की तेजी चालू वित्त वर्ष में थम जाने की आशंका जताते हुए कहा कि इसकी थोक बिक्री में चार से सात प्रतिशत की गिरावट आएगी। इक्रा ने कहा कि पिछले वित्त वर्ष (2023-24) में थोक बिक्री में एक प्रतिशत और खुदरा बिक्री में तीन प्रतिशत की धीमी वृद्धि रही थी।

इक्रा रेटिंग्स की वरिष्ठ उपाध्यक्ष और सह-समूह प्रमुख किंजल शाह ने कहा, वित्त वर्ष 2021-22 और वित्त वर्ष 2022-23 में मात्रा के साथ टन भार के मामले में भी बहुत तेज वृद्धि देखी गई थी। वित्त वर्ष 2023-24 में घरेलू वाणिज्यिक वाहन मात्रा वृद्धि की रफ्तार सुस्त हो गई थी और आम चुनावों के कारण कुछ क्षेत्रों में आर्थिक गतिविधियों में क्षणिक नरमी के बीच चालू वित्त वर्ष में गिरावट का अनुमान है।

इस हफ्ते बाजार में दिख सकती है स्थिरता

नई सरकार, महंगाई समेत 6 फैक्टर्स तय करेंगे बाजार की चाल

मुंबई , एजेंसी। इस हफ्ते, बाजार में थोड़ी स्थिरता देखने को मिल सकती है, क्योंकि नरेंद्र मोदी के शपथ ग्रहण के बाद केंद्र सरकार को लेकर अब ज्यादा स्पष्टता आ जाएगी। भारतीय जनता पार्टी के नेतृत्व वाले राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन ने सरकार बनाई है।

पिछले हफ्ते, सरकार को लेकर अस्पष्टता के कारण बाजार में काफी उतार-चढ़ाव रहा था। एग्जिट पोल में बीजेपी को भारी बहुमत (300 से ज्यादा सीट) मिलने के अनुमान के बाद सेंसेक्स 2,507 पॉइंट चढ़कर 76,468 के स्तर पर बंद हुआ था।

हालांकि, चुनाव नतीजों वाले दिन बीजेपी की सीटें कम होने से सेंसेक्स 4389 अंक (5.74 प्रतिशत) की गिरावट के साथ 72,079 के स्तर पर बंद हुआ। अगले दिन 5 जून को सेंसेक्स 2,303 अंक, 6 जून को 692 अंक और 7 जून को 1,618 अंक की बढ़ते के साथ बंद हुआ था।

रिटेल महंगाई घट सकती है, थोक महंगाई बढ़ सकती है: 12 जून को मई महीने की महंगाई के आंकड़े जारी हो सकते हैं। अर्थशास्त्रियों को उम्मीद है कि यह अप्रैल के 4.83 प्रतिशत से घटकर 4.80 प्रतिशत पर आ जाएगी। अप्रैल में, महंगाई में गिरावट फ्यूल और लाइट की कीमतों में गिरावट से आई थी।

हालांकि, खाद्य महंगाई ऊपर की ओर बनी हुई है। अप्रैल में खाद्य महंगाई दर 8.52 प्रतिशत से बढ़कर 8.78 प्रतिशत पर पहुंच गई थी। ग्रामीण महंगाई दर 5.45 प्रतिशत से घटकर 5.43 प्रतिशत आ गई और शहरी महंगाई दर 4.14 प्रतिशत से घटकर 4.11 प्रतिशत पर आ गई थी।

उधर, 14 जून को थोक महंगाई दर भी जारी की जाएगी। यह अप्रैल के 1.26 प्रतिशत से मई में तेजी से बढ़कर 4 प्रतिशत होने की उम्मीद है। इसका मुख्य कारण फ्यूल की महंगाई हो सकती है, जिसके अप्रैल में 1.38 प्रतिशत से बढ़कर मई में 7प्रतिशत होने का अनुमान है।

आईआईपी ग्रोथ घटकर 3.9 प्रतिशत पर आ सकती है: 12 जून को ही आईआईपी के आंकड़े भी जारी होने की उम्मीद है। अप्रैल के 4.9 प्रतिशत से मई में इंडस्ट्रियल प्रोडक्शन घटकर 3.9 प्रतिशत होने की उम्मीद है। मैन्युफैक्चरिंग का इंडेक्स में 78 प्रतिशत का योगदान है। मई में मैन्युफैक्चरिंग ग्रोथ घटकर 4.9 प्रतिशत पर आ सकती है, जो अप्रैल में 5.2 थी।

पैसेंजर व्हीकल सेल्स का डेटा जारी होगा: 13 जून को बाजार की नजर पैसेंजर व्हीकल सेल्स पर भी रहेगी। SIAM के आंकड़ों से पता चलता है कि भारत में कुल यात्री वाहन की बिक्री एक साल पहले की तुलना में 1.2 प्रतिशत बढ़कर अप्रैल 2024 में 287,746 हो गई थी। ये पिछले महीने में 8.9 प्रतिशत की ग्रोथ से कम थी।

तब बाजार पर नजर रखने वालों ने मांग में कमी से जोड़ा था। उनका कहना था कि पॉलिसी मेकिंग में निरंतरता और उम्मीद से बेहतर मॉनसून से तस्वीर बेहतर होगी। इसलिए, वे इस बात पर नजर रखेंगे कि क्या उनकी उम्मीदें पूरी हुईं।

अमेरिका ब्याज दरें और यूके जीडपी जारी करेगा: फेडरल ओपन मार्केट कमेटी की मीटिंग 11 से 12 जून के बीच होगी और यूएस फेड 13 जून को अपने नीतिगत रुख की घोषणा करेगा। मोटे तौर पर, बाजार को उम्मीद है कि केंद्रीय बैंक अपनी दरें 5.25-5.50 प्रतिशत पर रखेगा।

सप्ताह की शुरुआत में, 10 जून को, जापान अपने आर्थिक विकास के आंकड़े और इको वॉचर्स सर्वे जारी करेगा। फिर, 11 और 12 जून को, यूके जॉब रिपोर्ट, इंडस्ट्रियल प्रोडक्शन और जीडीपी ग्रोथ जारी करेगा। 12 जून को चीन अपना महंगाई का डेटा जारी करेगा।

FIIs ने 16,971 करोड़ के शेयर बेचे: पिछले हफ्ते, विदेशी संस्थागत निवेशक ने 16,971 करोड़ रुपए से ज्यादा के शेयर बेचे, लेकिन उन्होंने डेट सेगमेंट में 4,669 करोड़ रुपए से अधिक की खरीदारी की। वहीं DIIs ने कैश सेगमेंट में 5,578 करोड़ रुपए से अधिक की खरीदारी की। आने वाले हफ्ते में, विदेशी निवेशक शेयरों की बिकवाली जारी रख सकते हैं।

दो मेनबोर्ड आईपीओ पर बाजार की नजर रहेगी: ले ट्रैवेन्यूज टेक्नोलॉजी का 120 करोड़ रुपए का इश्यू 10 जून को खुलेगा और 12 जून को बंद होगा। 10 जून को ही क्रोनॉक्स लैब साइंसेज की लिस्टिंग होगी। ले ट्रैवेन्यूज लोगों को उनकी यात्रा की बेहतर योजना बनाने में मदद करता है और क्रोनॉक्स एक स्पेशलिटी केमिकल मैन्युफैक्चर है। एसएमई सेगमेंट में, कंपनियों को अपने आईटी सॉल्यूशन्स को इंटीग्रेट करने में मदद करने वाली कंपनी 3सी आईटी सॉल्यूशंस, गद्दे और तकिए बेचने वाली कंपनी मजेंटा लाइफ केयर और साइबर सिक्योरिटी सॉल्यूशन वाली सैट्रिक्स इंफॉर्मेशन सिक्योरिटी की लिस्टिंग 12 जून को होगी।

7 जून को सेंसेक्स 76,795 के ऑलटाइम हाई बनाया था: रिजर्व बैंक के जीडीपी अनुमान बढ़ाने के बाद हफ्ते के आखिरी कारोबारी दिन यानी, 7 जून को सेंसेक्स 76,795 के ऑलटाइम हाई पर पहुंच गया था। हालांकि, बाद में ये थोड़ा नीचे आया और सेंसेक्स 1,618 अंक की बढ़त के साथ 76,693 पर बंद हुआ।

वहीं, निफ्टी में भी कारोबार के दौरान करीब 500 अंकों की बढ़त देखने को मिली और ये 23,320 के स्तर पर पहुंचा। निफ्टी 468 अंक की बढ़त के साथ 23,290 के स्तर पर बंद हुआ। ये निफ्टी का ऑलटाइम क्लोजिंग हाई है।

सेंसेक्स के सभी 30 शेयरों में तेजी रही। एम एण्ड एम का शेयर सबसे ज्यादा 5.83 प्रतिशत चढ़ा है। वहीं आईटी कंपनी विप्रो और टेक महिंद्रा में करीब 5 प्रतिशत की तेजी रही। टाटा स्टील, इंफोसिस और भारती एयरटेल के शेयर करीब 4 प्रतिशत चढ़े हैं।

पीटीसी इंडिया का मार्च तिमाही में शुद्ध लाभ 30 प्रतिशत घटा

नई दिल्ली, एजेंसी। बिजली कारोबार समाधान प्रदाता पीटीसी इंडिया का मार्च तिमाही में एकीकृत शुद्ध लाभ लगभग 30 प्रतिशत घटकर 91.11 करोड़ रुपए रह गया। कंपनी ने शुक्रवार को एक बयान में कहा कि वित्त वर्ष 2023-24 की चौथी तिमाही में उसका एकीकृत शुद्ध लाभ 91.11 करोड़ रुपए रहा जबकि एक साल पहले की समान तिमाही में यह 129.34 करोड़ रुपए था।

समीक्षाधीन तिमाही में उसकी कुल मात्रा 10 प्रतिशत बढ़कर 18.02 अरब यूनिट तक पहुंच गई, जो एक साल पहले की समान अवधि में 16.39 अरब यूनिट थी। वित्त वर्ष 2023-24 में उसका एकीकृत लाभ बढ़कर 533.16 करोड़ रुपए हो गया जबकि वित्त वर्ष 2022-23 में यह 507.15 करोड़ रुपए था। पीटीसी इंडिया के चेयरमैन एवं प्रबंध निदेशक राजीव के मिश्रा ने बताया कि निदेशक मंडल ने वित्त वर्ष 2023-24 के लिए 7.80 रुपए प्रति इक्विटी शेयर का लाभांश देने की सिफारिश की है।

चंद्रबाबू परिवार की संपत्ति 5 दिन में 35.71 प्रतिशत बढ़ी

भारत ने मई में 722 करोड़ रुपए का सोना खरीदा

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय रिजर्व बैंक यानी आरबीआई ने मई में दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा सोना खरीदार रहा। वर्ल्ड गोल्ड काउंसिल के मुताबिक, बीते माह भारत ने करीब 722 करोड़ रुपए का सोना खरीदा। सिर्फ स्विटजरलैंड और चीन ने भारत से ज्यादा गोल्ड खरीदा।

बीते 5 वित्त वर्षों में भारत ने अपने गोल्ड रिजर्व में करीब 204 टन सोने की बढ़ोतरी की। मार्च 2019 में देश का गोल्ड रिजर्व 618.2 टन था, जो 31 मार्च 2024 को 33 प्रतिशत बढ़कर 822.1 टन हो गया। हालांकि, इस दौरान सोने की कीमतों में करीब 70 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है।

चंद्रबाबू परिवार की संपत्ति 5 दिन में 858 करोड़ बढ़ी : 35.71 प्रतिशत हिस्सेदारी वाले हेरिटेज फूड्स के शेयर 55त्र चढ़े; आंध्र-केंद्र में जीत से बढ़ा भरोसा

चंद्रबाबू नायडू परिवार की संपत्ति पिछले 5 दिनों में ही 858 करोड़ रुपए बढ़ी है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार हेरिटेज फूड्स के शेयरों में इस दौरान 55त्र का उछाल आने से ऐसा हुआ है। हेरिटेज फूड्स के प्रमोटर पार्टी प्रमुख चंद्र बाबू नायडू के बेटे नारा लोकेश हैं। चंद्रबाबू नायडू 12 जून को आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री पद की शपथ लेंगे।

हेरिटेज ग्रुप की स्थापना 1992 में चंद्रबाबू नायडू ने की थी। यह कंपनी डेयरी, रिटेल और एग्री सेगमेंट में काम करती है। हाल ही में हुए आंध्र प्रदेश विधानसभा और लोकसभा चुनावों में तेलुगु देशम पार्टी प्रमुख चंद्रबाबू नायडू का शानदार प्रदर्शन रहा है। इससे उनकी कंपनी पर निवेशकों का भरोसा बढ़ा है।

को-फाउंडर सचिन बंसल ने एथर एनर्जी से एग्जिट किया : सचिन ने अपनी बाकी बची हुई 7.5 प्रतिशत हिस्सेदारी हीरो और जेरोधा के निखिल कामथ को बेची

फ्लिपकार्ट के को-फाउंडर सचिन बंसल ने इलेक्ट्रिक टू-व्हीलर कंपनी एथर एनर्जी में अपनी बाकी बची 7.5 प्रतिशत हिस्सेदारी बेच दी है। अब उनकी एथर एनर्जी प्राइवेट लिमिटेड में कोई हिस्सेदारी नहीं बची है। इकनॉमिक टाइम्स की रिपोर्ट के अनुसार, बंसल ने अपनी हिस्सेदारी हीरो मोटोकॉर्प और जेरोधा के को-फाउंडर निखिल कामथ को बेची है। बंसल एथर एनर्जी के लिए शुरुआती निवेशकों में शामिल थे और 2014 से लेकर अब तक कंपनी में लगभग 400 करोड़ रुपए का निवेश कर चुके हैं। टीवीएस ने इस रिकॉल से प्रभावित स्कूटरों की सही संख्या का खुलासा नहीं किया है। हालांकि, मीडिया रिपोर्ट्स में दावा किया गया है कि रिकॉल में लगभग 45,000 यूनिट शामिल हो सकती हैं।

आकासा एयर मुनाफे की राह पर, अधिक अंतरराष्ट्रीय उड़ानें शुरू होंगी

नयी दिल्ली, एजेंसी। आकासा एयर के सह-संस्थापक आदित्य घोष ने बताया कि एयरलाइन मुनाफे की राह पर है और वह दक्षिण एशिया तथा दक्षिण-पूर्व एशिया सहित अधिक अंतरराष्ट्रीय गंतव्यों के लिए उड़ान भरेगी। आकासा एयर के पास 24 विमानों का बेड़ा है और उसके 4,000 से अधिक कर्मचारी हैं। राष्ट्रीय राजधानी में घोष ने कहा कि भारत में एयरलाइंस उद्योग तेजी से बढ़ रहा है। घोष ने अन्य भूमिकाओं के अलावा, 2018 तक दस वर्ष इंडिगो के अध्यक्ष और पूर्णकालिक निदेशक के रूप में कार्य किया है। उन्होंने कहा कि आकासा को ग्राहक केंद्रित और कर्मचारी केंद्रित संगठन बनाने के साथ ही वित्तीय रूप से टिकाऊ व्यवसाय बनाना भी महत्वपूर्ण है। घोष ने इस बात पर जोर दिया कि आकासा एयर लाभप्रदता के मार्ग पर है। उन्होंने कहा, मुझे लगता है कि आकासा में हम लाभप्रदता के रास्ते पर हैं... हम इस पर दृढ़ता से ध्यान केंद्रित कर रहे हैं... हमने बेहतर परिचालन भरोसा, सबसे कम ग्राहक शिकायतें, उच्चतम लोड कारक, सबसे कम रद्दीकरण देखा है। एयरलाइन के पास इस समय 24 छोटे आकार के बोइंग 737 मैक्स विमानों का बेड़ा है।

घोष ने कहा, हमने दोहा के लिए उड़ान भरना शुरू कर दिया है, जेद्दा के लिए उड़ानों की घोषणा की है, हम पश्चिम एशिया में और अधिक गंतव्यों पर जाने वाले हैं। हम दक्षिण एशिया और दक्षिण पूर्व एशिया में भी जाएंगे। साथ ही भारत के छोटे शहरों में भी विस्तार करेंगे, क्योंकि वहां बहुत संभावनाएं हैं। एयरलाइन 15 जुलाई से जेद्दा के लिए उड़ानें शुरू करेगी। इसके पास कुवैत और रियाद के लिए यातायात अधिकार भी हैं। यह पूछने पर कि क्या आकासा एयर अपने बेड़े में चौड़े आकार के विमान भी शामिल कर सकती है, उन्होंने कहा कि लगातार अच्छा प्रदर्शन करने वाले व्यवसाय मॉडल एक प्रकार के बेड़े पर केंद्रित रहते हैं।

बजाज हाउसिंग फाइनेंस ने सेबी के पास ड्राफ्ट-पेपर्स जमा किए

नई दिल्ली, एजेंसी। कल की बड़ी खबर बजाज हाउसिंग फाइनेंस लिमिटेड से जुड़ी रही। बजाज फाइनेंस की सब्सिडियरी कंपनी बजाज हाउसिंग फाइनेंस लिमिटेड जल्द ही इनिशियल पब्लिक ऑफरिंग यानी आईपीओ लाने की तैयारी कर रही है। इस आईपीओ के जरिए कंपनी 7,000 करोड़ रुपए जुटाना चाहती है। वहीं, भारतीय रिजर्व बैंक यानी आरबीआई ने मई में दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा सोना खरीदार रहा। वर्ल्ड गोल्ड काउंसिल के मुताबिक, बीते माह भारत ने करीब 722 करोड़ रुपए का सोना खरीदा। सिर्फ स्विटजरलैंड और चीन ने भारत से ज्यादा गोल्ड खरीदा। बजाज फाइनेंस की सब्सिडियरी कंपनी बजाज हाउसिंग फाइनेंस लिमिटेड जल्द ही इनिशियल पब्लिक ऑफरिंग यानी आईपीओ लाने की तैयारी कर रही है। कंपनी ने आईपीओ लाने के लिए सिक्योरिटीज एंड एक्सचेंज बोर्ड ऑफ इंडिया के पास ड्राफ्ट रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस यानी पेपर्स फाइल किए हैं। इस आईपीओ के जरिए कंपनी 7,000 करोड़ रुपए जुटाना चाहती है। इस बात की जानकारी बजाज हाउसिंग फाइनेंस ने एक्सचेंज फाइलिंग में दी है।

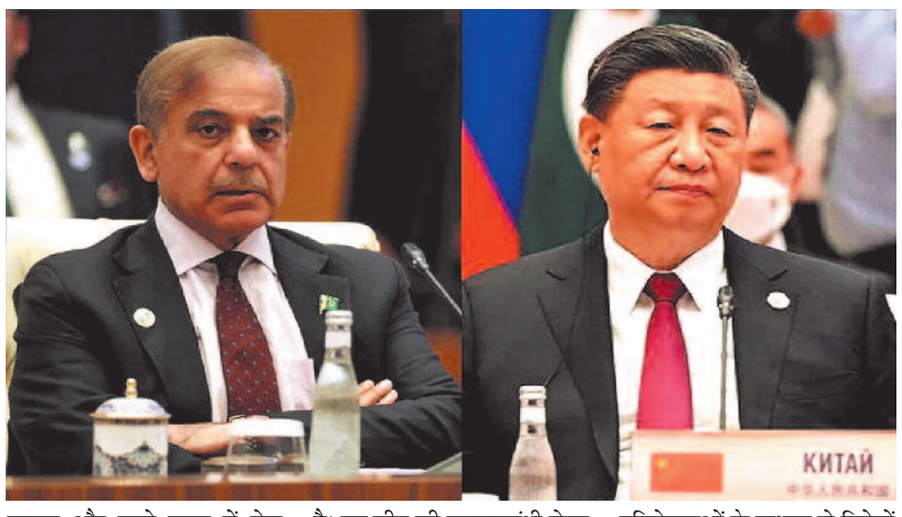

पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शरीफ, चीन के राष्ट्रपति चिनपिंग सीपीईसी के उन्नयन पर सहमत

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ और चीन के राष्ट्रपति शी चिनपिंग ने अपनी बैठक में चीन-पाकिस्तान आर्थिक गलियारे (सीपीईसी) के उन्नयन और दूसरे चरण में कई अरब डॉलर की परियोजना के उच्च-गुणवत्तापूर्ण विकास को आगे बढ़ाने पर आम सहमति की पुष्टि की है। शरीफ की पांच दिवसीय आधिकारिक चीन यात्रा चार जून से शुरू हुई थी। इस दौरान शुक्रवार को दोनों नेताओं ने बीजिंग के ऐतिहासिक ग्रेट हॉल ऑफ द पीपुल में गहन चर्चा की। दोनों नेताओं के साथ मंत्री और वरिष्ठ अधिकारी भी थे। इस साल राष्ट्रपति पद संभालने के बाद शरीफ की राष्ट्रपति शी से यह पहली मुलाकात थी।

सरकारी मीडिया के अनुसार, दोनों नेताओं ने सीपीईसी के उन्नयन और दूसरे चरण में मेगा परियोजना के विकास को आगे बढ़ाने पर सहमति जताई। सीपीईसी पाकिस्तान के बलूचिस्तान में ग्वादर बंदरगाह को चीन के शिंजियांग प्रांत से जोड़ता है। यह चीन की महत्वाकांक्षी बेल्ट एंड रोड इनिशिएटिव (बीआरआई) की प्रमुख परियोजना है। बीआरआई को चीन द्वारा दुनिया भर में चीनी निवेश द्वारा वित्तपोषित बुनियादी ढांचा परियोजनाओं के माध्यम से विदेशों में अपना प्रभाव बढ़ाने के प्रयास के रूप में देखा जा रहा है। प्रधानमंत्री शरीफ ने 2015 में राष्ट्रपति शी जिनपिंग की ऐतिहासिक पाकिस्तान यात्रा को याद किया, जब सीपीईसी को औपचारिक रूप से चालू किया गया था।

उन्होंने सीपीईसी के उच्च गुणवत्ता वाले विकास के प्रति पाकिस्तान की प्रतिबद्धता तथा निकट समन्वय के माध्यम से दोनों देशों की विकास रणनीतियों के बीच तालमेल को बढ़ावा देने पर जोर दिया। दोनों नेताओं ने चिर-प्रतिष्ठित सर्व-मौसम रणनीतिक सहयोग साझेदारी को दोहराया और राजनीतिक एवं सुरक्षा से लेकर आर्थिक, व्यापार और लोगों के बीच आदान-प्रदान तक के विविध क्षेत्रों में सहयोग को और अधिक गहरा करने का संकल्प व्यक्त किया। उन्होंने अफगानिस्तान, फिलिस्तीन और कश्मीर सहित दक्षिण एशिया सहित क्षेत्रीय और वैश्विक घटनाक्रमों पर भी विचार साझा किए।

इक्सिगो की मूल कंपनी का आईपीओ आज से ओपन होगा, 12 जून तक बोली लगा सकेंगे

मुंबई, एजेंसी। ट्रैवल एग्रीगेटर इक्सिगो की मूल कंपनी ले ट्रैवेन्यूज टेक्नोलॉजी का इनिशियल पब्लिक ऑफर यानी आईपीओ पब्लिक सब्सक्रिप्शन के लिए कल से ओपन होगा। रिटेल निवेशक इस आईपीओ के लिए 10 जून से 12 जून तक बोली लगा सकेंगे।

इस इश्यू के जरिए कंपनी टोटल 740.10 करोड़ जुटाना चाहती है। इसके लिए कंपनी 120 करोड़ के 12,903,226 नए शेयर इश्यू करेगी। वहीं, कंपनी के मौजूदा निवेशक ऑफर फॉर सेल यानी ह्रस्र्स के जरिए 740.10 के 79,580,900 शेयर बेचेंगे।

अगर आप भी इस आईपीओ में पैसा लगाने का प्लान बना रहे हैं तो हम आपको बता रहे हैं कि आप इसमें कितना निवेश कर सकते हैं। इस आईपीओके लिए रिटेल निवेशक को मिनिमम एक लॉट यानी 161 शेयर के लिए अप्लाय करना होगा। कंपनी ने आईपीओ का प्राइज बैंड 88- 93 प्रति शेयर तय किया है। यदि आप आईपीओ के अपर प्राइज बैंड 93 के हिसाब से 1 लॉट के लिए अप्लाय करते हैं तो आपको 14,973 लगाने होंगे। रिटेल निवेशक अधिकतम 13 लॉट यानी 2093 शेयर के लिए बिडिंग कर सकते हैं, जिसके लिए 194,649 इन्वेस्ट करने होंगे।

ले ट्रैवेन्यूज टेक्नोलॉजी लिमिटेड ने इश्यू का 75 प्रतिशत हिस्सा क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स के लिए रिजर्व रखा गया है। इसके अलावा करीब 10त्न हिस्सा रिटेल इनवेस्टर्स और बाकी का 15 प्रतिशत हिस्सा नॉन-इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्स के लिए रिजर्व है। ले ट्रैवेन्यूज़ टेक्नोलॉजी लिमिटेड की स्थापना 2006 में हुई थी। यह एक ऑनलाइन ट्रैवल एजेंसी है जो ट्रैवलर्स को इक्सिगो ऐप के जरिए ट्रेन, फ्लाइट, बस टिकट के साथ ही होटल बुक करने की सुविधा देता है।

संक्षिप्त समाचार

पाकिस्तान के पूर्व मंत्री फवाद चौधरी बोले– अभी भारत से दोस्ती करने का सही समय है

इस्लामाबाद, एजेंसी। ऐतिहासिक तीसरे कार्यकाल के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के शपथ ग्रहण समारोह से एक दिन पहले पूर्व पाकिस्तानी सूचना मंत्री फवाद चौधरी ने शनिवार को कहा कि पुराने प्रतिद्वंद्वी भारत और पाकिस्तान के बीच बराबरी के आधार पर दोस्ती के लिए यह बिल्कुल उपयुक्त समय है। जेल में बंद पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान के कभी करीबी रहे चौधरी ने कहा, ''खान और पूर्व सेना प्रमुख जनरल कमर जावेद बाजवा भारत में दोस्त बनाने के पक्ष में थे। वर्ष 2023 में खान की पार्टी पाकिस्तान तहरीक–ए–इंसाफ को छोड़ चुके 48 वर्षीय चौधरी यहां 'नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ पॉलिटिकल एजुकेशन' द्वारा आयोजित 'भारतीय चुनाव एवं दक्षिण एशिया पर उसके प्रभाव' विषयक संगोष्ठी को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि भारतीय पंजाब यहां से महज कुछ किलोमीटर दूर है लेकिन पाकिस्तानियों को वहां जाने के लिए दुबई से उड़ान लेनी होती है। उन्होंने कहा, '' दोनों देशों के बीच कोई वीजा नहीं होनी चाहिए। अब समय आ गया है कि दोनों चिर प्रतिद्वंद्वियों को बराबरी के आधार पर दोस्ती की चर्चा करने की जरूरत है।'' चौधरी ने चेतावनी दी कि भारत और पाकिस्तान को अगले 15 सालों में सिंधु बेसिन में बड़ी जल चुनौतियों का सामना करना होगा, इसलिए उन्हें एक दूसरे से बातचीत करनी होगी। उन्होंने कहा, '' पानी के मामले को लेकर सहयोग कायम करने में विफल रहने पर यह क्षेत्र अस्थिर हो सकता है।'' उन्होंने कहा कि मोदी की भारतीय जनता पार्टी की चरमपंथ नीतियों एवं राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन में उसके सहयोगियों की नीतियों में वैचारिक अंतर संकेत देता है कि गठबंधन की एकता का बिखरना आसन्न है। उन्होंने कहा, '' यह अस्थिरता बताती है कि भाजपा अपना कार्यकाल पूरा नहीं कर पायेगी जिससे (कांग्रेस नेता) राहुल गांधी अगले प्रधानमंत्री बनेंगे।

उड़ान भरते ही एयर कनाडा के विमान में से निकलने लगीं आग की लपटें

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के लॉस एंजेलिस में एक बड़ी घटना होते–होते बच गई। पेरिस जा रहे एयर कनाडा के एक विमान में उड़ान भरने के कुछ देर बाद ही आग लग गई। जैसे ही चालक दल को आग का पता लगा तो आनन–फानन में इमरजेंसी लैंडिंग कराई। इसका एक वीडियो सोशल मीडिया पर खूब वायरल हो रहा है। बता दें, विमान में 389 यात्री और 13 क्रू मेंबर मौजूद थे। चालक दल की सतर्कता की वजह से एक बड़ी घटना को टाला जा सका। विमान बिना किसी नुकसान या हताहत के हवाईअड्डे पर वापस लौट आया। वहीं, लोगों ने इंजन से आग की चिंगारी निकलते हुए वीडियो बना लिया। इस घटना के बाद फ्लाइट के पायलट ने तत्काल पैन–पैन संकट का संकेत दिया, जिससे ग्राउंड पर इमरजेंसी टीम को संकेत मिला। पायलट ने तुरंत विमान को वापस लॉस एंजेलिस हवाईअड्डे की तरफ मोड़ दिया और सुरक्षित लैंडिंग कराई। यह चौंका देने वाली घटना पांच जून की है। विमान में 389 यात्री और 13 क्रू मेंबर सवार थे। सभी यात्री और चालक दल के सदस्य सुरक्षित हैं। विमान के वापस आते ही आग बुझाई गई और एहतियाती कदम उठाए गए। विमान के इंजन में आग लगने की वजह अभी सामने नहीं आ सकी है। हादसे का कारण जानने के लिए जांच टीम बनाई गई है। इंजन में खराबी का कारण पता लगाने के लिए जांच की जा रही है। प्रभावित यात्रियों को दूसरी फ्लाइट में भेजने का इंतजाम किया गया। विमान की जांच की जाएगी और फिलहाल इसे सेवा से हटा दिया गया है। गौर करने वाली बात यह है कि पिछले दो हफ्तों में यह दूसरी घटना है।

बाइडन की नई प्रतिबंध नीति लाई रंग, अमेरिका–मैक्सिको सीमा पर प्रवासियों की संख्या में आई कमी

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका प्रशासन ने अमेरिका–मैक्सिको सीमा पर शरण मांगने वाले प्रवासियों पर प्रतिबंध लगा दिया है। इस बीच, अमेरिका–मैक्सिको सीमा को गलत तरीके से पार करते हुए पकड़े गए प्रवासियों की संख्या में कमी दर्ज की गई। एक वरिष्ठ अमेरिकी सीमा अधिकारी ने कहा कि यह इस बात का संकेत है कि बाइडन प्रशासन के नए प्रतिबंध कारगार साबित हो रहे हैं। अधिकारी ने नाम न छापने की शर्त पर कहा कि अमेरिकी सीमा गश्ती ने अवैध रूप से सीमा पार करने वाले करीब 3,100 लोगों को गिरफ्तार किया, जो पहले के दिनों से लगभग 20 फीसदी कम है। उन्होंने आगे कहा कि अभी यह कहना जल्दबाजी होगी कि अब ऐसी ही स्थिति बनी रहेगी। हालांकि, हमें लगता है कि शुरुआत में ऐसे आंकड़े आना सफलता का संकेत है। पांच नवंबर को होने वाले चुनावों से पहले आप्रवासन अमेरिकियों के लिए एक अहम और बड़ा मुद्दा बनकर उभरा है, जो व्हाइट हाउस और सदन पर नियंत्रण का फैसला करेगा। यहां राष्ट्रपति जो बाइडन और डोनाल्ड ट्रंप के बीच कड़ी टक्कर बनी हुई है। साल 2021 में बाइडन ने पदभार ग्रहण करते हुए ट्रंप की कई नीतियों को बदलने का वादा किया था। वहीं, सीमा पर रिकॉर्ड प्रवासी गिरफ्तारियों के मद्देनजर उन्होंने अपना रुख कड़ा कर लिया है। शरण प्रतिबंध में अकेले नाबालिगों, गंभीर चिकित्सा या सुरक्षा खतरों का सामना करने वाले लोगों और तस्करी के पीड़ितों के लिए अपवाद हैं। अधिकारी ने कहा, नई नीति का मकसद जल्द ही शीघ्र निष्कासन अर्थात फास्ट–ट्रैक निर्वासन प्रक्रिया के तहत रखे गए प्रवासियों की संख्या को अधिक करना है।

चीन का नेपाल में नया खेल–तेल और गैस की खोज के लिए काठमांडू को फंसाया

बीजिंग, एजेंसी। नेपाल, जो पहले कई आर्थिक और भू-राजनीतिक कारकों के कारण चीन की ओर पूरी तरह से झुकाव रखने में हिचकिचा रहा था, अब अपने बड़े उत्तरी पड़ोसी की ओर झुकता हुआ दिखाई दे रहा है, जिससे उसे हिमालयी देश के राजनीतिक, आर्थिक और सामाजिक क्षेत्र में अपनी उपस्थिति को और बढ़ाने का अवसर मिल रहा है। फिर भी नेपाल पर नज़र रखने वालों को सबसे ज़्यादा चिंता इस बात की है कि हिमालयी देश चीन को एक ऐसे क्षेत्र में प्रवेश करने का मौक़ा दे रहा है जो अब तक अछूता था- तेल और गैस की खोज में। 1985 में, नेपाल ने तेल और गैस की खोज के लिए विदेशी कंपनियों को आमंत्रित किया था। शेल और ट्राइटन एनर्जी ने भूकंपीय सर्वेक्षण किया था और तेल की संभावना का परीक्षण करने के लिए 3520 मीटर का कुआँ खोदा था, लेकिन इससे कोई परिणाम नहीं निकला। यहाँ तक कि चीन बेल्ट एंड रोड इनिशिएटिव को लेकर नेपाली लोगों में असंतोष को बढ़ावा दे रहा है। मई 2017 में, प्रचंड की अध्यक्षता वाले नेपाल और चीन ने क्ष्क्ष्द्ध पर एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए थे। दोनों विदेशी कंपनियों ने 1990 में नेपाल में तेल और गैस अन्वेषण बोलियों से अपना नाम वापस ले लिया था। द राइजिंग नेपाल ने कहा कि हालांकि, मई 2024 के शुरुआती हफ़्तों में, लगभग 20 चीनी इंजीनियरों की एक टीम ने 45 नेपाली तकनीशियनों के साथ दैलेख में तेल की खुदाई शुरू की, जो काठमांडू से 644

किलोमीटर से अधिक दूर है। नेपाली सरकार समर्थित अंग्रेजी भाषा के अख़बार ने कहा कि पेट्रोलियम उत्पादों की खोज के लिए उपकरण और उपकरण इस साल अप्रैल में ट्रकों में चीन से हिमालयी देश में पहुँचे। एक अन्य नेपाली अख़बार, कांतिपुर ने कहा कि चीनी और नेपाली तकनीशियनों ने भूकंपीय, भूवैज्ञानिक, मैग्नेटोटेल्यूरिक और भू-रासायनिक नमूना चार सर्वेक्षण किए। कांतिपुर ने कहा कि उन्होंने दूसरे चरण में तेल ड्रिल मशीनों के माध्यम से अन्वेषण के लिए जाने से पहले एक व्यवहार्यता अध्ययन भी किया। द राइजिंग नेपाल के अनुसार, अन्वेषण के लिए, नेपाल सरकार के खान और भूविज्ञान विभाग और चीनी सरकार की भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण कंपनी के बीच 2019 में पेट्रोलियम उत्पादों की खोज और निष्कर्षण के लिए वित्तीय और तकनीकी सहायता के लिए एक समझौते पर हस्ताक्षर किए गए थे। यह 1985 के बाद से नेपाल में पहला तेल और गैस अन्वेषण होगा, जब हिमालयी देश में तेल की खोज के लिए इसी तरह के प्रयास से कोई परिणाम नहीं निकला था।पर्यवेक्षक इस नवीनतम परियोजना को चीन द्वारा नेपाल में अपने प्रभाव को और बढ़ाने के प्रयास के रूप में देखते हैं, जो एक छोटा हिमालयी राष्ट्र है, जिसे वर्तमान में पुष्प कमल दहल प्रचंड द्वारा चलाया जाता है, जिनका चीन के प्रति झुकाव सर्वविदित है। इस वर्ष मार्च में, उन्होंने नेपाली कांग्रेस, एक उदार लोकतांत्रिक पार्टी को छोड़कर, अपनी सरकार चलाने के लिए चीन के कट्टर सहयोगी के पी शर्मा ओली, कम्युनिस्ट पार्टी ऑफ नेपाल (यूनाइटेड मार्क्सवादी-लेनिनवादी) के प्रमुख को नियुक्त किया। चीन ने प्रचंड के नेतृत्व वाली कम्युनिस्ट पार्टी ऑफ नेपाल (माओवादी केंद्र) और के पी शर्मा ओली के नेतृत्व वाली कम्युनिस्ट पार्टी ऑफ नेपाल (यूनाइटेड मार्क्सवादी-लेनिनवादी) की गठबंधन सरकार को बधाई देने में देर नहीं लगाई।यह कम्युनिस्ट गठबंधन के पुनरुत्थान का प्रतीक है, जिसे पहली बार 2017 में काठमांडू में तत्कालीन चीनी राजदूत यू होंग की सहायता से नेपाल में बनाया गया था। तब चीन ने नेपाल के राजनीतिक मामलों में अपने हस्तक्षेप से इनकार किया था।

चीन ने हिमालयी राष्ट्र की 36 हेक्टेयर भूमि पर किया अतिक्रमण : इसी तरह का दृष्टिकोण तब अपनाया गया जब मीडिया ने दावा किया कि मार्च 2024 में नेपाल में प्रचंड के नेतृत्व वाली नई गठबंधन सरकार के गठन में इसने पर्दे के पीछे से भूमिका निभाई। नवंबर 2022 में नेपाल के कृषि मंत्रालय द्वारा जारी एक सर्वेक्षण दस्तावेज़ के अनुसार, चीन ने उत्तरी सीमा पर 10 स्थानों पर हिमालयी राष्ट्र की 36 हेक्टेयर भूमि पर अतिक्रमण किया है। निक्की एशिया ने कहाक्योंकि, सरकार के गठन के तुरंत बाद, एक चीनी सैन्य प्रतिनिधिमंडल ने नेपाल का दौरा किया और बाद में रक्षा सहयोग को बढ़ाने का वादा किया। जबकि इसने नेपाल पर अपनी पकड़ मजबूत करने के बीजिंग के प्रयास के बारे में स्पष्ट रूप से संकेत दिया, इसने हिमालयी राष्ट्र में जीवन के हर पहलू को प्रभावित करने के पूर्वी एशियाई देश के प्रयास के बारे में भी संकेत दिया। चीन बेल्ट एंड रोड पहल को लेकर नेपाली लोगों में असंतोष पैदा कर रहा है। मई 2017 में प्रचंड की अगुआई में नेपाल और चीन ने बीआरआई पर एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए थे। इस समझौते को हिमालयी राष्ट्र ने नेपाल-चीन संबंधों में एक महत्वपूर्ण क्षण के रूप में सराहा था क्योंकि उसे उम्मीद थी कि यह देश में चीनी निवेश को आकर्षित करेगा। हालांकि, बीआरआई समझौते पर हस्ताक्षर किए जाने के सात साल बीत चुके हैं, कुल नौ अलग-अलग परियोजनाओं में से एक भी परियोजना लागू नहीं हुई है, जिसमें चीन के जिलोंग/केरुंग से काठमांडू को जोड़ने वाली ट्रांस-हिमालयन रेलवे, 400 केवी बिजली ट्रांसमिशन लाइन का विस्तार, एक तकनीकी विश्वविद्यालय की स्थापना और सुरंगों, सड़कों और जलविद्युत बांधों का निर्माण शामिल है।

फिर एक बार अस्पताल में भर्ती हुए किंग चार्ल्स, लंदन में हुआ इलाज, प्रोस्टेट कैंसर से पीड़ित हैं

लंदन, एजेंसी। ब्रिटेन के किंग चार्ल्स स्वास्थ्य संबंधी परेशानी झेल रहे हैं। इस बीच मंगलवार को एक बार फिर उन्हें लंदन के अस्पताल में भर्ती कराया गया। किंग एतिहासिक भाषण से एक दिन पहले अस्पताल में भर्ती हुए थे। इस भाषण के दौरान उनकी पत्नी रानी कैमिला की आंखों से आंसू आ गए थे। राजा ने मेडिकल टीम से मंजूरी लेने के बाद कार्यक्रम में भाग लिया। हालांकि, चिकित्सा सलाह के वजह से उनके भाषण को 45 मिनट कम कर दिया गया। कैंसर से पीड़ित हैं किंग बता दें, किंग कैंसर से पीड़ित हैं। शाही निवास- बकिंघम पैलेस ने फरवरी में इसकी जानकारी दी थी। 75 वर्षीय ब्रिटेन के राजा बढ़े हुए प्रोस्टेट की सर्जरी के लिए डॉक्टरों की निगरानी में हैं। उनकी सेहत से जुड़ा अपडेट शेयर करते हुए बकिंघम पैलेस ने बताया था कि इलाज से जुड़ी प्रक्रिया के दौरान एक चिंताजनक बात डॉक्टरों के सामने आई। किंग चार्ल्स की सर्जरी से पहले कराई गई जांच के दौरान कैंसर के एक रूप की पहचान की गई है। बकिंघम पैलेस ने बताया था कि सकारात्मक सोच के साथ इलाज करा रहे राजा जल्द से जल्द सामान्य रूप से सार्वजनिक राजकीय कर्तव्यों की तरफ लौटने को उत्सुक भी हैं। सेहत से जुड़ी अटकलों पर विराम लगाने के लिए उन्होंने कैंसर से जुड़ी बात सार्वजनिक करने का फैसला लिया। उन्होंने उम्मीद जताई है कि शाही परिवार की तरफ से जारी बयान के बाद दुनिया भर में कैंसर से प्रभावित मरीजों को मदद मिलेगी। ब्रिटेन के प्रधानमंत्री ने की अच्छी सेहत की कामना किंग चार्ल्स की सेहत से जुड़ी अपडेट सामने आने के बाद ब्रिटेन के प्रधानमंत्री ऋषि सुनक ने किंग चार्ल्स के जल्द स्वस्थ होने की कामना की थी। उन्होंने कहा कि ब्रिटेन के राजा जल्द स्वस्थ होंगे उन्हें इस बात का पूरा भरोसा है। सुनक ने कहा कि पूरा देश किंग चार्ल्स के जल्द स्वस्थ होने की कामना कर रहा है। ब्रिटेन के विपक्षी दल- लेबर पार्टी ने भी किंग को अच्छी सेहत की शुभकामनाएं दी हैं।

अदन की खाड़ी में फिर हुआ व्यापारिक जहाज पर हमला, हूती विद्रोहियों के मिसाइल हमले से जहाज में लगी आग

लंदन, एजेंसी। ब्रिटिश सुरक्षा फर्म एंब्रे ने रविवार को दावा किया है कि अदन की खाड़ी में एक व्यापारिक जहाज पर मिसाइल से हमला हुआ है। हमले के चलते जहाज में आग लग गई। हमला यमन से हुआ और इसके पीछे हूती विद्रोहियों का हाथ होने की आशंका जताई जा रही है। ब्रिटेन के मेरीटाइम ट्रेड ऑपरेशंस ने बताया कि जहाज के कप्तान ने उन्हें घटना के बारे में सूचित किया। जहाज पर यमन के नजदीक अदन की खाड़ी में दक्षिण पूर्व में 80 नॉटिकल मील की दूरी पर हमला हुआ। हूती विद्रोही बीते कई महीनों से लाल सागर, अदन की खाड़ी और अरब सागर में व्यापारिक जहाजों को निशाना बना रहे हैं। इस्राइल द्वारा गाजा में हमले के खिलाफ और फलस्तीनी लोगों के समर्थन में हूती विद्रोही इन हमलों को अंजाम दे रहे हैं। सुरक्षा फर्म एंब्रे का कहना है कि जहाज के अगले हिस्से पर मिसाइल का हमला हुआ, जिसके बाद जहाज में आग लग गई। हालांकि जहाज के क्रू ने ही आग पर काबू पा लिया। जहाज पर दो मिसाइलों से हमला किया गया, लेकिन दूसरी मिसाइल जहाज से नहीं टकराई। हमले में किसी के हताहत होने और बड़े नुकसान की खबर नहीं है। बीते दिनों हूती विद्रोहियों ने यमन में संयुक्त राष्ट्र के नौ कर्मियों का अपहरण कर लिया था। बंदी बनाए गए सभी कर्मी यमन मूल के ही है।

पाकिस्तान में पोलियो रोधी अभियान को झटका: 2024 में चौथा मामला आया सामने, देश- दुनिया की बढ़ी चिंता

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान जो अपने पड़ोसी अफ़गानिस्तान के साथ दुनिया के दो बचे हुए पोलियो-स्थानिक देशों में से एक है, ने 16.5 मिलियन से ज़्यादा 5 साल से कम उम्र के बच्चों को टीका लगाने के लिए राष्ट्रव्यापी पोलियो टीकाकरण अभियान शुरू किया है। दक्षिण एशियाई देश में इस साल के जंगली पोलियोवायरस का चौथा मामला सामने आने के बाद, इस बीमारी को खत्म करने के देश के प्रयासों को झटका लगा है। डब्ल्यूएचओ ने कहा कि अफ़गानिस्तान और पाकिस्तान के इलाकों में जंगली पोलियोवायरस का स्थानिक संक्रमण जारी है, साथ ही कहा कि इन बचे हुए इलाकों में पोलियो को रोकने में विफलता के परिणामस्वरूप बीमारी का वैश्विक स्तर पर फिर से उभार हो सकता है। पाकिस्तान के स्वास्थ्य मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि पाँच दिवसीय टीकाकरण अभियान इस महीने के आखिर में ईद-उल-अज़्हा के आगामी मुस्लिम त्योहार के अवसर पर पूरे देश में होने वाले बड़े पैमाने पर सार्वजनिक आंदोलन से पहले शुरू किया गया है। रिपोर्ट के अनुसार, टीकाकरण अभियान पाकिस्तान के 66 जिलों में चलाया जाएगा, जिसमें 33 जिलों में पूर्ण टीकाकरण होगा, जबकि 30 जिलों में आंशिक टीकाकरण होगा। देश के स्वास्थ्य मंत्रालय का हवाला देते हुए, मीडिया रिपोर्टों में कहा गया है कि राष्ट्रव्यापी टीकाकरण अभियान संघीय राजधानी इस्लामाबाद,

दक्षिण-पश्चिमी बलूचिस्तान प्रांत के 20 जिलों, उत्तर-पश्चिमी खैबर पख्तूनख्वा प्रांत के 23 जिलों, दक्षिणी सिंध प्रांत के 16 जिलों और पूर्वी पंजाब प्रांत के छह जिलों पर केंद्रित है। डॉन की एक रिपोर्ट के अनुसार, 2024 का चौथा पोलियो मामला शनिवार (1 जून) को सिंध प्रांत के शिकारपुर जिले से सामने आया। डॉन ने बताया कि पोलियोवायरस का नवीनतम मामला तब सामने आया जब पाकिस्तान सरकार ने हाल ही में पोलियो उन्मूलन कार्यक्रम के नए प्रमुख की नियुक्ति की, उनके पूर्ववर्ती ने सप्ताह के दौरान पद छोड़ दिया।इस साल की शुरुआत में, बलूचिस्तान प्रांत से पोलियोवायरस के तीन मामले सामने आए थे। इस्लामाबाद में नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ हेल्थ के अनुसार, पिछले तीन मामलों की तरह ही यह नया मामला भी टाइप-1 वाइल्ड पोलियोवायरस (डब्ल्यूपीवी1) का था। वाइल्ड पोलियोवायरस (डब्ल्यूपीवी) के तीन सीरोटाइप हैं - टाइप 1 (डब्ल्यूपीवी1), टाइप 2 (डब्ल्यूपीवी2) और टाइप 3 (डब्ल्यूपीवी3), और उनमें से दो - डब्ल्यूपीवी2 और डब्ल्यूपीवी3 - का उन्मूलन किया जा चुका है।

इंडोनेशिया में महिला को पूरा निगल गया अजगर, पेट फाड़कर निकाला गया

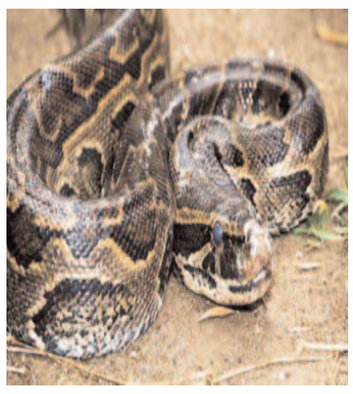

जर्काता, एजेंसी। अजगर (पाइथॉन) एक ऐसा सांप है जो कि जानवर ही नहीं बल्कि इंसान को भी पूरा का पूरा निगल जाता है। इंडोनेशिया से एक दिल दहलाने वाली घटना सामने आई है। यहां एक महिला को अजगर पूरा का पूरा निगल गया। बाद में जब देखा गया कि अजगर का पेट काफी बड़ा है तो उसे फाड़ा गया। महिला के शव को देखकर भी लोग हैरान रह गए क्योंकि उसके शरीर पर चोट भी नहीं आई थी। वहीं उसके कपड़े भी एकदम सही सलामत थे।

इंडोनेशिया में साउथ सुलावेसी प्रांत के कालेंपांग की रहने वाली 45 साल की महिला फरीदा अचनाक गायब हो गई। चार बच्चों की मां गुरुवार को घर वापस नहीं आई तो परिवार वालों को चिंता होने लगी। गांव के मुखिया ने एएफपी को बताया कि महिला की तलाश शुरू की गई। उसके पति को महिला की कुछ चीजें बिखरी पड़ी मिलीं। इसके बाद जब उस इलाके की ठीक से तलाशी ली गई तो एक आजगर मिला जिसका पेट बढ़ा हुआ था। इसके बाद लोगों ने कहा कि अजगर का पेट फाड़कर देखना चाहिए। पेट फाड़ा गया तो पहले फरीदा का

सिर दिखा। इसके बाद पूरा शरीर अजगर के पेट में सही सलामत मिला। यहां तक कि फरीदा के शरीर पर सारे कपड़े भी मौजूद थे। हालांकि फरीदा की मौत हो चुकी थी। इस तरह की घटनाएं दुर्लभ होती हैं लेकिन इंडोनेशिया में हर साल ऐसी खबरें सामने आती रहती हैं। बीते साल साउथवेस्ट सुलावेसी में एक आठ मीटर के अगर ने एक किसान को निगल लिया था। 2018 में एक 54 साल की महिला का शव अजगर के पेट के अंदर पाया गया था। जिस अजगर का पेट फाड़कर महिला को निकाला गया है उसकी लंबाई भी 5 मीटर थी। बता दें कि अजग ज्यादा गर्म देशों में पाया जाता है। इसकी औसत लंबाई 30 फीट हो सकती है। अजगर पहले अपने शिकार का गला घोंटता है और फिर निगल जाता है। 16 फीट लंबा अजगर ग्रामीणों ने इलाके की खोजबीन शुरू की तो एक 16 फीट लंबा अजगर दिखाई दिया, जिसका पेट फूला हुआ था। मुखिया ने कहा कि इसके बाद गांव वाले अजगर का पेट काटने के लिए सहमत हो गए। जैसे ही उन्होंने पेट काटना शुरू किया उन्हें सबसे पहले 45 साल की फरीदा का सिर दिखाई दिया। इसके बाद अजगर के पेट के अंदर फरीदा पूरी तरह कपड़ों में पाई गई। इंडोनेशिया में अजगर के हमले की घटनाएं बढ़ीं अजगर द्वारा इंसानों को निगले जाने की घटनाएं बहुत दुर्लभ मानी जाती हैं, लेकिन हाल के वर्षों में इंडोनेशिया में कई लोगों की मौत इस तरह से हुई है। पिछले साल, दक्षिणपूर्व सुलावेसी के तिनंगगिया जिले के निवासियों ने आठ मीटर के अजगर को मार डाला था, जब उसने गांव में एक किसान को मारकर निगल लिया था।

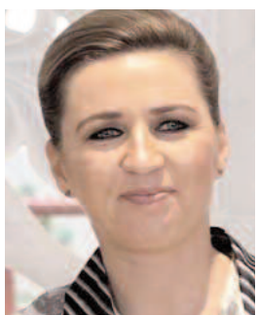

पीएम मेटे फ्रेडरिक्सन बोलीं- हमले से काफी दुखी हूं, राजनीति से प्रेरित अटैक का शक

वाशिंगटन, एजेंसी। डेनमार्क की प्रधानमंत्री मेटे फ्रेडरिक्सन पर हमला हो गया। डेनमार्क यूरोपीय देश है। हमले के बाद प्रधानमंत्री ने कहा कि वह इससे सदमें में जरूर हैं पर ठीक हैं। हमला राजनीति से प्रेरित बताया जा रहा है। डेनमार्क की मीडिया के अनुसार, हमला शुक्रवार को हुआ था। आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया है। अदालत ने आरोपी को 20 जून तक के लिए हिरासत में भेज दिया है। समर्थकों-चिंतकों के प्रति जताई चिंता अभियोक्ता तारुह सेकेरोग्लू ने शनिवार को बताया कि हमला राजनीति से प्रेरित है और यह सिर्फ कल्पना मात्र नहीं है। पुलिस इसकी जांच कर रही है। फ्रेडरिकसन ने सोशल मीडिया पर कहा कि यह समय शांति बनाए रखने का है। कल की घटना से मैं काफी दुखी हूं और हैरान भी हूं। हालांकि, उनका कहना है कि वे ठीक हैं। उन्होंने अपने समर्थकों और चिंतकों को मुश्किल वक्त में साथ देने के लिए धन्यवाद कहा। उन्होंने कहा कि अभी वे परिवार के साथ रहना चाहती हैं। मीडिया के अनुसार, प्रधानमंत्री को मामूली चोट आई है। आरोपी मानसिक रूप से असंतुलित है और घटना के वक्त वह नशे में था। फ्रांस के राष्ट्रपति ने की निंदा फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने यूरोपीय नेताओं के साथ मिलकर शनिवार को हमले की निंदा की। उन्होंने इसे अस्वीकार्य कहा। उन्होंने कहा कि मैं इस कृत्य की कड़ी निंदा करता हूं और मेटे फ्रेडरिक्सन के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करता हूं। स्लोवाकिया के प्रधानमंत्री पर हुआ हमला बता दें, स्लोवाकिया पीएम रोबर्ट फीको पर भी 15 मई को मध्य स्लोवाकिया के हंडलोवा शहर में एक बंदूकधारी ने हमला कर दिया था। मीडिया रिपोर्ट में कहा गया है कि फीको की मानें तो वह कई महीनों से स्लोवाकिया में एक सरकारी राजनेता के खिलाफ हत्या के प्रयास की संभावना के बारे में सार्वजनिक रूप से चेतावनी दे रहे थे। उन्होंने दावा किया था कि विपक्ष के एक कार्यकर्ता ने उनके राजनीतिक विचारों के कारण उनकी हत्या करने की कोशिश की थी। फिको ने यह भी कहा कि अगर उनकी हालत सही होती है, तो वह जून के अंत या जुलाई की शुरुआत में काम पर वापस आ जाएंगे। उन्होंने आगे कहा कि 71 साल के हमलावर के प्रति उन्हें कोई नफरत नहीं है और न ही वह उसके खिलाफ कोई कानूनी कार्रवाई करेंगे।

पाकिस्तानी मूल के व्यवसायी बोले- प्रधानमंत्री मोदी भारत ही नहीं, पूरे दक्षिण एशिया के लिए बेहतर नेता

वाशिंगटन, एजेंसी। पाकिस्तानी मूल के एक अमेरिकी व्यवसायी ने दुनिया की सबसे बड़ी लोकतांत्रिक प्रक्रिया के शांतिपूर्ण और सफल संचालन पर भारत के लोगों को बधाई दी और कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सिर्फ भारत में ही नहीं बल्कि पूरे दक्षिण एशिया क्षेत्र में स्थिरता की गारंटी हैं। पाकिस्तानी मूल के अमेरिकी व्यवसायी ने कहा, मोदी का नेतृत्व भारत की स्थिरता और भारत के भविष्य की गारंटी है। साजिद तरार ने कहा, मोदी के तीसरी बार सत्ता में आने से पाकिस्तान के लोगों को उम्मीद है कि भारत के साथ उनके रिश्ते बेहतर होंगे। भारत में आम चुनावों के सफल समापन पर बधाई देते हुए साजिद तरार ने कहा, यह भारतीय लोकतंत्र की ताकत और लचीलेपन का प्रमाण है। उन्होंने कहा, भारत का लोकतंत्र अमेरिका से भी ज्यादा मजबूत है। उधर पाकिस्तान के पूर्व सूचना व प्रसारण मंत्री फवाद चौधरी ने भी दोनों देशों के बीच अच्छे संबंधों की इच्छा जताई है और बिना वीजा यात्रा सुविधा शुरू होने की वकालत की है। मोदी को चीन की बधाई पर विदेश मंत्रालय ने सधे शब्दों में कहा, शुक्रिया देश के लोकसभा चुनावों के बाद नई सरकार के गठन की प्रक्रिया शुरू होने पर चीन ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को बधाई दी है। इसका विदेश मंत्रालय ने भी नपे-तुले शब्दों में शुक्रिया अदा किया है। प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा, पीएम को बधाई देने के लिए चीन को धन्यवाद। आपसी सम्मान, हित, संवेदनशीलता के आधार पर भारत-चीन संबंधों को सामान्य बनाने का प्रयास करेंगे।

मोदी का मस्क को जवाब : पीएम नरेंद्र मोदी ने जीत पर बधाई देने के लिए टेस्ला के

सीईओ एलन मस्क को धन्यवाद दिया। पीएम ने सोशल मीडिया पर मस्क को जवाब देते हुए लिखा, उम्मीद के मुताबिक नीतियां और स्थिर लोकतांत्रिक व्यवस्था देश में अनुकूल कारोबारी माहौल बनाती रहेगी। मस्क मैं आपकी बधाई की सराहना करता हूं। बता दें, भारत सरकार इलेक्ट्रिक वाहन क्षेत्र में घरेलू उत्पादन बढ़ाने के लिए सक्रिय रूप से काम कर रही है, ताकि भारतीयों को रोजगार मिले व उत्पादन बढ़े।

यमन, सेंट किट्स एंड नेविस को कहा धन्यवाद : मोदी ने उनकी जीत पर बधाई देने पर यमन के पीएम अहमद अवद बिन मुबारक और सेंट किट्स एंड नेविस के पीएम टेरेंस ड्रू को धन्यवाद कहा है। पीएम मोदी ने प्रधानमंत्री पोस्ट किया, हमें दोनों ही देशों पर गर्व है।

टी-20 वर्ल्ड कप में लगाई रिकॉर्ड्स की झड़ी

134 रनों से मैच जीतकर वेस्टइंडीज ने रचा इतिहास

अकील हुसैन ने हासिल किए पांच विकेट

वेस्टइंडीज के लिए मैच में अकील हुसैन ने कमाल की गेंदबाजी की। उनकी कातिलाना बॉलिंग के आगे युगांडा के बल्लेबाज टिक नहीं पाए और आउट हो गए। उन्होंने मैच के चार ओवर में 11 रन देकर 5 विकेट अपने नाम किए हैं। टी20 वर्ल्ड कप में वेस्टइंडीज के किसी भी बॉलर की ये बेस्ट बॉलिंग फिगर है।

नईदिल्ली, एजेंसी। वेस्टइंडीज की टीम ने युगांडा के खिलाफ 134 रनों से जीत दर्ज की है। युगांडा के बल्लेबाज वेस्टइंडीज की मजबूत गेंदबाजी के आगे टिक नहीं पाए और आउट हो गए।

मैच में वेस्टइंडीज के कप्तान रोवमैन पॉवेल ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया। वेस्टइंडीज की टीम ने बैटिंग करते हुए 173 रन बनाए। जिसके जवाब में युगांडा की टीम 39 रनों पर ऑलआउट हो गई। मैच जीतकर वेस्टइंडीज ने कई बड़े रिकॉर्ड्स बना दिए हैं।

टी20 वर्ल्ड कप में दूसरी सबसे बड़ी जीत

वेस्टइंडीज की टीम ने युगांडा के खिलाफ 134 रनों से जीत दर्ज की है, जो टी20 वर्ल्ड कप के इतिहास में दूसरी सबसे बड़ी जीत है। टी20 वर्ल्ड कप में सबसे बड़ी जीत हासिल करने का रिकॉर्ड श्रीलंका के नाम है। श्रीलंका ने टी20 वर्ल्ड कप 2007 में केन्या के खिलाफ 172 रनों से मैच जीता था। साउथ अफ्रीका की टीम टी20 वर्ल्ड कप में सबसे बड़ी जीत हासिल करने के मामले में तीसरे नंबर पर है। अफ्रीका ने स्कॉटलैंड के खिलाफ टी20 वर्ल्ड कप 2009 में 130 रनों से मैच जीता था।

टी-20 विश्व कप में सबसे बड़ी जीत दर्ज करने वाली टीमों की लिस्ट

172 - श्रीलंका, 2007
134 - वेस्टइंडीज, 2024*
130 - साउथ अफ्रीका, 2009
130 - अफगानिस्तान, 2021
125 - अफगानिस्तान, 2024

पहली बार इतने रनों से जीता मैच

वेस्टइंडीज की टीम ने 134 रनों से मैच जीतकर इतिहास रच दिया है। वेस्टइंडीज ने पहली बार कोई टी20 इंटरनेशनल मैच 100 प्लस रनों से जीता है। इससे पहले वेस्टइंडीज की टीम ने टी20 वर्ल्ड कप 2014 में पाकिस्तान के खिलाफ मैच 84 रनों से अपने नाम किया था, जो उसकी सबसे बड़ी जीत थी। वहीं वेस्टइंडीज की ये टी20 इंटरनेशनल क्रिकेट में लगातार छठी जीत है।

टी-20 वर्ल्ड कप:2024

रोवमैन पॉवेल के बल्ले से निकला टी20 वर्ल्ड कप का सबसे लंबा छक्का

क्रिकेट में छक्के मारने की बात आती है तो सबसे पहले वेस्टइंडीज के बल्लेबाजों का ध्यान आता है। कभी विव रिचर्ड्स छक्के मारने के उस्ताद थे तो फिर क्रिस गेल आए। आज भी वेस्टइंडीज की टीम में ऐसे बल्लेबाज हैं जो गेंद से स्टेडियम से बाहर भेजने का दम रखते हैं। टी20 वर्ल्ड कप 2024 में सबसे लंबा छक्का मारने का रिकॉर्ड भी वेस्टइंडीज के बल्लेबाज के नाम दर्ज हो गया है।

वेस्टइंडीज के कप्तान रोवमैन पॉवेल ने टी20 वर्ल्ड कप 2024 का सबसे लंबा छक्का जड़ा है। उन्होंने युगांडा के खिलाफ मुकाबले में यह किया। 11वें ओवर की चौथी गेंद पर पॉवेल क्रीज से बाहर निकले। उनका बैलेंस ठीक नहीं था। वह गेंद की पिच तक भी नहीं पहुंचे थे। इसके बाद भी बल्ला चला दिया। गेंद बल्ले के बीच में लगी और मीडिया स्टैंड्स के ऊपर से स्टेडियम के बाहर चली गई। इस छक्के की लंबा 107 मीटर थी।

फिल साल्ट को छोड़ा पीछे

रोवमैन पॉवेल ने इस टी20 वर्ल्ड कप में सबसे लंबा छक्का मारने के मामले में फिल साल्ट को पीछे छोड़ दिया है। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ मुकाबले में इंग्लैंड के साल्ट ने 106 मीटर लंबा छक्का मारा था।

अर्जेंटीना कोपा अमेरिका का दावेदार है :मेसी

ब्यूनस आयर्स, एजेंसी। अर्जेंटीना के कप्तान लियोनल मेसी ने अमेरिका में होने वाले कोपा अमेरिका कप के लिए अर्जेंटीना को प्रबल दावेदार बताया है। मौजूदा विश्व कप और कोपा अमेरिका चैंपियन अपने खिताब बचाओ अभियान की शुरुआत 20 जून को कनाडा के खिलाफ मैच से करेगा। इसके बाद ग्रुप चरण में उसे चिली और पेरू से खेलना होगा। मेसी ने अर्जेंटीना न्यूज सर्विस इन्फोबे से कहा, मुझे लगता है कि अर्जेंटीना हमेशा दावेदार रहा है।

सफलता की मौजूदा अवधि से पहले भी अर्जेंटीना ब्राजील की तरह दावेदार था। यह कोपा अमेरिका भी अपवाद नहीं होगा। 36 वर्षीय इंटर मियामी फॉरवर्ड ने कहा,मुझे लगता है कि सभी दक्षिण अमेरिकी टीमें इस समय काफी ताकतवर हैं। उरुग्वे, कोलंबिया, इक्वाडोर सभी बहुत अच्छी हैं। हर मैच एक कड़ा मुकाबला होगा और यह एक मुश्किल टूर्नामेंट होगा। अर्जेंटीना दुनिया के सबसे पुराने महाद्वीपीय फुटबॉल टूर्नामेंट के लिए अपनी तैयारियों को इक्वाडोर और ग्वाटेमाला के खिलाफ नौ और 14 जून को मैत्री मैचों से अंतिम रूप देगा।

भारतीय महिला हॉकी टीम जर्मनी से 2-4 से हारी

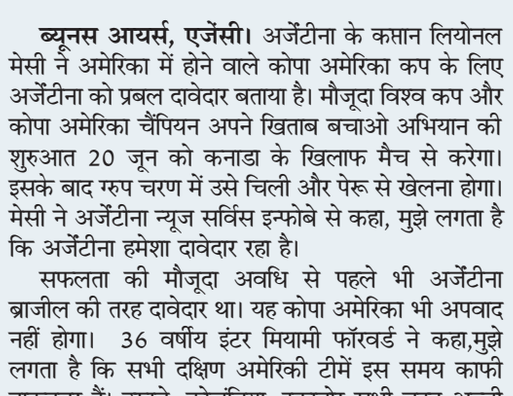

लंदन, एजेंसी। भारतीय महिला हॉकी टीम को जर्मनी के खिलाफ एफआईएच प्रो लीग 2023/24 में कड़े संघर्ष में 2-4 से हार का सामना करना पड़ा। सुनेलिता टोप्पो (9') और दीपिका (15') ने भारत के लिए गोल किये जबकि विक्टोरिया हस (23, 32), स्टाइन कुर्ज़ (51) और जूल ब्लूएल (55) ने जर्मनी के लिए गोल दागे। जर्मनी ने पहले क्वार्टर में दो गोल से पिछड़ने के बाद वापसी करते हुए जीत हासिल की। भारतीय गोलकीपर बीचु देवी खरीबाम ने दूसरे क्वार्टर में कुछ अच्छे बचाव किये और भारत ने आधे समय तक 2-1 की बढ़त बनाये रखी। जर्मनी ने तीसरे क्वार्टर में गोल से स्कोर 2-2 से बराबर कर दिया। जर्मनी ने आखिरी क्वार्टर में दो गोल दागकर मैच 4-2 से अपने पक्ष में कर लिया। भारतीय टीम प्रो लीग के अपने आखिरी मैच में ग्रेट ब्रिटेन से नौ जून को भिड़ेगी।

फाइटर पूजा तोमर ने रचा इतिहास

FC में जीत दर्ज करने वाली बनीं पहली भारतीय

नई दिल्ली, एजेंसी। पूजा तोमर अल्टीमेट फाइटिंग चैंपियनशिप (यूएफसी) में जीत दर्ज करने वाली भारत की पहली मिश्रित मार्शल आर्ट फाइटर बन गई है। पहली बार इस तरह की प्रतियोगिता में भाग ले रही पूजा ने यूएफसी लुइसविले में शनिवार को स्ट्रॉवेट (52 किग्रा) मुकाबले में ब्राजील की रेयान डॉस सैंटोस पर 30-27, 27-30, 29-28 से विभाजित निर्णय से जीत हासिल की।

इतिहास रचने के बाद पूजा ने क्या कहा?

पूजा ने मुकाबले के बाद कहा,'यह केवल मेरी जीत नहीं है। यह भारत के सभी प्रशंसकों और भारतीय फाइटर की जीत है। इससे पहले सभी सोचा करते थे कि भारतीय फाइटर चुनौती पेश नहीं कर सकते हैं। मैं केवल जीत के बारे में सोच रही थी और मैंने दिखाया कि भारतीय फाइटर हारने वालों में शामिल नहीं हैं।'

'साइक्लोन' के नाम से मशहूर 30 वर्षीय पूजा ने पिछले साल अक्टूबर में यूएफसी के साथ अनुबंध किया था और इस तरह से वह मिश्रित मार्शल आर्ट्स की सबसे बड़ी प्रतियोगिताओं में भाग लेने वाली भारत की पहली महिला बन गईं। अंशुल जुबली और भरत कंडारे ने यूएफसी में विश्व मंच पर भारत का प्रतिनिधित्व किया है।

उत्तर प्रदेश के मुजफ्फरनगर के बुधाना गांव में जन्मी पूजा पांच बार की राष्ट्रीय वुशु चैंपियन हैं और कराटे और ताइक्वांडो में भी भाग लेती रही है। पूजा ने कहा,'मुझे जीत की पूरी उम्मीद थी और मैंने काफी आक्रमण किया। लेकिन मैं अपना शत प्रतिशत प्रदर्शन नहीं कर पाई। दूसरे राउंड में मैं दबाव महसूस कर रही थी। मुझे अभी काफी सुधार करने की जरूरत है।'

दोनों के बीच की फाइट बहुत ही शानदार रही। पूजा और उनकी विरोधी दोनों ने ही अपने-अपने दमखम दिखाए। पहले राउंड में पूजा ने जबरदस्त किक मारे और दबदबा बना लिया। उनकी ये किकें डॉस के शरीर पर सीधे लग रहीं थीं। दूसरे राउंड में डॉस ने वापसी की।

वो लगातार आगे बढ़ रहीं थीं और पूजा को पीछे हटकर वार करने के लिए मजबूर कर रहीं थीं। इस राउंड में ब्राजीलियाई खिलाड़ी ने भी पूजा की तरह ही लात लगाने की तरकीब अपनाई और सफल भी रहीं। दोनों महिला फाइटर्स ने जमकर लड़ाई की। आखिरी राउंड बहुत ही रोमांचक था और बराबरी का रहा, लेकिन आखिर में पूजा ने तीसरा राउंड जीता और पहली बार यूएफसी में जीत हासिल की।

वर्ल्ड नंबर-1

इगा स्वियातेक ने जीता फ्रेंच ओपन

नईदिल्ली, एजेंसी। फ्रेंच ओपन 2024 के महिला सिंगल्स का खिताब पोलैंड की इगा स्वियातेक ने जीत लिया है। इगा ने फाइनल मुकाबले में इटली की जैसमीन पाओलिनी को हराया है। शानिवार को रोलां गैरां के फिलिप चैटरियर कोर्ट पर खेल गए फाइनल मैच में वर्ल्ड नंबर-1 इगा स्वियातेक ने जैसमीन पाओलिनी को सीधे सेट में 6-2, 6-1 से हरा दिया। 12वीं सीड जैसमीन पाओलिनी पहली बार किसी ग्रैंड स्लैम के फाइनल में पहुंची थी।

इगा ने अपना चौथा ग्रैंड स्लैम खिताब जीता

इगा स्वियातेक का ये चौथा फ्रेंच ओपन और ओवरऑल पांचवां ग्रैंड स्लैम खिताब है। पोलैंड की इगा ने साल 2020, 2022 और 2023 में भी फ्रेंच ओपन जीता था। जबकि साल 2022 में इगा ओपन भी जीती थी। पिछले साल फ्रेंच ओपन के फाइनल में इगा ने चेक रिपब्लिक की कैरोलिना मुचोवा को 6-2, 5-7, 6-4 से हराया था। सेमीफाइनल में जैसमीन पाओलिनी ने रूस की 16 साल की मीरा एंड्रीवा को सीधे सेटों में 6-3,6-1 से हराकर फाइनल में प्रवेश किया था। वहीं चैंपियन इगा ने @ की स्टार टेनिस खिलाडी कोको गाफ को 6-2, 6-4 से हराया था। जिसके बाद दोनों का मुकाबला फाइनल में हुआ था। 23 साल की इगा ने अपना पहला ग्रैंड स्लैम मुकाबला 2019 में खेला था। इसके बाद 2020 में ही उन्होंने अपना पहला फ्रेंच ओपन जीता था। 2021 के सीजन में इगा एक भी ग्रैंड स्लैम खिताब नहीं जीत पाई।

दक्षिण अफ्रीका को जीत दिलाने के बाद मिलर ने दिया बड़ा बयान

न्यूयॉर्क, एजेंसी। नीदरलैंड ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ नौ विकेट पर 103 रन बनाए थे, लेकिन जवाब में दक्षिण अफ्रीका की शुरुआत अच्छी नहीं रही थी और उसने 12 रन पर चार विकेट गंवा दिए थे। नीदरलैंड के खिलाफ दक्षिण अफ्रीका को टी20 विश्व कप मैच में उलटफेर से बचाने वाले डेविड मिलर ने टीम की जीत के बाद बड़ा बयान दिया है। मिलर ने कहा कि भले ही हम जीत दर्ज करने में सफल रहे लेकिन नीदरलैंड ने शानदार गेंदबाजी की। नीदरलैंड ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ नौ विकेट पर 103 रन बनाए थे, लेकिन जवाब में दक्षिण अफ्रीका की शुरुआत अच्छी नहीं रही थी और उसने 12 रन पर चार विकेट गंवा दिए थे।

मिलर ने दिलाई जीत

खराब शुरुआत के बाद दक्षिण अफ्रीका को अनुभवी बल्लेबाज डेविड मिलर ने संभाला और 51 गेंद में 59 रन की अहम पारी खेल कर दक्षिण अफ्रीका को चार विकेट से जीत दिलाई। मिलर ने ट्रिस्टन स्टब्स के साथ पांचवें विकेट के लिए 65 रन की साझेदारी कर मैच में टीम की वापसी कराई जिससे टीम ने सात गेंद शेष रहते लक्ष्य हासिल किया। मिलर ने अपनी पारी में तीन चौके और चार छक्के लगाए।

टी-20 वर्ल्ड कप:2024

मिचेल मार्श के छक्के ने कर दिया भारी नुकसान

नईदिल्ली, एजेंसी। ऑस्ट्रेलियाई कप्तान मिलेच मार्श ने छक्का लगाकर टी20 वर्ल्ड कप 2024 में भारी नुकसान कर दिया.

दरअसल मार्श के छक्के से स्टेडियम में लगे सोलर पैनल के परखच्चे उड़ गए. टी20 विश्व कप का 17वां मुकाबला ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड के बीच बारबाडोस के केंसिंग्टन ओवल में खेला गया था. इसी मैच में मार्श के छक्के से भारी नुकसान हुआ, जिसका वीडियो भी सामने आया है. मार्श के इस छक्के का वीडियो आईसीसी ने आधिकारिक सोशल मीडिया के ज़रिए शेयर किया. वीडियो में देखा जा सकता है कि मार्श ज़ोर लगाकर छक्का लगाते हैं और गेंद स्टेडियम के स्टैंड्स के छत पर लगे सोलर पैनल से टकराती है. गेंद के टकराते ही सोलर पैलन टूट जाता है.

आईसीसी ने इस वीडियो को कैप्शन देते हुए लिखा, मिचेल मार्श ने केंसिंग्टन ओवल पर निशान छोड़ दिया. बता दें कि मार्श ने यह छक्का पहली पारी के 9वें ओवर की पांचवीं गेंद पर इंग्लिश स्पिनर आदिल रशीद के ऊपर लगाया था.

मार्श अच्छी लय में दिखाई दिए थे. उन्होंने इंग्लैंड के खिलाफ मुकाबले में 25 गेंदों में 2 चौके और 2 छक्कों की मदद से 35 रनों की पारी खेली थी.

लड़ाई हो तो भी थोड़ा स्पेस मिलना चाहिए: रणबीर कपूर

रणबीर कपूर को आखिरी बार फिल्म एनिमल में देखा गया था। बॉक्स ऑफिस पर ये ब्लॉकबस्टर फिल्म रही थी। इस फिल्म के प्रमोशन्स के दौरान रणबीर ने बताया था कि उनकी भी पत्नी आलिया भट्ट के साथ लड़ाई होती है। बहस भी होती है। आलिया तब तक रणबीर को कहीं नहीं जाने देती हैं, जब तक वो अपना प्वॉइंट प्रूव न कर लें। वहीं, रणबीर का मानना होता है कि वो दोनों ही कुछ समय के लिए स्पेस ले लें, जिससे बाद में शांत दिमाग से चीजों को सॉल्व किया जा सके। करीना कपूर खान संग बातचीत में रणबीर ने कहा था- अगर लड़ाई होती है तो मैं चाहता हूं कि मुझे थोड़ा स्पेस मिले। वहीं, आलिया खुद को उस समय वकील समझने लगती हैं। उन्हें अगर लगता है कि कोई उन्हें बेवजह गलत बता रहा है तो वो खुद का बिना प्वॉइंट प्रूव किए उस इंसान को वहां से जाने नहीं देतीं। जैसे की मैं। वो अपना प्वॉइंट क्लियर करती हैं। मेरे अंदर बिल्कुल भी ईगो नहीं। सेल्फ रिस्पेक्ट भी नहीं। मैं सॉरी बोलने में यकीन रखता हूं। फिर मैं गलत हूं या सही. पर मुझे स्पेस देने का कॉन्सेप्ट पसंद है। कई बारी चीजें गरमा-गर्मी में कह दी जाती हैं। जब भी कपल के बीच लड़ाई हो रही होती है तो कुछ चीजें हम लोग एक-दूसरे को ऐसी कह देते हैं जो नहीं कहनी चाहिए और आपका वो मतलब भी नहीं होता है जो आप कह देते हैं। ऐसे में वो 3-4 शब्द किसी इंसान के साथ रह जाते हैं जो उसको याद आते हैं तो हर्ट करते हैं। ऐसे में कपल को बैठकर आराम से बात करनी चाहिए और गलतफहमी दूर करनी चाहिए। बता दें कि रणबीर कपूर और आलिया भट्ट की लव स्टोरी की शुरुआत ब्रह्मास्त्र के सेट पर हुई थी। जब दोनों की पहली मुलाकात हुई। साल 2022 में दोनों ने इंटीमेट वेडिंग की, जिसमें घर के लोग और करीबी दोस्त ही शामिल हुए थे। इसी साल दोनों ने नवंबर 2022 में बेटी राहा कपूर का स्वागत किया था। राहा डेढ़ साल की हो गई हैं और इनकी क्यूटनेस पर हर कोई फिदा नजर आता है। स्पेशली इनकी आंखों के रंग को देखकर हर कोई इन पर प्यार लुटाता दिखता है।

दो फिल्मों की शूटिंग और तीसरी का प्रमोशन!

बेहद व्यस्त हैं खिलाड़ी, क्या इस बार रंग लाएगी मेहनत?

बॉलीवुड अभिनेता अक्षय कुमार की पिछली कुछ फिल्मों ने बॉक्स ऑफिस पर खास कमाल नहीं किया है। लेकिन, इसके बावजूद उनकी ब्रांड वेल्यू बरकरार है। आलम यह है कि आगामी फिल्मों की शूटिंग से उन्हें जरा भी फुरसत नहीं।

अभिनेता अक्षय कुमार इन दिनों बेहद व्यस्त चल रहे हैं। वे एक नहीं, बल्कि दो-दो फिल्मों की शूटिंग कर रहे हैं। एक तरफ वे जॉली एलएलबी 3 की शूटिंग में जुटे हैं। दूसरी तरफ उनके पास वेलकम टू द जंगल है। रिपोर्ट्स के मुताबिक खिलाड़ी ने अरशद वारसी और अभिनेत्री हुमा कुरैशी के साथ कोर्ट रूम कॉमेडी जॉली एलएलबी 3 के अधिकांश हिस्से की शूटिंग पूरी कर ली है। लेकिन, उन्हें काम से अभी फुरसत नहीं है।

पूरे महीने करेंगे वेलकम की शूटिंग

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक अक्षय कुमार जून के पूरे महीने में वेलकम की तीसरी कड़ी की शूटिंग करेंगे, जो जुलाई तक जारी रहेगी। कहा जा रहा है कि फिल्म वेलकम टू द जंगल के निर्देशक अहमद खान ने बाद में 30 दिनों की शूटिंग की योजना बनाई है। इसमें मुख्य रूप से इनडोर सीन पर फोकस रखा जाएगा। वेलकम टू द जंगल के कलाकारों में सुनील शेट्टी, रवीना टंडन, जैकी श्रॉफ, लारा दत्ता, दिशा पटानी, जैकलीन फर्नांडीज, तुषार कपूर और अरशद वारसी शामिल हैं।

इस तारीख को रिलीज होगी सिरफिरा

फिल्म वेलकम टू द जंगल को हर लिहाज से शानदार बनाने की कोशिश है। इसके लिए एक गाने की शूटिंग भी निर्धारित है। दो फिल्मों की शूटिंग के बीच खिलाड़ी को अपनी एक और आगामी फिल्म सिरफिरा के प्रमोशन के लिए भी वक्त निकालना है। यह फिल्म 12 जुलाई, 2024 को सिनेमाघरों में दस्तक देने को तैयार है। सरफिरा साउथ अभिनेता सूर्या की सुपरहिट फिल्म सोरारई पोटरू की आधिकारिक रीमेक है।

शहजादा की फीस छोड़ दी थी कार्तिक ने , बन गए थे प्रोड्यूसर

कार्तिक आर्यन पिछले कुछ समय से काफी अच्छी फिल्में दे रहे हैं। उनकी फिल्मों को दर्शक काफी पसंद कर रहे हैं। अब वह चंदू चैम्पियन फिल्म में नजर आने वाले हैं। इसी बीच कार्तिक ने हाल ही में एक्टर्स की फीस को लेकर कमेंट किया है। कार्तिक का कहना है कि एक्टर्स की फीस हर फिल्म के हिसाब से फिक्स होती है। दरअसल, पिछले कुछ समय से ऐसा कहा जा रहा था कि एक्टर्स की फीस और उनके टीम यानी मेकअप, हेयरड्रेसर, स्टाइलिस्ट की डिमांड की वजब से फिल्मों के बजट में बढ़ोतरी हो गई है। तो अब कार्तिक ने इस पर कहा कि उनकी पिछले साल रिलीज हुई कॉमेडी फिल्म शहजादा के लिए उन्होंने अपनी फीस छोड़ दी थी क्योंकि फिल्म को आर्थिक परेशानियों से गुजरना पड़ा था। कार्तिक फिर इस फिल्म के प्रोड्यूसर बन गए थे जिसे रोहित धवन ने डायरेक्ट किया था। इस फिल्म में कृति सेनन लीड रोल में थीं। कार्तिक ने आगे कहा, मुझे फिल्म में प्रोड्यूसर का क्रेडिट मिला था क्योंकि मैंने फीस छोड़ दी थी। मैंने तब यह किया जब कोई इस बारे में बात नहीं कर रहा था।

पंचायत: 3 रिंकी ने कास्टिंग निर्देशकों से की गुजारिश, बोलीं-

कृपया मुझे वकील और पुलिस ऑफिसर के रोल दें

प्राइम वीडियो की चर्चित सीरीज पंचायत की रिंकी यानि अभिनेत्री सानविका ने दर्शकों के दिलों में खास जगह बनाई है। पहले सीजन में दर्शकों को सिर्फ उनका नाम सुनने को मिला था। दूसरे सीजन में वह दर्शकों से रूबरू हुईं। इसके बाद वे सभी की पसंदीदा किरदार बन गईं। अब इस सीरीज का तीसरा सीजन आ चुका है। सचिव जी (एक्टर जितेंद्र) के साथ रिंकी की केमिस्ट्री इस सीरीज का मुख्य आकर्षण है। लेकिन, रियल लाइफ में दोनों की केमिस्ट्री कैसी है? हाल ही में सानविका ने इस बारे में बात की है। हाल ही में एक बातचीत के दौरान सानविका ने जितेंद्र के साथ रियल लाइफ में अपनी बॉन्डिंग पर बात करते हुए कई दिलचस्प बातों का खुलासा किया। एक इंटरव्यू के दौरान सानविका से सीरीज में उनके फेवरेट को-स्टार के बारे में पूछा गया। इस पर उन्होंने कहा कि उनका हर किसी के साथ अच्छा बॉन्ड है, लेकिन जितेंद्र के साथ सबसे अच्छा है। दोनों के बीच अच्छी समझ विकसित हुई है। सानविका ने आगे कहा कि वे एक-दूसरे से ज्यादा बात नहीं करते हैं, क्योंकि वह बहुत शर्मीले हैं। और शुरुआत में वे खुद भी काफी रिजर्व थीं। सानविका ने कहा, हम अपने सीन की प्रैक्टिस किया करते थे। डायलॉग की रिहर्सल करते थे। इसके बाद जाकर परफॉर्म करते थे। सानविका के मुताबिक सीजन 3 में उन्होंने बातचीत करनी शुरू की, फिर जितेंद्र ने भी इस पर रेस्पॉन्स दिया। सानविका ने आगे बताया कि पंचायत सीरीज के बाद उन्हें काफी ज्यादा ऑफर मिल रहे हैं, लेकिन वे चाहती हैं कि कास्टिंग डायरेक्टर उन्हें अलग किस्म के किरदार दें। अभिनेत्री ने कहा कि शुरुआत में वह काफी दुबली थीं। तब उन्हें एक जैसे रोल मिलते थे। मध्यम वर्गीय इंसानों वाले। सानविका ने कहा कि उन्हें मध्यम वर्गीय और निम्न मध्यम वर्गीय रोल करने में कोई एतराज नहीं है, लेकिन वे इनके साथ कुछ अलग तरह के किरदारों के साथ भी प्रयोग करना चाहती हैं। सानविका ने कास्टिंग निर्देशकों से अलग-अलग तरह के किरदार ऑफर करने का अनुरोध करते हुए कहा, प्लीज,अलग-अलग भूमिकाओं के लिए भी आप मेरा ऑडिशन ले सकते हैं। मैं एक अमीर इंसान, एक वकील और पुलिस ऑफिसर की भूमिका निभा सकती हूं... मैं अलग-अलग चीजें कर सकती हूं।

काफी कम बजट में

तैयार किये गये सावन आया है और मिले हो तुम सॉन्ग : नेहा कक्कड़

बच्चों के सिंगिंग रियलिटी शो सुपरस्टार सिंगर 3 में जज नेहा कक्कड़ का बर्थडे सेलिब्रेट किया गया। मेकर्स ने शो का एपिसोड को ही नेहाज बर्थडे बैश नाम दे दिया। इस दौरान कंटेस्टेंट्स ने उनके गानों पर परफॉर्म किया। पंजाब के मोहाली की 14 साल की लाइसेल राय ने नेहा के सावन आया है और मिले हो तुम सॉन्ग पर परफॉर्मेंस दी, जिससे प्रभावित होकर नेहा ने कहा, अगर कोई मेरा रिप्लेसमेंट ढूंढ़ रहा हो, तो मैं लाइसेल को चुनूंगी क्योंकि वह बहुत अच्छा गाती है। आई लव यू लाइसेल, और इस खूबसूरत परफॉर्मेंस के लिए तुम्हारा बहुत-बहुत शुक्रिया।

नेहा ने गाने की रिकॉर्डिंग के वक्त को याद करते हुए कहा, मेरे भाई टोनी और मैंने इस म्यूजिक वीडियो पर काम किया था। उस समय, बहुत से लोगों को यकीन नहीं था कि हम इस गाने के लिए एक अच्छा म्यूजिक वीडियो बना पाएंगे। यह हमारे लिए किसी रिस्क से कम नहीं था, क्योंकि हमने इस गाने पर काफी इनवेस्ट किया था और इसे छोटे से लोकेशन पर शूट करने का फैसला किया था। उन्होंने कहा, जिस दिन इस गाने की शूटिंग थी, उस दिन मैं एक शो से वापस आई थी। मैंने उसी मेकअप में इस गाने की शूटिंग की, क्योंकि हमारे पास म्यूजिक वीडियो के लिए ज्यादा बजट नहीं था। लिमिटेड फंड के साथ, हमने यह वीडियो बनाया। लोगों ने इस गाने को काफी पसंद किया और इसे 10 लाख से ज्यादा लाइक्स मिल गए। यह सबसे ज्यादा पसंद किए जाने वाले लव सॉन्ग वीडियो में से एक था, और इसलिए, यह गाना मेरे लिए बहुत खास है। नेहा की बहन, सोनू कक्कड़ ने कहा, यह बहुत प्यारा था, और इसने मुझे नेहू के बचपन की याद दिला दी।

शाहरुख-सलमान के संपर्क में नहीं हैं फरीदा जलाल

बॉलीवुड अभिनेत्री फरीदा जलाल इन दिनों संजय लीला भंसाली की वेब सीरीज हीरामंडी द डायमंड बाजार को लेकर सुर्खियों में बनी हुई हैं। हाल ही में एक बातचीत में फरीदा जलाल से 1990 के दशक की उनकी फिल्मों के बारे में पूछा गया, जिसमें उन्होंने शाहरुख खान और सलमान खान की ऑन-स्क्रीन मां की भूमिका निभाई थी। इस पर उन्होंने कहा कि वह उन दोनों में से किसी के भी संपर्क में नहीं हैं, मगर जब उनके कंधे की सर्जरी हुई थी, तो शाहरुख ने उनसे बात की थी।

फरीदा जलाल से बातचीत के दौरान पूछा गया कि क्या वह शाहरुख खान के संपर्क में हैं। इस पर अभिनेत्री ने कहा, नहीं, मैं नहीं हूं। मैं उनसे कैसे संपर्क कर सकती हूं, मुझे बताइए? यहां तक कि सलमान से भी मैं कैसे संपर्क कर सकती हूं। आप जानते हैं, उन्होंने अपने मोबाइल फोन या कुछ और बदल लिए हैं। शाहरुख का जो नंबर मेरे पास है, मैंने कंधे की सर्जरी करवाई है और उन्होंने भी कई सर्जरी करवाई हैं। तो, उन दिनों मैं उनके डॉक्टर के पास भी गई थी। तब उन्होंने अचानक मुझे फोन किया, तो मुझे बहुत अच्छा लगा।

उन्होंने बताया कि इस दौरान शाहरुख ने उन्हें शांत किया और कंधे की सर्जरी के बाद धैर्य रखने को कहा। अभिनेत्री ने बताया कि शाहरुख ने उनसे कहा था, मुझे आपको बताना है, यह जो कंधे की सर्जरी है ना, आप इसे लेकर परेशान मत होना। उस मूवमेंट को वापस पाने में बहुत समय लगेगा।फरीदा जलाल ने कहा, मैं बहुत चिंतित थी कि मैं अपना हाथ ऊपर क्यों नहीं उठा पा रही थी। उन्होंने मुझे फोन किया तो मुझे बहुत अच्छा लगा।

अभिनेत्री ने बताया शाहरुख ने उनसे कहा था, बस चिंता मत करो, इसमें समय लगता है। एक साल बाद आप अपना हाथ अच्छी तरह से उठा पाएंगी। लेकिन इसमें समय लगता है, इसलिए धैर्य मत खोना। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि वह शाहरुख और सलमान दोनों से बात करना चाहती हैं। मगर उनसे बात नहीं हो पाती हैं।

आमिर खान भीषण गर्मी के बीच

गुजरात के वडोदरा शहर में कर रहे हैं सितारे जमीन पर की शूटिंग!

देश के सबसे बड़े सुपरस्टार आमिर खान ने दर्शकों को कई बेहतरीन ब्लॉकबस्टर फ़िल्में दी हैं। दुनिया भर में उनके फैंस हैं और लोग उन्हें फ़िल्मों में देखने के लिए बेसब्री से इंतज़ार करते हैं। फिलहाल, फैंस उनकी अगली फिल्म सितारे ज़मीन पर के बारे में और ज्यादा जानने के लिए एक्साइटेड हैं। ऐसे में आ रही ताज़ा खबर यह है कि आमिर खान वडोदरा के गर्म मौसम में फिल्म की शूटिंग करने में बिजी हैं। इंडस्ट्री के एक इंडिपेंडेंट सोर्स के मुताबिक, आमिर खान सितारे ज़मीन पर की लगातार शूटिंग कर रहे हैं। दिल्ली में शूटिंग खत्म करने के बाद, अब वे वडोदरा में शूटिंग कर रहे हैं। चिलचिलाती गर्मी के बावजूद, सुपरस्टार शेड्यूल पर टिके रहने के लिए कड़ी मेहनत कर रही हैं।

छोटे नवाब के साथ पर्दे पर फरमाएंगी इश्क !

बॉलीवुड में डेब्यू करने को तैयार साउथ अभिनेत्री श्रीलीला

साउथ अभिनेत्री श्रीलीला ने महेश बाबू, पवन कल्याण और बालकृष्ण जैसे कई बड़े सितारों के साथ फिल्मों में काम किया है। अब वे बॉलीवुड में डेब्यू करने वाली हैं। श्रीलीला साउथ की उभरती हुई अभिनेत्री हैं। अब वे मुख्य नायिका के तौर पर भी अभिनय का जादू चला रही हैं। श्रीलीला ने लगातार कई प्रोजेक्ट्स के साथ टॉलीवुड में अपना दबदबा बना लिया। कई फिल्मों में वे मुख्य भूमिका निभाते हुए साउथ के कई सुपरस्टार्स के साथ काम करने के लिए तैयार हैं। वहीं, इस बीच अब उनकी सफलता के आसमान पर एक और सितारा चमकने वाला है। साउथ सिनेमा के अलावा श्रीलीला अब जल्द ही हिंदी सिनेमा में भी अपनी अदाकारी का जलवा बिखेरने वाली हैं। रिपोर्ट्स के अनुसार, श्रीलीला जल्द ही हिंदी सिनेमा में डेब्यू करेंगी। खबर है कि श्रीलीला सैफ अली खान के बेटे इब्राहिम अली खान के सह्राथ फिल्म दिलेर में नजर आएंगी, जिसका निर्देशन कुणाल देशमुख करेंगे। कहा जा रहा है कि दिलेर के निर्माता तेलुगु सनसनी के साथ बातचीत कर रहे हैं।